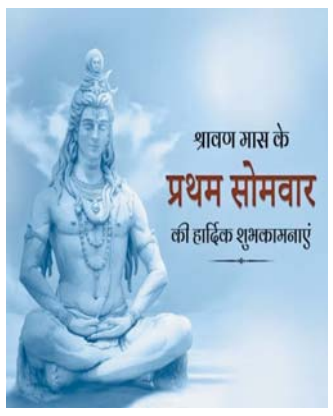

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 327/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 14 जुलाई 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

● सावन के पहले सोमवार पर हुआ मनमोहक श्रृंगार

भक्तों को दर्शन देने ढाई बजे रात में ही जागे बाबा महाकाल

उज्जैन। सावन के पहले सोमवार पर उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में आस्था की बयार बही। आधी रात से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिर के बाहर जुटने लगी थी। हजारों श्रद्धालु बाबा महाकाल के दिव्य दर्शन पाने के लिए कतार में खड़े नजर आए। अल सुबह 2.30 बजे बाबा महाकाल जागे और पंचामृत से भव्य पूजन-अभिषेक कर उनका विशेष श्रृंगार किया गया। इसके बाद महाकाल की भस्म आरती शुरू हुई। श्रद्धालुओं के लिए मंदिर प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्था की गई थी। सामान्य दिनों में जहां 1700 श्रद्धालु ही भस्म आरती का प्रत्यक्ष दर्शन कर पाते हैं, वहीं आज चलित भस्म आरती की व्यवस्था कर हजारों श्रद्धालुओं को दर्शन का लाभ दिया गया। कार्तिक मंडपम से श्रद्धालुओं को इस दिव्य भस्म आरती के दर्शन कराए गए। श्रावण मास की शुरुआत के साथ ही उज्जैन के महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ने लगा है और पहला सोमवार बेहद भव्य और ऐतिहासिक बन गया।

बाबा महाकाल का विशेष श्रृंगार किया गया

महाकालेश्वर मंदिर में आज बाबा महाकाल का विशेष श्रृंगार पूजन किया गया। महाकाल मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि आज सबसे पहले वीरभद्र की आज्ञा लेकर चांदी के गेट खोले गए। इसके बाद पुजारियों ने सबसे पहले गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक किया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल भी अर्पित किया गया।

महानिर्वाणी अखाड़े ने की पूजा

कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को फूलों की माला धारण करवाई गई। फिर बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को महानिर्वाणी अखाड़े के द्वारा भस्म अर्पित कर भोग भी लगाया गया। भस्म आरती में आज हजारों की संख्या मे श्रद्धालु पहुंचे, जिन्होंने बाबा महाकाल के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के जयकार लगाते दिखे। मंदिर परिसर के बाहर प्रशासन भी मुस्तैद दिखा।

सांध्यप्रकाश विशेष

पीएम मोदी ने नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदू बुहारी के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदू बुहारी के निधन पर शोक जताया। बुहारी का रविवार को 82 वर्ष की उम्र में लंदन में इलाज के दौरान निधन हो गया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी संवेदना प्रकट करते हुए लिखा, नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदू बुहारी के निधन से अत्यंत दुखी हूं। मुझे विभिन्न अवसरों पर हुई हमारी मुलाकातें और बातचीत याद आती हैं। उनकी बुद्धिमत्ता, गर्मजोशी और भारत-नाइजीरिया मैत्री के प्रति अटूट प्रतिबद्धता थी। मैं भारत के 1.4 अरब लोगों के साथ उनके परिवार, नाइजीरिया की जनता और सरकार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। नाइजीरिया के वर्तमान राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू ने पूर्व राष्ट्रपति के निधन पर गहरा दुख जताया है और उपराष्ट्रपति काशिम शेट्टिमा को लंदन भेजा है ताकि बुहारी के पार्थिव शरीर को नाइजीरिया लाया जा सके। साथ ही, उनके सम्मान में राष्ट्रीय झंडे को आधा झुकाने का आदेश दिया गया है।

बुजूर्गों के दर्द को किया दुबई में प्रवासी भारतीयों ने महसूस

देखभाल के लिए किया 100 करोड़ का निवेश

भोपाल। दुबई में रह रहे भारतीय मूल के प्रवीण मेहता ने मध्यप्रदेश में वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए 100 करोड़ रुपए की लागत से एक परियोजना और शून्य कार्बन उत्सर्जन वाली सस्टेनेबल सिटी के लिए लगभग 1000 करोड़ रुपए के निवेश की योजना का प्रस्ताव दिया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर आपके बच्चे विदेशों में हैं, तो हम आपका परिवार हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव ने बताया कि सरकार ऐसे वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष योजनाएं चला रही है, जिनके बच्चे विदेश में हैं। स्वास्थ्य विभाग और संबंधित जिलों के कलेक्टरों को उनकी देखभाल के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री के साथ दुबई दौरे के दौरान राघवेन्द्र सिंह प्रमुख सचिव उद्योग, चंद्रमोली शुक्ला एमडी एमपी एसआईडीसी, सुदाम खाडे, आयुक्त जनसंपर्क, संजय दुबे एसीएस नगरीय प्रशासन एवं आई टी तथा शिवशेखर शुक्ला प्रमुख सचिव संस्कृति विभाग भी मौजूद रहे।

सीएम के दौरे का है आज दुसरा दिन- मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी दुबई यात्रा की शुरुआत रविवार को प्रवासी भारतीय समुदाय से संवाद के साथ की। सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का दुबई दौरे का दूसरा दिन है. छ्ल्के दिन की शुरुआत दुबई के होटल अटलांटिस में 'ब्रांड मध्यप्रदेश' कार्यक्रम से हुई. इसमें प्रदेश की उपलब्धियों, निवेश अवसरों और सांस्कृतिक पहचान को दर्शाने वाली प्रेरणादायक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया जाएगा. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव फ्रेंड्स ऑफ एमपी' और प्रवासी भारतीयों और दुबई के भारतीय मूल के उद्योगपतियों से भी मुलाकात करेंगे. साथ ही मध्य प्रदेश में इन्वेस्ट करने के लिए उनसे अपील करेंगे.

अप्रवासी भारतीयों की 25 कंपनियों ने दिखाया उत्साह- दुबई में इंदौरी इंटरनेशनल बिजनेस नेटवर्क द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने व्यापारियों, उद्यमियों और पेशेवरों से मुलाकात की। इस दौरान 25 से अधिक कंपनियों के सीईओ और 15 से ज्यादा उद्योगपतियों ने मध्यप्रदेश में निवेश की इच्छा जताते हुए करीब 1000 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्रस्तुत किए।

इंदौर में मिलेगी दुबई की शिक्षा

फ्यूचर वाइज एजुकेशन की सीईओ अंजू भाटिया ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत मध्यप्रदेश में विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस की स्थापना का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि इससे राज्य के छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा अपने गृह राज्य में ही मिल सकेगी। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा जिसमें मध्यप्रदेश की लोक-संस्कृति, बटिक प्रिंट, लोकनृत्य और गीतों के माध्यम से राज्य की सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन किया जाएगा। सीएम इस कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों को अपनी जड़ों से जुड़ने का संदेश देंगे।

अरब संसद अध्यक्ष को दिया एमपी आने का न्योता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अरब संसद के अध्यक्ष मोहम्मद अल यामाहि से भी सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने मध्यप्रदेश की निवेश नीति, लॉजिस्टिक्स और ग्रीन एनर्जी योजनाओं की जानकारी दी और उन्हें आगामी एनर्जी समिट में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। अल यामाहि ने प्रवासी भारतीयों की भूमिका की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री को 'उम्म-ए-अली' कहकर सम्मानित किया और उन्हें अपने घर परिवार समेत आने का निमंत्रण दिया।

● केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सर्वसम्मति बनाने के लिए चर्चा करेंगे

जीएसटी में बदलाव की तैयारी, क्या 12 प्रतिशत स्लैब होगा खत्म?

नई दिल्ली। जीएसटी सिस्टम में बड़े बदलाव के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सभी हितधारकों राज्यों और केंद्रीय मंत्रालयों के साथ सर्वसम्मति बनाने के लिए चर्चा शुरू करने जा रहे हैं। इसका उद्देश्य विवादित मुद्दों को हल करना और प्रक्रिया को गति देना है। सबसे महत्वपूर्ण प्रस्ताव 12 प्रतिशत टैक्स स्लैब को खत्म करने का है, जो लंबे समय से लंबित है। इसके तहत कुछ वस्तुओं को 5 प्रतिशत और कुछ को 18 प्रतिशत स्लैब में शिफ्ट किया जाएगा। हालांकि इससे जीएसटी की जटिल मल्टी रेट स्ट्रक्चर सरल होगी, लेकिन अनुमान है कि केंद्र और राज्यों को मिलाकर लगभग 70,000-80,000 करोड़ रुपए का राजस्व नुकसान होगा। खबर के मुमाबिक जीएसटी के 8 साल बाद व्यवस्था स्थिर हुई है, ऐसे में बदलाव आसान नहीं होगा। कोई भी राज्य चाहे विपक्षी हो या भाजपा शासित, आसानी से प्रस्तावों को स्वीकार नहीं करेगा। रेवन्यू का नुकसान एक बड़ी चिंता है। इसलिए अमित शाह पहले ही राज्यों के साथ व्यापक चर्चा करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह वित्त मंत्रालय के अधिकारियों से भी बातचीत की है।

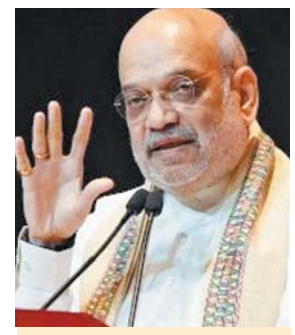

राज्यों की चिंताएं

वर्तमान जीएसटी में कई दरें हैं- 0प्रतिशत, 5प्रतिशत, 12प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28प्रतिशत, जिनके अलावा लग्जरी वस्तुओं पर सैस और कीमती धातुओं के लिए विशेष प्रावधान हैं। दरों में सरलीकरण का प्रस्ताव कई राज्यों को पसंद नहीं है। उदाहरण के लिए, दो विपक्षी राज्यों ने जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने की मॉंग की है, जबकि कुछ इसे पूरी तरह टैक्स-फ्री करना चाहते हैं। जीएसटी परिषद किसी एक बैठक में बड़े बदलाव पारित नहीं हो पाएगी। चूंकि इन फैसलों पर मतदान भी हो सकता है, इसलिए व्यापक सहमति जरूरी है।

संवेदनशील फैसलों में शाह का योगदान

जब भी वित्त मंत्री से इतर किसी तीसरे व्यक्ति की भूमिका की जरूरत होती है, विशेषकर राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों में, अमित शाह को शामिल किया जाता है। पहले भी विनिवेश और खाद्य महंगाई जैसे मुद्दों पर उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बढ़ी ब्रह्मोस की डिमांड, खरीदने के लिए लाइन में 15 देश

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच मई में हुए संघर्ष के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल ने अहम भूमिका निभाई थी। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने ब्रह्मोस मिसाइल से ही पाकिस्तान पर हमला किया था। इस मिसाइल की सफलता के बाद अब पूरी दुनिया इसका लोहा मान रही है। यही कारण है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद 14-15 देशों ने ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने में रुचि दिखाई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस मिसाइल की अहम भूमिका रही है। यही कारण है कि तब से अब तक एक दर्जन से ज्यादा देशों ने इसमें अपनी रुचि दिखाई है। ये सभी देश ब्रह्मोस मिसाइल को खरीदना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले ही, मैंने लखनऊ में ब्रह्मोस एयरस्पेस इंटीग्रेशन और परीक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। आपने देखा होगा कि ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस मिसाइल ने चमत्कारी काम किया है और इतना ही नहीं, ब्रह्मोस मिसाइल के चमत्कार के बाद, दुनिया के लगभग 14-15 देशों ने भारत से ब्रह्मोस मिसाइल की मांग की है। उन्होंने कहा, ब्रह्मोस मिसाइल अब लखनऊ से भी निर्यात की जाएगी।

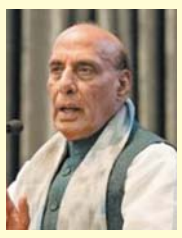

विधानसभा अध्यक्षों की बैठक सचिवालय में आज

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा सचिवालय भवन में सोमवार को आयोजित की जा रही महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर करेंगे। बैठक में उत्तरप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, हिमाचल विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, सिक्किम विधानसभा अध्यक्ष मिंगमा नोरबू शेरपा, ओडिशा विधानसभा अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी एवं पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी भाग लेंगे। बैठक में विधान मंडलों में समिति प्रणाली की समीक्षा की जाएगी एवं उन्हें सुदृढ़ बाने पर विचार मंथन होगा।

ईडी के सामने रॉबर्ट वाड्रा की पेशी; संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई पूछताछ

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और जानेमाने कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुए।

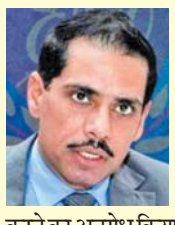

उनसे ब्रिटिश हथियार सलाहकार संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ की गई। वाड्रा का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया जा रहा है। 56 वर्षीय वाड्रा को एजेंसी ने पिछले महीने बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया था, लेकिन उन्होंने विदेश यात्रा के कारण अपने समन को स्थगित करने का अनुरोध किया था। केंद्रीय जांच एजेंसी उनसे तीन अलग-अलग धन शोधन मामलों में पूछताछ कर रही है, जिनमें यह मामला भी शामिल है। अन्य दो मामले भूमि सौदों में कथित अनियमितताओं से संबंधित हैं। 63 वर्षीय भंडारी 2016 में आयकर विभाग की ओर से दिल्ली में छापेमारी के तुरंत बाद लंदन भाग गए थे। हाल ही में दिल्ली की एक अदालत ने उन्हें भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया है।

गलवान झड़प के बाद पहली बार चीन पहुंचे जयशंकर, उपराष्ट्रपति झेंग से की मुलाकात

बीजिंग। गलवान झड़प के बाद पहली बार चीन पहुंचे विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत-चीन संबंधों के निरंतर सामान्य बने रहने से पारस्परिक रूप से लाभकारी परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। हान के साथ बैठक में, जयशंकर ने यह भी कहा कि जटिल वैश्विक स्थिति को देखते हुए, दोनों पड़ोसी देशों के बीच विचारों का खुला आदान-प्रदान महत्वपूर्ण है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने सोमवार को प्रदेश कार्यालय में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कैलाश जोशी की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

धरती पर आने को तैयार शुभ, आज शाम को अनडॉक होगा स्पेसक्राफ्ट

नई दिल्ली। भारत के अंतरिक्ष मिशन में एक ऐतिहासिक क्षण और सामने आने वाला है। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला, जिन्होंने 18 दिन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर बिताए, अब धरती पर वापसी के लिए तैयार हैं। एक्सिओम-4 मिशन के तहत उनकी वापसी सोमवार शाम से शुरू होगी। यह मिशन भारत सहित हंगरी और पोलैंड के लिए भी अंतरिक्ष में वापसी का प्रतीक है, क्योंकि इन देशों ने चार दशकों बाद फिर से अंतरिक्ष में भागीदारी की है। शुभांशु शुक्ला और उनकी टीम सोमवार को दोपहर करीब दो बजे पर ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट में सवार होंगे। अंतरिक्ष स्टेशन से अनडॉकिंग शाम 4.35 बजे आईएसटी पर होगी। इसके बाद स्पेसक्राफ्ट 22.5 घंटे की यात्रा के बाद यानी मंगलवार दोपहर 3 बजे आईएसटी पर कैलिफोर्निया के तट के पास समुद्र में स्प्लैशडाउन करेगा। यह पूरी प्रक्रिया स्वचालित होगी और उसमें किसी मैनुअल हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होगी।

स्पेसक्राफ्ट की वापसी प्रक्रिया- ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट आईएसएस से अलग होने के बाद कुछ इंजिन बर्न करेगा ताकि वह खुद को स्टेशन से सुरक्षित दूरी पर ले जा सके। इसके बाद वह पृथ्वी के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश करेगा। इस दौरान उसका तापमान 1,600 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। दो चरणों में पैराशूट खुलेंगे पहले 5.7 किमी की ऊंचाई पर स्टेबलाइजिंग चूट्स और फिर लगभग दो किमी पर मेन पैराशूट खुलेंगे, जिससे स्पेसक्राफ्ट की सुरक्षित लैंडिंग संभव होगी।

विदाई समारोह में बोले शुक्ला - रविवार को आएसएस पर एक्सपीडिशन-73 मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों ने एक्सिओम-4 मिशन दल के लिए विदाई समारोह आयोजित किया। इस मौके पर शुभांशु शुक्ला ने कहा कि जल्दी ही धरती पर मुलाकात करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें इस यात्रा की शुरुआत में इतना कुछ अनुभव होगा, इसकी कल्पना नहीं थी। यह यात्रा उनके लिए अविस्मरणीय रही।

धरती पर लौटने के बाद होगा रिहैब फेज- स्पेस से लौटने के बाद शुक्ला और उनकी टीम को सात दिनों तक पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण में ढलने के लिए पुनर्वास (रिहैबिलेशन) प्रक्रिया से गुजरना होगा। वजनहीन वातावरण में रहने के बाद शरीर को फिर से सामान्य स्थिति में लाने के लिए यह जरूरी है। इस पूरी प्रक्रिया को वैज्ञानिकों की निगरानी में किया जाएगा।

अंतरिक्ष में भारत की नई पहचान

शुभांशु शुक्ला की यह यात्रा सिर्फ एक मिशन नहीं, बल्कि भारत की नई अंतरिक्ष पहचान का प्रतीक है। वे न केवल आईएसएस जाने वाले पहले भारतीय बने, बल्कि उन्होंने यह दिखा दिया कि भारत अब अंतरिक्ष अन्वेषण की अग्रणी दौड़ में शामिल हो चुका है। उनकी वापसी का हर भारतीय को बेसब्री से इंतजार है।

अंतरिक्ष से भारत की तस्वीर पर बात की

शुक्ला ने अंतरिक्ष से भारत की तस्वीर पर बात करते हुए कहा कि साल 1984 में राकेश शर्मा ने जो भारत देखा, उसके बाद अब हम देख रहे हैं कि आज का भारत महत्वाकांक्षी, निडर, आत्मविश्वासी और गर्व से भरा हुआ दिखता है। यही कारण है कि मैं आज भी कह सकता हूं सारे जहां से अच्छा है हमारा भारत'। उनका यह बयान भारत की बदलती अंतरिक्ष ताकत को भी दर्शाता है। इस मिशन के लिए इसरो ने लगभग ?550 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। यह मिशन इसरो के मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम 'गगनयान' के लिए मील का पत्थर माना जा रहा है, जिसे 2027 में लॉन्च किया जाना है। शुक्ला का यह अनुभव उस मिशन की तैयारी में बेहद उपयोगी साबित होगा।

सावन मास शुरू होते ही विजासन देवी मंदिर में शिवलिंग निर्माण अभिषेक पूजन चल रहा है। इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे है

पुरुषोत्तम नगर वार्ड नंबर 38 में सावन मास महोत्सव का आयोजन

भोपाल। सेमरा स्थित पुरुषोत्तम नगर वार्ड नंबर 38 में सावन मास महोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर उपस्थित गोरी नितिन पाठक पार्षद नितिन पाठक स्टेशन मंडल अध्यक्ष दीपक ठाकुर संतोष कटारे जी मंदिर पुजारी के नेतृत्व के आज कलश यात्रा का आयोजन किया गया है जिसमें माननीय कैबिनेट मंत्री विश्वास कैलाश सारंग की उपस्थिति में आज भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा इस मौके पर मंडल अध्यक्ष नितिन पाठक ने बताया कि यह 12 शिव मंदिरों में जल अभिषेक किया जाएगा वार्ड के और क्षेत्र के जो प्रसिद्ध मंदिर हैं वहां पर जाकर आज भाव अभिषेक किया जाएगा। इस मौके पर अरविंद सिंह चौहान ,कोमल सिंह,जीतू मनौतिया, स्वामी निरंजन, पवन मुखिया, लालचंद भरके आदि उपस्थित रहे।

प्रदेश में भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर

आज प्रदेश के 35 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश स्ट्रांग सिस्टम एक्टिव होने की वजह से लगातार तेज बारिश का दौर चल रहा है। सोमवार को प्रदेश के 35 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है। इनमें से 9 जिलों में अति भारी बारिश होने की संभावना है।नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, राजगढ़, विदिशा, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी और श्योपुर में अति भारी बारिश का अलर्ट है। यहां 24 घंटे में 8 इंच तक बारिश हो सकती है। इससे पहले रविवार को गुना में 9 घंटे में 2 इंच से ज्यादा बारिश हो गई। श्योपुर में सवा इंच, खरगोन-टीकमगढ़ में आधा इंच से ज्यादा पानी गिरा जबकि पचमढ़ी में आधा इंच बारिश हुई। भोपाल, बैतूल, दतिया, ग्वालियर, इंदौर, रायसेन, रतलाम, शिवपुरी, उज्जैन, छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, मंडला, सागर, बालाघाट, शाजापुर, देवास, सीहोर, आगर-मालवा, राजगढ़, विदिशा समेत कई जिलों में भी कभी तेज तो कभी हल्की बारिश का दौर बना रहा। रात में भी पानी गिरा।

इन जिलों में आज तेज बारिश का अलर्ट: मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, राजगढ़, विदिशा, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी और श्योपुर में अति भारी बारिश का अलर्ट है। यहां 24 घंटे में 8 इंच तक बारिश हो सकती है। ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, शहडोल, सागर, रायसेन, सीहोर, शाजापुर, देवास, इंदौर, उज्जैन, रतलाम, झाबुआ, धार और अलीराजपुर में भारी बारिश हो सकती है। भोपाल में हल्की बारिश का दौर बना रहेगा।

छतरपुर के रनगुवां डैम के 15 गेट खुले

रविवार को छतरपुर में धसान नदी में पिकअप वाहन बह गया। इसमें सवार दो लोग शीशा तोड़कर बाहर निकल आए। एक की मौके पर ही मौत हो गई। छतरपुर के खजुराहो में रनगुवां बांध के 15 गेट खोल दिए गए। शिवपुरी में उफनते नाले को पार करते वक्त तीन युवक बाइक समेत बह गए। पेड़ों की डालियों को पकड़ने पर उनकी जान बची। ग्रामीणों ने मशक्कत कर उनको बाहर निकाला। खजुराहो में पुल टूटने से देवगांव-देवरा मार्ग बंद हो गया। छतरपुर-पन्ना जाने वाले वाहनों की लंबी कतार लग गई। बिजली के 6 खंभे बह जाने से कई गांवों की बिजली आपूर्ति भी ठप हो गई। टीकमगढ़ में पुरानी टिहरी रोड पर बने पुल के बगल की दीवार और पेड़ गिर गया। हनुमान सागर तालाब ओवरफ्लो हो गया। वार्ड नंबर 20 की शिव शक्ति कॉलोनी में घरों में करीब 3 फीट तक पानी भर गया।

भोपाल में जुलाई के आखिरी में खुल सकते हैं भदभदा डैम के गेट

नागरिकों के लिए राहत भरी खबर है। लगातार हो रही बारिश के चलते बड़ी झील का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। अगर इसी तरह बारिश का सिलसिला जारी रहा, तो जुलाई महीने के अंत तक भदभदा डैम के गेट खोले जा सकते हैं। रविवार दोपहर तक झील का जलस्तर 1660.10 फीट दर्ज किया गया, जबकि इसका फुल टैंक लेवल 1666.80 फीट है, जिस पर गेट खोले जाते हैं। नगर निगम ने संभावित स्थिति को ध्यान में रखते हुए भदभदा डैम पर दो इंजीनियरों की 24 घंटे की शिफ्ट में ड्यूटी लगा दी है। ये इंजीनियर लगातार झील के जलस्तर की निगरानी कर रहे हैं और पल-पल की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दे रहे हैं। यह स्थिति न केवल पर्यावरणीय दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि जल आपूर्ति के लिए भी फायदेमंद साबित होगी। मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश पर बनने जा रहे कम दबाव के क्षेत्र के असर से राजस्थान से लगे प्रदेश के जिलों में वर्षा का दौर बना रहने की संभावना है, लेकिन शेष क्षेत्रों में वर्षा की गतिविधियों में कमी आ सकती है।

सड़क दुर्घटना बीमा योजना एवं आयुष्मान भारत से जुड़ी जमीनी चुनौतियों पर किया विचार विमर्श

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

मिंटो हॉल में एक अहम संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें सड़क दुर्घटना पीड़ितों हेतु बीमा योजना के अमल की शुरुआत, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की कार्यप्रणाली और निजी अस्पतालों के अनुभवों व समस्याओं को केंद्र में रखते हुए एक व्यापक चर्चा की गई।

इस महत्त्वपूर्ण बैठक का आयोजन यूनाइटेड प्राइवेट हॉस्पिटल डायरेक्टर्स एसोसिएशन द्वारा किया गया, जिसकी अध्यक्षता आयुष्मान भारत निरामयम के सीईओ डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने की। वे इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भी थे। प्रारंभिक सत्र सुबह 11 बजे दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुआ। इसके पश्चात् अध्यक्ष डॉ. विशाल सिंह बघेल एवं सलाहकार समिति के चेयरमैन डॉ. ज़ीशान अहमद ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए उद्घाटन भाषण दिए। प्रदेशभर से आए निजी अस्पतालों के संचालकों ने इस संगोष्ठी में हिस्सा लिया। डॉ. योगेश तुकाराम भरसट जी ने अपने उद्बोधन में स्पष्ट किया, स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और सुलभता सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है, और इसमें निजी क्षेत्र की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। जब दोनों पक्ष मिलकर काम करेंगे, तभी योजनाएं सफलतापूर्वक ज़मीन पर उतरेंगी। सड़क दुर्घटना बीमा योजना के तहत सड़क हादसों में घायल नागरिकों को राज्य सरकार की ओर से बीमा सुविधा के माध्यम से तुरंत इलाज मिल सकेगा। यह सुविधा निजी और शासकीय दोनों संस्थानों में उपलब्ध रहेगी।

शुभ श्रावण मास:शिव तत्व विचार

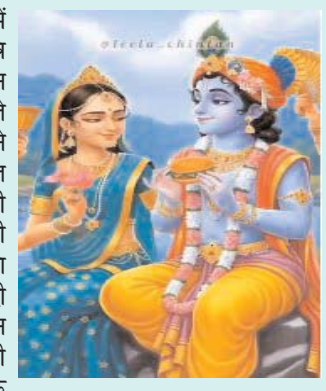

पवित्र श्रावण मास में शिवार्चन करते-करते एक सूत्र और सीखने योग्य है। भगवान महादेव की गृहस्थी के दर्शन करते हुए विचार करें कि कितने विरोधाभासी लोग भी बड़ी शांति से इस परिवार में रहते हैं।सबकी प्रकृति अलग-अलग है फिर भी सब शांति से रहते हैं। माँ पार्वती का वाहन शेर है और शिवजी का नंदी है। वृषभ शेर का भोजन है, लेकिन यहाँ कोई वैर नहीं है। कार्तिकेय जी का वाहन मोर है और शिवजी के गले में सर्पों की माला है। मोर और सर्प भी जन्म जात शत्रु हैं, लेकिन यहाँ ये प्रेम पूर्वक एक साथ ही रहते हैं। गणेश जी का वाहन चूहा है और चूहा भी सर्प का भोजन है। इस परिवार में सब शांति, सद्भाव और निर्वैर जीवन जीते हैं। वैचारिक भिन्नता के कारण सम्भव है आपकी घर में किसी से न बने। घर में मतभेद हो जाएं कोई बात नहीं, मनभेद नहीं होना चाहिए। सबसे प्रेमपूर्ण व्यवहार करना सीखें, हमारा घर भी शिवालय बन सकता है।

विचार प्रवाह : (मेरी भावांजलि)

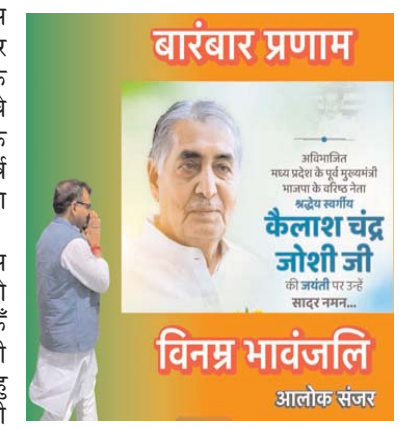

आज श्रावण समास का प्रथम सोमवार और संयोग है कि राजनीति के संत, एक वास्तविक सच्चे और ईमानदार नेता, एक सर्वप्रिय जनप्रतिनिधि पूर्व मुख्यमंत्री स्व श्री कैलाश जोशी जी की जयंती है।

आज सुबह से प्रयास में हूँ कि एक एक अक्षर को चुनकर शब्द पुष्प बनाऊँ और फिर स्व जोशी जी जैसे पुण्यात्मा, पारदर्शी बहु आयामी व्यक्तित्व के धनी के जीवन चरित्र का सुंदर गुलदस्ता बनाकर नेक दिल कर्मठ व शीर्ष नेता के श्री चरणों का स्मरण करूँ। मेरा सौभाग्य रहा कि मैं उनकी कृपा का पात्र रहा, अनेकों संस्मरणों का साक्षी रहा, समय के इतने पाबंद थे कि सामने कितनी भी रूकावट या परेशानी आ जावें जहाँ पहुंचना होता था समय पर ही पहुँचते थे, संगठन के प्रति निष्ठा और समर्पण व अनुशासन के चर्चे आज भी होते है। अपने स्वयं के लिए कोई मोह नहीं, विचारधारा के पथ पर चलने का उनका अभिमान महाभारत के भीष्म पितामह के समान ही था।

एक विशेष यात्री को जो राजनीति की रपटीली राह पर सधे कदमों से चले सबके प्रेरणास्रोत बने आदरणीय स्व श्री कैलाश जोशी जी की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। - जय बाबा महाकाल जय बाबा चतुर्भुज जय माँ माहेश्वरी ? श्री चित्रगुप्ताय वै नमः जय बाबा नीब करौली जय गुरूदेव भगवन् जय माँ नर्मदे जय हिंद जय मध्यप्रदेश जय भोपाल।

- आलोकिरण संजर

समाजसेवी हरप्रीत कौर को किया सम्मानित

भोपाल। समाजसेवी हरप्रीत कौर को ज्ञानदीप चिकित्सा एवं शिक्षा समिति द्वारा सम्मानित किया गया। ज्ञानदीप चिकित्सा एवं शिक्षा समिति चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम चला रही है मासिक धर्म से जुड़े महत्वपूर्ण स्वास्थ्य पहलुओं, स्वच्छता प्रथाओं और भ्रांतियों पर जागरूक भी किया जाता है ज्ञानदीप समिति की यह पहल महिला स्वास्थ्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। संस्था ने समाजसेवा विशेषकर गरीब वर्ग की बच्चियों के विवाह कराने में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए हरप्रीत कौर को शॉल, पुष्पगुच्छ द्वारा सम्मान किया गया । इस अवसर पर संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ ललितेश मित्तल डॉक्टर साक्षी गुप्ता, एवं समस्त स्टाफ उपस्थिति रहे।

चित्रगुप्त पीठ के महंत गोविंद श्रीवास्तव और अभा सत्य सनातन संघ के पदाधिकारियों ने कायस्थम के अध्यक्ष से भेंट की

भोपाल। डॉ. गोविन्द नारायण श्रीवास्तव राष्ट्रीय सह प्रमुख श्री चित्रगुप्त पीठ एवं श्रीमहंत चित्रगुप्त अखाड़ा, वृंदावन,मथुरा तथा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अखिल भारतीय सत्य सनातन संघ ने आज कायस्थम के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव से भेंट की। उनके साथ श्री उदित सिंह भदौरिया,अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल विश्व सत्य सनातन संघ,श्री सुरेन्द्र सिंह भदौरिया राष्ट्रीय संगठन महामंत्री अखिल विश्व सत्य सनातन संघ,भारत,और डॉ. अजीत सिंह प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अखिल विश्व सत्य सनातन संघ,मध्यप्रदेश भी इस अवसर पर उपस्थित थे। सभी ने भगवान श्री चित्रगुप्त जी को लेकर कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा की गई टिप्पणी के विरोध में कायस्थम द्वारा की गई पहल का समर्थन किया। गोविंद नारायण श्रीवास्तव को कायस्थम का साहित्य भेंट किया गया।

बावड़ियां कलां मंदिर में झूलेलाल चालीहा साहिब उत्साह और परंपरागत ढंग से मनेगा

भोपाल। हर साल की तरह इस साल भी उपासना का पर्व श्री झूलेलाल चालीहा साहिब उत्साह और परंपरागत ढंग से जोरदार तरीके से मनाने की तैयारियां पूज्य सिन्धी पंचायत गुलमोहर ई -8 एक्सटेंशन बावड़ियां कलां द्वारा झूलेलाल मंदिर में की जा रही हे। सिन्धी पंचायत गुलमोहर ई -8 एक्सटेंशन बावड़ियां कलां भोपाल के अध्यक्ष संजय रामतानी ने बताया कि 16 जुलाई को श्री झूलेलाल चालीहा प्रारंभ हो रहा है। इस पर्व को नियमित 40 दिन सुबह 9.30 बजे से 10 बजे तक बावड़ियां कलां स्थित झूलेलाल मंदिर में सिंधी समाज के इष्ट देवता श्री झूलेलाल जी की उपासना ओर पूजा की जाएगी। पंचायत के मुख्य सलाहकार श्री डी एम मोटवानी ने इस पर्व पर प्रकाश डाला कि मंदिर में श्री झूलेलाल चालीहा साहिब का पाठ, आरती, पल्लव,छेज भी नियमित किया जाएगा । पंचायत के महासचिव श्री देवानंद जेठानी ने बताया कि इस बार का श्री झूलेलाल चालीहा साहिब में भगवान झूलेलाल जी से प्रार्थना करेंगे कि विश्व में शांति रहे । श्री झूलेलाल चालीहा साहिब कार्यक्रम म राजेन्द्र कुमार हेमनानी एवं राकेश केसवानी, सुनील नरियानी, निक्की मूलचंदानी व्यवस्था और प्रबंधन का कार्यभार संभाल रहे हे।

बस्ती के 70 उत्कृष्ट बच्चों का हुआ सम्मान

भोपाल। निर्माण परिवर्तन की और समिति द्वारा मेघावी सम्मान समारोह का आर्य समाज मंदिर नेहरू नगर मैं आयोजन किया गया जिसमे उन बच्चो का सम्मान किया गया जिन्होंने कम संसाधनों के बावजूद शैक्षणिक सत्र 2024-25 मैं उत्कृष्ट नंबर लाकर शिक्षा का परचम लहराया । निर्माण समिति पिछले 8 वर्षों से सुविधाहीन बच्चों की शिक्षा पर कार्यरत है । कार्यक्रम मैं बीसीसीआई प्रवक्ता अजय देवनानी, नीता मनवानी, अल्पना झा, जसमीत शर्मा , नीलोफर ख़ान , सुशील अग्रवाल , नेहा जैन , प्रियंका शाह , मनीष शुक्ला , नेहा चतुर्वेदी , दिव्या यादव सहित गणमान्य नागरिकों ने अपने हाथों से बच्चो को पुरस्कृत किया एवं शैक्षणिक सामग्री प्रदान कर अगले सत्र मैं और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया । निर्माण समिति की तरफ़ से भूमिका बर्छे ने संगीत का संक्षिप्त परिचय दिया एवं दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ निर्माण के बच्चो ने भक्तिमय प्रस्तुति दी।

बुद्धभूमि महाविहार में भंते शाक्यपुत्र सागर थेरो का 25वां वर्षावास अधिष्ठान

भोपाल। बौद्धधम्म की महान परंपरा का अनुसरण करते हुए बुद्धभूमि महाविहार मॉनेस्ट्री, चुनाभट्टी, कोलार रोड में आषाढ़ी पूर्णिमा के पावन अवसर पर रविवार को वर्षावास प्रारंभ समारोह का आयोजन हर्षोल्लास और आध्यात्मिक श्रद्धा के साथ सम्पन्न हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर वरिष्ठ बौद्ध धम्मगुरु भंते शाक्यपुत्र सागर थेरो ने अपने 25वें वर्षावास का विधिपूर्वक अधिष्ठान ग्रहण किया। उनके साथ उनके शिष्य भंते राहुलपुत्र एवं श्रमणेर संघपुत्र ने भी संघ के साथ वर्षावास प्रवेश संकल्प कर इस विशुद्ध परंपरा को आगे बढ़ाया। कार्यक्रम की शुरुआत बुद्ध वंदना, त्रिशरण व पंचशील से हुई, जिसके उपरांत धम्मचक्र प्रवर्तन सुत्त का पाठ, वर्षावास संकल्प विधि, धम्मदेशना एवं सामूहिक ध्यान साधना आयोजित की गई। उपस्थित श्रद्धालुओं ने मैत्री एवं करुणा संदेशों के माध्यम से भिक्षु संघ के प्रति अपने श्रद्धा-भाव प्रकट किए। इस अवसर पर भंते शाक्यपुत्र सागर थेरो ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्षावास केवल एक परंपरा नहीं, यह भिक्षु जीवन की तपश्चर्या है ङ्क जहाँ हम आत्मानुशासन, शील, ध्यान और करुणा की गहराई में उतरते हैं। इस कालखंड में हम न केवल स्वयं को, बल्कि समाज को भी धम्म से आलोकित करने का संकल्प लेते हैं। यह मेरा 25वां वर्षावास है। यह कोई उपलब्धि नहीं, बल्कि यह एक अवसर है और भी विनम्र, और भी समर्पित होकर धम्म सेवा करने का। यह जीवन एक साधना है, और धम्म उसका प्रकाश है। भिक्षु जीवन का सार है सेवा और साधना। और वर्षावास उस साधना का सर्वोच्च पर्व है, जहाँ भिक्षु स्वयं को शुद्ध करता है और समाज के लिए प्रेरणा बनता है। वर्षावास बौद्ध भिक्षुओं की वह दिव्य परंपरा है जिसमें वर्षा ऋतु के तीन महीनों तक भिक्षु एक ही स्थान पर निवास कर आत्मचिंतन, ध्यान, शील और धम्म प्रचार में रत रहते हैं। यह परंपरा स्वयं भगवान बुद्ध द्वारा स्थापित की गई थी, जिसका उद्देश्य सामाजिक संवेदनशीलता, पर्यावरणीय संरक्षण और आत्मानुशासन को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर आयुष्मान रामनरेश कुशवाह मुरैना को आजीवन भिक्षु श्रामणेर दीक्षा दी गई तथा रोटरी क्लब ऑफ़ भोपाल कैपिटल द्वारा वंचित लोगों को राशन सामग्री वितरित की गई ।

सावन: भक्ति का प्रवाह और आत्म-परिवर्तन का महायोग

(प्रवीण कक्कड़)

सावन का महीना दस्तक दे चुका है, और इसके साथ ही प्रकृति ने हरियाली की चादर ओढ़ ली है। रिमझिम फुहारें, मिट्टी की सौंधी खुशबू और हवा में घुली ताजगी सिर्फ मौसम का बदलाव नहीं, बल्कि आध्यात्मिक चेतना के जागरण का भी संकेत है। यह वो पावन समय है जब हर कण भगवान भोलेनाथ महादेव की भक्ति में लीन हो जाता है, और उनकी आराधना का विशेष महत्व होता है। सावन हमें सिर्फ भक्ति में डूबने का ही नहीं, बल्कि जीवन को गहरे अर्थों में समझने और स्वयं को बेहतर बनाने का एक स्वर्णिम अवसर देता है। सावन हमें जीवन के बीज बोने का पहला और सबसे महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। प्रकृति की नम मिट्टी और जीवनदायी वर्षा इस समय को पौधारोपण के लिए सर्वोत्तम बनाती है। एक छोटा-सा पौधा, जिसे आप आज रोपित करते हैं, वह भविष्य में एक विशाल छायादार, फलदार या फूलदार वृक्ष बन सकता है। यह हमें सिखाता है कि कैसे आपके छोटे-छोटे प्रयास भी दीर्घकाल में बड़ी उपलब्धियां, गहरा सुकून और स्थायी खुशियां प्रदान कर सकते हैं। यह सिर्फ पेड़ लगाना नहीं, यह भविष्य के लिए निवेश है, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता है, और जीवन के निरंतर विकास में विश्वास का प्रतीक है।

मन में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार: धरती पर बीज बोने के साथ ही, सावन हमें अपने मन में आध्यात्मिक विचारों के बीज रोपने का गहरा अवसर भी देता है। ठीक जैसे बारिश में धरती के बीज अंकुरित होते हैं, वैसे ही सावन की पवित्र ऊर्जा हमारे मन को सकारात्मकता और ज्ञान से सींचती है। ये आध्यात्मिक बीज हमारे विचारों को फलने-फूलने का अवसर देते हैं, जिससे हमारे जीवन में शांति, आनंद और आंतरिक शक्ति की फसल तैयार होती है। ये विचार न केवल हमारे स्वयं के जीवन को समृद्ध करते हैं, बल्कि दूसरों के लिए भी प्रेरणा और मार्गदर्शन का स्रोत बनते हैं, ठीक वैसे ही जैसे एक घना वृक्ष राहगीरों को छाया देता है।

देवी अहिल्या की शिवभक्ति: इंदौर के लिए सावन का महत्व और भी अनूठा है। यहां की लोकमाता, देवी अहिल्याबाई होल्कर, स्वयं एक महान शिव भक्त थीं, जिनकी हर प्रतिमा में हाथ में शिवलिंग उनकी अटूट आस्था का प्रतीक है। उनकी भक्ति और दूरदृष्टि ने इंदौर को एक समृद्ध और धार्मिक नगरी के रूप में स्थापित किया। सावन में इंदौर का हर कोना भक्तिमय हो जाता है, जहां मंदिरों में बम-बम भोले के जयकारे गूंजते हैं और हर हृदय शिव के रंग में रंग जाता है।

ज्योतिर्लिंगों का सानिध्य: इंदौर से कुछ ही दूरी पर स्थित भगवान शिव के दो प्रमुख ज्योतिर्लिंग - उज्जैन का श्री महाकालेश्वर मंदिर और नर्मदा तट पर ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग - इस क्षेत्र की आध्यात्मिक शक्ति को बढ़ाते हैं। महाकालेश्वर, जो एकमात्र दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग है, और ओंकारेश्वर, जहां ममलेश्वर के भी दर्शन होते हैं, विश्व भर के भक्तों को आकर्षित करते हैं। सावन के सोमवारों पर और कावड़ यात्राओं के दौरान इन स्थानों की महिमा और भी बढ़ जाती है, जब भक्त शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए दूर-दूर से उमड़ते हैं, प्रकृति की गोद में भक्ति का अलौकिक अनुभव प्राप्त करते हैं।

जीवन को दिशा देने वाला प्रेरणा स्रोत: सावन का महीना सिर्फ धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, यह हमें प्रकृति के करीब आने और उसके महत्व को समझने का गहरा संदेश देता है। जब चारों ओर हरियाली छा जाती है, तब हमें पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिलती है। पेड़-पौधे लगाना, जल का सम्मान करना, और प्रकृति के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाना ही सच्चे अर्थों में शिव की आराधना है। यह महीना हमें अपनी जड़ों से जुड़ने, अपनी संस्कृति का सम्मान करने और प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर जीवन को एक नई, सकारात्मक दिशा देने का आह्वान करता है। सावन की हर बूंद में महादेव का आशीर्वाद है, और हरियाली में उनकी विराटता का दर्शन। तो आइए, इस सावन में हम प्रकृति का अभिनंदन करें, महादेव की भक्ति में लीन हों, और अपने भीतर एक नई, अटूट ऊर्जा का संचार करें जो हमें जीवन के हर क्षेत्र में निरंतर फलने-फूलने और उच्चतम ऊंचाइयों को छूने में मदद करेगी। यह समय है अपनी आंतरिक शक्ति को जगाने और एक प्रेरणादायक जीवन जीने का!

मप्र ने निवेशकों के लिए 18 पारदर्शी नीतियां लागू की, हमारी नीतियों का भरपूर लाभ उठाएं

मध्यप्रदेश में बेहिचक निवेश करें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

दुबई यात्रा का पहला दिन

दुबई में प्रवासी भारतीयों के फ्रैंड्स ऑफ एमपी इंटरनेशनल समूह से किया आत्मीय संवाद

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश अब देश का सर्वाधिक प्रगतिशील प्रदेश बन गया है। निवेशकों के लिए हमारी सरकार ने सभी द्वार खोल दिए हैं। हमने मध्यप्रदेश में निवेशकों के लिए 18 प्रकार की पारदर्शी औद्योगिक नीतियां लागू की हैं। हमारी सभी औद्योगिक नीतियां बेहद साफ सुथरी हैं। मध्यप्रदेश में आने वाले निवेशकों को किसी भी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ता। आईए मध्यप्रदेश आपको बुला रहा है, हम पर भरोसा करें, मध्यप्रदेश में निवेश करें, हम भी आपको रिटर्न गिफ्ट देने में कोई कमी नहीं रखेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को दुबई में प्रवासी भारतीयों के फ्रेंड्स ऑफ एमपी इंटरनेशनल समूह के साथ आत्मीय संवाद कर रहे थे। उन्होंने निवेशकों से कहा कि यदि आप मध्यप्रदेश के लोगों को रोजगार देने वाला कोई बड़ा उद्योग लगाते हैं तो हमारी सरकार अगले 10 साल तक प्रति लेबर 5 हजार रुपए की सहायता राशि भी मुहैया कराएगी। यदि मेडिकल एजुकेशन या मेडिकल कॉलेज जैसा बड़ा कोई निवेश करना चाहते हैं तो, हमारी सरकार आपको मात्र एक रूपए में जमीन देगी। उन्होंने कहा कि सरकार हर कदम पर निवेशकों के साथ है। मध्यप्रदेश को अपना दूसरा घर बनाइये और यहां निवेश जरूर कीजिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि दुबई मध्यप्रदेश के लोगों के लिए एक तरह से दूसरी मां के समान है। प्रधानमत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मागदशन म मध्यप्रदेश निरतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। राज्य सरकार ने उद्योग केंद्रित पारदर्शी नीतियां लागू की हैं। उद्योगपतियों को निवेश करने और इंडस्ट्री शुरू करने के लिए सिंगल विंडो फैसिलिटी प्रदान की जा रही है। उद्योगपतियों को बिजली के बिलों में छूट दी जा रही है। प्रदेश में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और जीआईएस के माध्यम से लगभग 30 लाख करोड़ रूपये का निवेश मिला है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि व्यापारी अपनी युक्ति बुद्धि से उद्यमशीलता को बढ़ाते हैं। प्रदेश के पन्ना में हीरा मिलता है। मध्यप्रदेश के हीरे दुबई में भी मिल रहे हैं। उद्योगपति एक मौसम विज्ञानी की तरह हवा का रुख समझ लेते हैं। आज भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत के गरीब और जरूरतमंदों को 4 करोड़ पक्के मकान बनाकर दिए हैं और 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन बांटा जा रहा है। यह संख्या करीब 100 देशों की आबादी के बराबर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय लोग दूध में शक्कर की तरह घुल मिल जाते हैं, जो दुनियाभर में मिठास घोल रहे हैं। दुबई में निर्मित स्वामीनारायण मंदिर में सभी संप्रदायों की झलक नजर आती है। भारतीय संस्कृति में सभी का सम्मान है, जो विश्व कल्याण की भावना से ओतप्रोत है। कोविड काल में दूसरे देशों को मेडीसिन भेजकर भारत ने वसुधैब कुटुंबकम की भावना को चरितार्थ किया है। यूएई में रहने वाले मध्यप्रदेश के प्रवासी आज कई लोगों को रोजगार प्रदान कर रहे हैं। नरेश भावनानी ने मंदसौर से आकर अपने पुरुषार्थ के बल पर यूएई में टेक्सटाइल सेक्टर का बड़ा उद्योग स्थापित किया है। जितेंद्र वैद्य ने बाबा महाकाल के उद्घोष के साथ संबोधन की शुरुआत की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मोहम्मद यामाहि को दिया मध्यप्रदेश आने का न्योता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को दुबई में अरब संसद के अध्यक्ष मोहम्मद अल यामाहि से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश की उद्योग हितैषी, सरल एवं सुगम नीतियों और निवेश को प्रोत्साहन देने वाली सुविधाओं की जानकारी साझा की। उन्होंने अल यामाहि को प्रदेश में आयोजित होने वाली एनर्जी समिट में शामिल होने के लिए आमंत्रण भी दिया। संयुक्त अरब अमीरात के साथ बढ़ते रणनीतिक संबंधों के संदर्भ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की सक्रिय और रचनात्मक भूमिका का उल्लेख करते हुए ऊर्जा, खनिज, लॉजिस्टिक्स, खाद्य प्रसंस्करण और हरित निवेश के क्षेत्र में सहयोग की मंशा दोहराई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच बढ़ते रणनीतिक संबंधों की सराहना करते हुए आशा जताई कि प्रदेश इन द्विपक्षीय साझेदारियों में सक्रिय और महत्वपूर्ण भागीदार बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अरब संसद के अध्यक्ष मोहम्मद अल यामाहि का अभिनंदन किया और हाल ही में अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी।

यामाहि ने मुख्यमंत्री को उम्म-ए-अली ने दिया आत्मीय संबोधन: यामाहि ने यूएई में बसे प्रवासी भारतीयों द्वारा देश के निर्माण में सहयोग के बारे में चर्चा की और उनके योगदान को सम्मानपूर्वक रेखांकित किया। इस विशेष मुलाकात के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को आत्मीयता से उम्म-ए-अली कहकर संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आत्मीय संबोधन से अभिभूत हुए। उन्होंने डॉ. यादव और उनके परिवार को व्यक्तिगत रूप से अपने घर आमंत्रित भी किया। उन्होंने दोनों देशों के लोगों और उत्पादों के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए सहमति दी, जिससे मध्यप्रदेश और यूएई के बीच द्विपक्षीय सहयोग को नई दिशा मिलेगी।

खनिज संसाधनों की खान है मध्यप्रदेश: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विज्ञान, प्रौ?द्योगिकी और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में संयुक्त अरब अमीरात ने अभूतपूर्व प्रगति की है। हम आपके अनुभवों से सीखने और इन क्षेत्रों में संयुक्त पायलट प्रोजेक्ट्स में सहयोग करने के लिए उत्सुक हैं। मध्यप्रदेश में सौर, पवन और जल ऊर्जा जैसे नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में बड़ी क्षमता है। प्रदेश को भारत का अन्न भंडार भी कहा जाता है। हम सोयाबीन, गेहूं और बाजरा सहित कई फसलों के सबसे बड़े उत्पादक हैं। यहां खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में विशाल अवसर मौजूद हैं। हमारे पास प्रचुर मात्रा में खनिज संसाधन उपलब्ध हैं, जो विभिन्न उद्योगों के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं।

मध्यप्रदेश में कई क्षेत्रों में निवेश के बेहतर अवसर: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में सौर, पवन और जल ऊर्जा जैसे नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में बड़े निवेश और सहयोग के लिए तत्पर हैं। हमारे पास गहरे कोयला भंडार हैं और हम कोल बेस्ड मीथेन के निष्कर्षण में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं, जो ऊर्जा क्षेत्र में नए आयाम खोलता है। मध्यप्रदेश की हस्तशिल्प, कला और कारीगर परंपरा हमारी सबसे बड़ी ताकतों में से एक है।

इंदौर प्रवासी उद्यमियों ने दिए कई निवेश प्रस्ताव

सस्टेनेबल सिटी के लिए 1000 करोड़ का निवेश प्रस्ताव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दुबई यात्रा के पहले दिन भारतीय प्रवासी समुदाय, विशेष रूप से इंदौर से जुड़े उद्यमियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इंदौरी इंटरनेशनल बिजनेस नेटवर्क द्वारा एक विशेष आयोजन किया गया जिसमें 25 से अधिक सीईओ उपस्थित रहे और 15 से अधिक प्रमुख उद्यमियों ने मध्यप्रदेश में निवेश की रूचि दिखाते हुए अपने निवेश प्रस्ताव दिए। वर्तमान में IIBN यूएई में 750 से अधिक सदस्यों के साथ एक स्थापित लाइसेंस प्राप्त समुदाय है जिसमें व्यापारी, डॉक्टर, इंजीनियर, बैंकर, शिक्षाविद् सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रोफेशनल शामिल हैं।

IIBN के सदस्यों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को निवेश प्रस्तावों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में IIBN की कोर कमेटी के सदस्य अजय कसलीवाल, प्रेम भाटिया, सुश्री अंजू भाटिया, निलेश जैन, मनोज झारिया, श्री नसीर खान और अमित श्रीनिवास ने जानकारी दी कि यूएई में निवासरत इंदौरी प्रवासी निवेश की संभावनाओं को लेकर अत्यंत उत्साहित हैं। उन्हें राज्य सरकार से मिलने वाले मार्गदर्शन और सहयोग को लेकर पूरा विश्वास है। इस अवसर पर दुबई में रहने वाले सीए श्री प्रवीण मेहता ने वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए निजी क्षेत्र में 100 करोड़ रुपये की लागत से एक परियोजना और शून्य कार्बन उत्सर्जन वाले सस्टेनेबल सिटी के लिए लगभग 1000 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार भी उन वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए विशेष कार्यक्रम चला रही है, जिनके बच्चे विदेशों में हैं। उन्होंने कहा, अगर आपके बच्चे बाहर हैं, तो हम आपका परिवार हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग और संबंधित कलेक्टर इन वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

निवेश नहीं, इवेंट मैनेजमेंट चला रही है भाजपा सरकार : जीतू पटवारी

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार की निवेश, रोजगार और उद्योग नीतियों की सख्त आलोचना करते हुए कहा कि-

भाजपा सरकार बीते 20 वर्षों से 'इन्वेस्टमेंट' के नाम पर सिर्फ 'इवेंट मैनेजमेंट' कर रही है। इन्वेस्टर समिट सिर्फ पोस्टर, होर्डिंग और प्रेस कांफ्रेंस तक सीमित रह गई हैं।÷

इवेंट्स में जमीन पर ज़ीरो: पटवारी ने कहा कि अब तक 11 से अधिक इन्वेस्टर समिट हो चुकी हैं। हजारों साइन हुए, लेकिन 80त्न से ज़्यादा निवेश जमीन पर नहीं उतरा। सरकार सिर्फ प्रचार में व्यस्त है, जबकि गांव और ज़िला स्तर पर कोई प्रभाव नहीं दिखता।

20 वर्षों में सिर्फ खोखले दावे: भाजपा सरकार लाखों करोड़ निवेश का दावा करती है, लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि न तो स्थायी उद्योग लगे, न ही को बढ़ावा मिला। रोजगार सृजन का कोई स्थायी तंत्र नहीं बना।

श्री पटवारी ने 2023 और 2024 में घोषित ?3 लाख करोड़ से अधिक निवेश को आंकड़ों का भ्रमजाल बताया। कहा कि इन घोषणाओं में से 10त्न से भी कम वास्तविक निवेश जमीन पर दिखाई देता है।

कृषि आधारित उद्योग उपेक्षित: पिछले 5 वर्षों में किसानों के लिए कृषि आधारित प्रोसेसिंग यूनिट या कोल्ड स्टोरेज जैसी आधारभूत संरचनाएं नहीं बन पाईं। मंडियों की हालत खराब है और पर खरीदी में भारी धांधली हो रही है।

रोजगार के नाम पर धोखा: पटवारी ने कहा, भाजपा दावा करती है कि लाखों रोजगार दिए गए, लेकिन सच्चाई यह है कि बेरोजगारी दर लगातार बढ़ी है, खासकर शिक्षित युवाओं में। व्यापम जैसे घोटालों ने युवाओं का आत्मविश्वास तोड़ा है।

उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यकाल में किसी भी बड़े उद्योग या रोजगार योजना के अभाव को चिंताजनक बताया। कहा कि सरकार के पास युवाओं को ट्रेनिंग और नियुक्ति के कोई ठोस आंकड़े नहीं हैं। प्रमुख प्रश्न जो भाजपा से पूछे जाने चाहिए 11 इन्वेस्टर समिट के बाद भी उद्योग क्यों नहीं लगे? लाखों करोड़ निवेश के दावे का ग्रामीण क्षेत्रों में क्या असर हुआ? बेरोजगारी दर क्यों बढ़ रही है?

युवाओं को डिग्री तो मिल रही है, नौकरी कब मिलेगी? कृषि आधारित उद्योगों का क्या हुआ?

सुपोषित मध्यप्रदेश की दिशा में मजबूत कदम : मंत्री सुश्री भूरिया

नीति-सुधारों पर दिए महत्वपूर्ण सुझाव

भोपाल । गुजरात के केवड़िया में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, केन्द्र सरकार द्वारा आयोजित जोनल सम्मेलन में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने राज्य में चल रहे योजनाओं, नवाचारों और ज़मीनी पहल का प्रभावशाली विवरण प्रस्तुत किया। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि ÷मध्यप्रदेश, अपनी जनजातीय बहुलता और भौगोलिक विविधता के बावजूद, महिलाओं और बच्चों के संपूर्ण सशक्तिकरण के लिये निरंतर प्रयासरत है।

डिजिटल पारदर्शिता और नियुक्ति प्रणाली में सुधार: मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की ऑनलाइन नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की गई है, जिससे लगभग 19,500 पदों की पारदर्शी तरीके से पूर्ति हो रही है। यह प्रक्रिया हर छह माह में रिक्तियों के अनुसार नियमित रूप से संचालित की जाएगी।

पोषण सुधार और तकनीकी नवाचार: महिला बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि भोपाल के सहयोग से पोषण ट्रैकर डेटा की गुणवत्ता में सुधार किया गया है।कार्यकर्ताओं के लिए नेत्र परीक्षण अभियान भी चलाया जा रहा है जिससे स्मार्टफोन आधारित ऐप संचालन में उन्हें सुविधा मिले।उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि झाबुआ जिले में ÷मोटी आई कार्यक्रम÷ और डिण्डौरी जिले में रेवा प्रोजेक्ट जैसे नवाचारों के माध्यम से कुपोषण उन्मूलन में अद्भुत परिणाम मिल रहे हैं।सशक्त वाहिनी कार्यक्रम के तहत अब तक 11,000 से अधिक बालिकाओं को निःशुल्क शारीरिक और शैक्षणिक प्रशिक्षण दिया गया है। कई बालिकाएं आज पुलिस, चिकित्सा एवं अन्य सेवाओं में चयनित होकर सेवा दे रही हैं।

महिला सुरक्षा और सहायता सेवाओं का विस्तार: हेल्पलाइन 181 और 1098 का श्वत्रस्स्-112 से तकनीकी एकीकरण जुलाई 2024 में सफलतापूर्वक किया गया।विगत छह महीनों में

86,000 से अधिक मामलों में 91त्न से अधिक का समाधान हुआ है।शक्ति निवास÷ के माध्यम से कार्यरत महिलाओं को सुरक्षित आवास की सुविधा दी जा रही है। इंदौर में 100-बेड का नया शक्ति निवास तैयार है, प्रदेश के चार और शहरों में निर्माण जारी है।महिलाओं की आर्थिक उन्नति के लिये योजनाएं: मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना÷ के अंतर्गत हर माह 1.27 करोड़ महिलाओं को ?1250 की आर्थिक सहायता दी जा रही है। अब तक ?38,000 करोड़ से अधिक राशि वितरित की जा चुकी है।

मिशन वात्सल्य के अंतर्गत चार बड़े जिलों में कंपोजिट शेल्टर होम का निर्माण कार्य प्रगति पर है।मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना÷ के तहत गरीब परिवारों के बच्चों को ?4000 प्रति माह की सहायता और आफ्टर केयर बच्चों को ?5000 की अतिरिक्त सहायता दी जा रही है।

विकास की कतार में सबसे पीछे खड़े व्यक्ति को भी मिलेगा योजनाओं का लाभ: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

धरती आबा योजना से जनजातीय परिवारों का होगा समग्र विकास

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने धरती आबा अभियान के तहत शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभांवित हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय रीवा के सभागार में आयोजित समारोह में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अत्यंत पिछड़े जनजातीय परिवारों के कल्याण के लिए जनमन योजना शुरू की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 2024 में धरती आबा अभियान शुरू करके देश के 28 लाख अनुसूचित जनजाति हितग्राहियों को विकास की सभी योजनाओं का लाभ देने का अभियान शुरू किया है। इसके लिए 28 हजार करोड़ रूपये की राशि दी गयी है। प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जनजाति परिवारों के कल्याण के लिए इस अभियान को लागू किया गया है। अभियान के तहत रीवा और मऊगंज जिले में 15 जून से 15 जुलाई तक जन जागरूकता शिविर गांव-गांव लगाये जा रहे हैं। इन शिविरों अब तक 2877 जनजाति हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभांवित किया गया है। धरती आबा योजना से जनजाति परिवारों का समग्र विकास होगा। विकास की कतार में सबसे पीछे खड़े व्यक्ति को भी योजनाओं का लाभ दिया जायेगा।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि धरती आबा अभियान के तहत जिले भर में जागरूकता का सघन अभियान चलाये। शासन की विभिन्न योजनाओं से जनजाति परिवारों को दिये जा रहे लाभों से अवगत करायें। योजनाओं की जानकारी मिलने पर ही जनजाति परिवार उनका लाभ ले सकेंगे। धरती आबा अभियान में 18 विभागों की 25 योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। हर पात्र जनजाति हितग्राही को इन योजनाओं का लाभ दें। इसमें पक्के आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, खेती के विकास, सामाजिक कल्याण, महिला सशक्तीकरण सहित विभिन्न लाभ शामिल हैं। कार्यक्रम में विधायक मऊगंज श्री प्रदीप पटेल ने कहा कि धरती आबा योजना के तहत लगाये जा रहे शिविरों को अधिक प्रभारी बनायें।

बसामन मामा वन्य विहार में निर्माण कार्यों का किया लोकार्पण

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने बसामन मामा गौवन्य विहार अभयारण्य में निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। उप मुख्यमंत्री ने वन्य विहार के विश्राम गृह में केयरटेकर आवास तथा किचन का और 43 लाख 49 हजार रूपये की लागत से मनरेगा योजना तथा खनिज मद से निर्मित स्टाप डैम तथा रपटा और चेकडैम निर्माण का लोकार्पण किया। उप मुख्यमंत्री ने श्री शुक्ल ने प्रशासनिक भवन में आयोजित बैठक में गौवन्य विहार के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि शेष निर्माण कार्यों को तय समय सीमा में पूरा करें। सामुदायिक शौचालय निर्माण, भोजन शाला तथा पेवर लगाने का कार्य शीघ्र पूरा करायें। उन्होंने कहा कि बसामन मामा में आगामी फरवरी माह में मलूकदास पीठ के स्वामी आचार्य राजेन्द्रदास की चार दिवसीय कथा का आयोजन किया जा रहा है। यह सब पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण होगा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि वन विभाग के अधिकारी गौवन्य विहार में पांच हजार पौधे रोपित करायें।

चिकित्सालय रीवा में नवीन मेटरनिटीविंग कक्ष का किया शुभारंभ

उप मुख्यमंत्री ाजेन्द्र शुक्ल ने जिला चिकित्सालय रीवा के नवीन मेटरनिटीविंग कक्ष का शुभारंभ किया। उन्होंने मेटरनिटी विंग के बन जाने से मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर बताया गया कि नवीन मेटरनिटीविंग में प्रसूति एवं स्त्री रोग से संबंधित मरीजों को पृथक से ओपीडी की सुविधा के साथ जांच के लिए सेम्पल प्राप्त करने हेतु व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला चिकित्सालय के 100 बिस्तर के अतिरिक्त भवन के बन जाने से मरीजों को और सुविधा मिलेगी साथ ही इसमें मेटरनिटीविंग के लिए भी स्थान आरक्षित रहेगा। उप मुख्यमंत्री ने जिला चिकित्सालय के विस्तार भवन का अवलोकन किया तथा शेष कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शुक्ल सहित चिकित्सक उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने ग्राम शाहपुर हिनौता में माँ भगवती हेल्थ केयर सेंटर का उद्घाटन किया।

विधायक द्वारा दान दी गई जमीन से ग्रामीणों को मिलेगी स्वास्थ्य सुविधाएं

भोपाल। सच्चे जनप्रतिनिधि वही होते हैं जो ज़रूरत के समय सिर्फ बातें नहीं बल्कि अपने अच्छे कार्यों से मिसाल पेश करते हैं। जबलपुर जिले के कुंडम विकासखंड के ग्राम पड़रिया में हाल ही में तैयार हुआ 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' इसका जीवंत उदाहरण है। यह कोई साधारण स्वास्थ्य केंद्र नहीं बल्कि स्थानीय विधायक संतोष वरकड़े की दूरदर्शिता, संवेदनशीलता और अपने क्षेत्र के प्रति गहरे समर्पण का प्रतीक है। फरवरी 2023 में जब पड़रिया गांव के लिए एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वीकृति मिली, तो पूरे क्षेत्र में उत्साह की लहर दौड़ गई। लेकिन भूमि उपलब्ध नहीं होने से कई महीनों तक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण शुरू नहीं हो सका और परियोजना अधर में लटकी रही। क्षेत्रीय विधायक श्री वरकड़े ने स्वयं आगे आकर लगभग 30,000 वर्गफुट निजी भूमि दान में देकर एक ऐसी मिसाल पेश की जो वर्षों तक याद की जाएगी। उन्होंने यह भूमि निःस्वार्थ भाव से केवल इस उद्देश्य से दी कि क्षेत्र की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिले। उनकी इस पहल से रूकी हुई परियोजना को नई गति मिली और परिणामस्वरूप 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' बनकर पूरी तरह तैयार है। यह स्वास्थ्य केंद्र न केवल 10 बिस्तरों की सुविधा से युक्त है, बल्कि इसके परिसर में ही डॉक्टरों व स्टाफ के लिए आवासीय सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे आपातकालीन परिस्थिति में भी स्वास्थ्य सेवाएं बाधित नहीं होंगी।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कार्यकर्ताओं से मुख्यालय में मुलाकात की ।

भारत-नेपाल आर्थिक सहयोग सम्मेलन का भोपाल में हुआ आयोजन

भारत-नेपाल व्यापार को बढ़ावा देने के लिए मध्यप्रदेश बनेगा सेतु : मंत्री पटेल

भोपाल। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा है कि भारत और नेपाल के बीच के संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आत्मीयता से जुड़े हुए हैं। राज्य मंत्री पटेल भोपाल में आयोजित भारत-नेपाल आर्थिक सहयोग सम्मेलन 2025 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार इन संबंधों को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को भारत-नेपाल आर्थिक साझेदारी का सेतु बनाने के लिये हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने नेपाल के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। भारत-नेपाल आर्थिक सहयोग सम्मेलन 2025 का आयोजन नेपाल दूतावास, भारत में स्थित पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के इंडिया-नेपाल सेंटर और मध्यप्रदेश राज्य चैप्टर के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। सम्मेलन में भारत और नेपाल के बीच द्विपक्षीय सहयोग को

सुदृढ़ करना तथा निवेश, व्यापार, पर्यटन, शिक्षा, संस्कृति और विज्ञान जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाओं में सहयोग के लिए विचार-विमर्श किया गया।

सम्मेलन में नेपाल दूतावास की मंत्री परामर्शदाता अंबिका जोशी और आर्थिक परामर्शदाता रवींद्र जंग थापा ने प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने बताया कि भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जहां नेपाल अपने कुल निर्यात का लगभग 68 प्रतिशत भारत को करता है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत से नेपाल को 7.041 बिलियन डॉलर का निर्यात और नेपाल से भारत को 829.71 मिलियन डॉलर का निर्यात हुआ। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जनकपुर स्थित प्रसिद्ध जानकी मंदिर का निर्माण मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ की रानी द्वारा करवाया गया था, जो भारत-नेपाल के ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक है। सम्मेलन में पीएचडीसीसीआई मध्यप्रदेश चैप्टर के सह-अध्यक्ष डॉ. अनुपम चौकसे और मनोज मोदी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय भोपाल के निदेशक डॉ. अमिताभ पांडे, एमएसएमई विभाग, मध्यप्रदेश सरकार के उप सचिव पंकज शर्मा, एम्स भोपाल के निदेशक डॉ. अजय सिंह, यूनिसेफ भोपाल से अनिल गुलाटी, मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड में निवेश संवर्धन के निदेशक राजेश गुप्ता, पतंजलि फूड्स एमपी एवं सीजी के वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. राजेश सक्सेना, इंडिया-नेपाल सेंटर के सचिव अतुल के ठाकुर, अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति संस्थान के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. मनोज जैन और पीएचडीसीसीआई मध्यप्रदेश के रेजिडेंट मैनेजर अनिरुद्ध दुबे सहित कई प्रमुख वक्ताओं और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की और विचार साझा किए।

संपादकीय

हर छठा इंसान रिश्तों से टूटा, संवाद से कटा

संवाद के कई माध्यम सामने आने के बाद उम्मीद थी कि मनुष्य अब अकेलापन महसूस नहीं करेगा। रिश्तों का ताना-बाना और मजबूत होगा। मगर ऐसा हुआ नहीं। मनुष्य खुद में सिमट कर रह गया। आसपास की भीड़ और आभासी दुनिया में बने सैकड़ों दोस्तों के बीच भी इंसान अकेला है, तो यह समझने की जरूरत है कि इसकी वजह क्या है। यह दुखद है कि हम न अब किसी का दुख सुनना चाहते हैं और न अपनी कोई पीड़ा किसी से साझा करना चाहते हैं। ऐसे में जाने कितने शब्द अनसुने रह जाते हैं। तब अकेलापन एक ऐसा कड़वा अनुभव बन जाता है, जिसे एक समय के बाद मनुष्य धीरे-धीरे जीने लगता है और परिवार एवं समाज से कट जाता है। फिर वह ऐसी दिशा में चला जाता है, जहां से उसके लिए लौटना मुश्किल होता है। आज दुनिया का हर छठा इंसान इसी अकेलेपन का शिकार है। चिंता की बात यह है कि लाखों जिंदगियां इसके अंधकार में गुम हो जाती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की हाल की रपट के मुताबिक, अकेलापन हर वर्ष आठ लाख से अधिक लोगों की जान ले रहा है। यह कड़वी सच्चाई है कि लोग समाज से ही नहीं, घर-परिवार से भी कट गए हैं। आसपास क्या चल रहा, यह भी उन्हें पता नहीं होता। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक अकेलापन सभी लोगों को प्रभावित कर रहा है। मगर सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं। यह सच है कि हर किसी के जीवन में चुनौतियां पहले से कहीं अधिक बढ़ी हैं। कामकाज के दबाव के बीच व्यस्तता ने उन्हें थका दिया है। रिश्तों में जटिलताएं भी आई हैं। सोशल मीडिया के मंचों पर किसी के हजारों मित्र हो सकते हैं, लेकिन असल जिंदगी में किसी एक भरोसे के दोस्त को ढूंढ़ना मुश्किल हो जाता है। नतीजा यह कि अब ज्यादातर लोगों के मन में क्रोध, दुख और ईर्ष्या की भारी गठरी है। वे कभी इसकी गांठें खोल नहीं पाते। इसके साथ ही कई लोग अपनी महत्त्वाकांक्षाओं और नाकामियों के बोझ तले दब कर और भी अकेले पड़ते जाते हैं। ऐसे में सामाजिक जुड़ाव ही समस्या का हल है। संवाद होगा, तो राहें भी निकलेंगी। अकेलापन भी दूर होगा। अनसुने शब्दों की चीख गुम नहीं होगी।

लौलिकी, नौली - नौलि क्रिया एक महत्वपूर्ण योगिक अभ्यास है जो पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाने और पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करता है

- योग गुरु महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रो? भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल नें योग अभ्यास में षट्कर्म क्रियाओं में से लौलिकी नामक चौथे षट्कर्म के बारें में बताया कि पेट को बहुत तेजी से एक तरफ से दूसरी तरफ घुमाना चाहिए। यह लौलिकी (नौली) सभी प्रकार के रोगों को नष्ट करती है और पाचन अग्नि को सक्रिय करती है। लौलिकी शब्द लोला मूल से बना है, जिसका अर्थ है लुढ़कना या उत्तेजित करना, और इस अभ्यास में पेट को घुमाया और सिकोड़ा जाता है ताकि पेट के सभी अंग और साथ ही मांसपेशियां और स्नायुबंधन उत्तेजित और सक्रिय हो जाएं। इस अभ्यास का दूसरा नाम नौली क्रिया है। पेट की मांसपेशियों को अंदर की ओर सिकोड़ा जाता है और पहले बाईं और फिर दाईं ओर की मांसपेशियों को मजबूती से सिकोड़ा जाता है। यह अभ्यास पाचन अग्नि को बढ़ाता है। लौलिकी आंतरिक अंगों की मालिश के लिए सबसे अच्छा अभ्यास है। नतीजतन यह पूरे पाचन तंत्र और समग्र स्वास्थ्य को लाभ पहुंचाता है। शुरुआती लोगों के लिए यह कठिन है, लेकिन दृढ़ संकल्प और नियमित अभ्यास से इसमें महारत हासिल की जा सकती है।

योग गुरू अग्रवाल नें बताया कि पहले तीन षट्कर्म (धौति, बस्ती और नेति) जल, वायु या किसी ठोस वस्तु का उपयोग करके आंतरिक अंगों से दोषों को शुद्ध और दूर करते हैं। अगले तीन षट्कर्म अभ्यासों (लौलिकी, कपालभाति और त्राटक) का उद्देश्य भी शरीर की शुद्धि है, लेकिन उनकी प्रक्रिया अलग है।

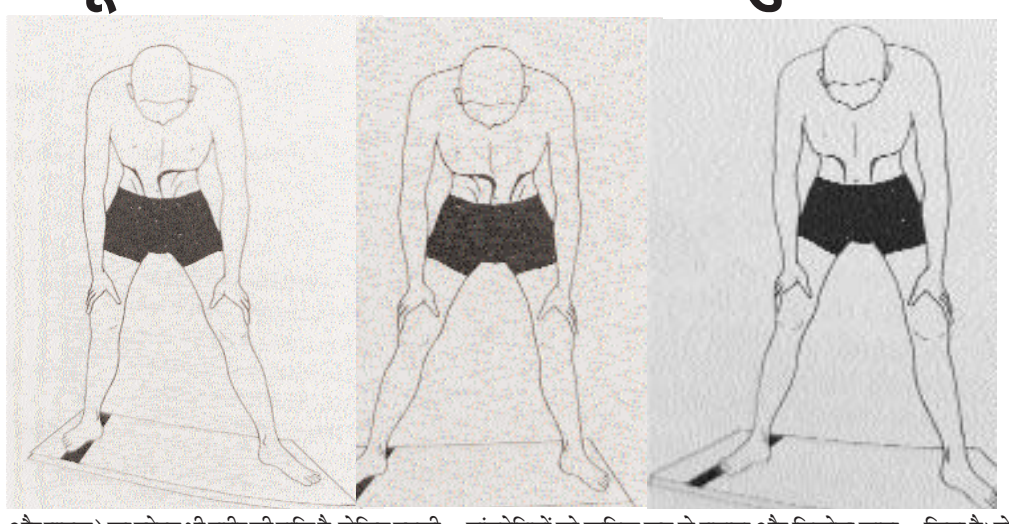

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि नौली के चार चरण होते हैं:- 1. मध्यमा नौली, जिसमें पेट और आंतों के ऊपर स्थित दोनों रेक्टस एब्डोमिनी मांसपेशियों को इस तरह से सिकोड़ा जाता है कि वे पेट के केंद्र में नीचे की ओर एक प्रमुख चाप बनाती हैं। 2. वाम नौली, जिसमें पेट की दीवार के बाईं ओर की पेट की मांसपेशियों को अलग करके सिकोड़ा जाता है। 3. दक्षिण नौली, जिसमें पेट की दीवार के दाईं ओर की पेट की मांसपेशियों को अलग करके सिकोड़ा जाता है। ये तीनों अभ्यास एक के बाद एक अलग-अलग किए जाते हैं और एक दूसरे के पूरक होते हैं। अग्निसार और उड्डियान बंध का अभ्यास करने और फिर मध्यमा नौली को पूर्ण करने के बाद, वामा और दक्षिणा नौली आसान हो जाती है। जब तीनों चरणों में पूरी महारत हासिल हो जाती है, तो चौथे प्रकार की नौली करनी चाहिए। 4. भ्रमर नौली, जिसमें पेट की मांसपेशियों को क्रमिक रूप से घुमाया और सिकोड़ा जाता है। भ्रमर नौली या सिर्फ़ नौली नामक इस चौथे रूप में तीन पूर्ववर्ती अभ्यासों को संयोजित किया जाता है। इसके दो भाग हैं- मांसपेशियों को घड़ी की दिशा में क्रमिक रूप से सिकोड़ना (दाएं से बाएं की ओर गोलाकार घुमाव) और फिर विपरीत दिशा में भी ऐसा ही करना (बाएं से दाएं की ओर गोलाकार घुमाव)। प्रत्येक घुमाव को व्यक्तिगत क्षमता के अनुसार 5 से 10 बार पूरा किया जाता है।

.मध्यम नौली (केंद्रीय उदर संकुचन) तकनीक - पैरों के बीच एक मीटर की दूरी रखते हुए सीधे खड़े हो जाएँ। आगे की ओर झुकते हुए और उत्कटासन अपनाते हुए मुँह से साँस छोड़ें। पैरों को अलग करके खड़े हो जाएँ। घुटनों को थोड़ा मोड़ें। आगे की ओर झुकें और हाथों को जाँघों पर रखें, ताकि धड़ को भुजाओं और हाथों से सहारा मिले। उंगलियाँ अंदर या बाहर की ओर इशारा कर सकती हैं। पूरे अभ्यास के दौरान भुजाएँ सीधी होनी चाहिए । गहरी साँस छोड़ें ताकि फेफड़े पूरी तरह से खाली महसूस करें। पूरी तरह से साँस छोड़ने के लिए, पेट की मांसपेशियों को सिकोड़कर उड्डियान बंध लगाएँ। साँस को बाहर ही रोके रखते हुए, सिर को आगे की ओर झुकाते हुए, निचले पेट को रीढ़ की हड्डी की ओर खींचें। पेट की सभी मांसपेशियों को पेट के केंद्र में लाने का प्रयास करें। पेट की मांसपेशियों को जितना संभव हो सके सिकोड़ें, लेकिन अत्यधिक तनाव से बचें। जब तक आरामदायक हो, तब तक मांसपेशियों को सिकोड़ते रहें। संकुचन छोड़ें, सिर को ऊपर उठाएँ और खड़े होने की स्थिति में वापस आएँ। आराम करें और गहरी साँस लें। यह एक चक्कर है।योग गुरु अग्रवाल नें उन्नत प्राणायाम के बारें में बताया कि ऋषि पतंजलि ने योग सूत्र में चार प्रकार के प्राणायाम का वर्णन किया है। दो में आंतरिक श्वास अवरोधन शामिल है और दो में बाह्य श्वास अवरोधन शामिल है। आंतरिक श्वास अवरोधन आसान है और इससे शरीर पर ज़्यादा दबाव नहीं पड़ता। ज़्यादातर लोग बिना किसी तनाव के 20 या 25 सेकंड तक साँस को अंदर रोक सकते हैं। जब हवा फेफड़ों के अंदर होती है, तो हवा और रक्त के बीच ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड का आदान-प्रदान थोड़े समय के लिए जारी रह सकता है। हालाँकि, बाहरी श्वास अवरोधन बहुत मुश्किल है। जब साँस को बाहर रोका जाता है, तो हृदय में रक्त का प्रवाह कम हो जाता है (क्योंकि साँस छोड़ने के अंत में छाती में दबाव अधिक होता है)। इसके अतिरिक्त, फेफड़ों में रक्त को ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। नौलि क्रिया एक महत्वपूर्ण योगिक अभ्यास है जो पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाने और पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करता है। यह क्रिया चार प्रकार से की जाती है- मध्यम नौलि, वाम नौलि, दक्षिण नौलि और भ्रमर नौलि।

इस समस्या का कोई इलाज है?

राकेश दुबे

दुनिया भर में आबादी का स्वरूप बदल रहा है, न केवल युवा नौकरी तलाश रहे हैं बल्कि बुजुर्गों को भी देखभाल की जरूरत है। लोग लंबी जिंदगी जी रहे हैं और रिटायरमेंट के बाद ज्यादा साल तक जी रहे हैं। चीन में 1950 में लोग औसतन 42 साल जीते थे, जो 2024 में बढ़कर 78 साल हो गए। भारत में यह उम्र 1950 में 37 साल थी, जो 2024 में 70.6 साल हो गई। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) में महिला और पुरुष रिटायर होने की उम्र के बाद 1970 में जितना जीते थे, 2020 में उससे आठ साल ज्यादा जी रहे हैं।

जब बुजुर्ग अपनी कामकाजी उम्र पार कर जाते हैं तो उन्हें अर्थव्यवस्थाओं पर बोझ माना जाता है। सरकारें कमाई कर रहे युवाओं पर कर लगाए बगैर पर्याप्त पेंशन तथा चिकित्सा देखभाल मुहैया नहीं करा सकती। ऐसे में युवाओं को ही भविष्य की अपनी जरूरतों के लिए बचत भी करनी पड़ रही है। नौकरियां कम होने के कारण कई सरकारों के पास बुजुर्ग नागरिकों की देखभाल करने के संसाधन ही नहीं बचे हैं।

फ्रांस में 2023 में जब सरकार ने रिटायर होने की उम्र 62 साल से बढ़ाकर 64 साल करने की कोशिश की तो दंगे भड़क गए। चीन में भी हाल ही में सरकार ने 1950 के बाद पहली बार महिला कर्मियों के लिए रिटायरमेंट की उम्र 50 साल से बढ़ाकर 55 साल करने और पुरुष कर्मियों के लिए 60 साल से बढ़ाकर 63 साल करने का प्रस्ताव रखा तो विरोध होने लगे। चीन के सोशल मीडिया पर एक पोस्ट तेजी से फैलने लगा, जिसमें लिखा था, 'पूंजीवादी शोषण आम आदमी तक पहुंच गया है। वाह!'

अमेरिकी अर्थशास्त्री मिल्टन फ्रीडमैन और वहां के पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के आर्थिक नजरिये में आबादी की इस समस्या का कोई इलाज नहीं है। रीगन ने कहा था, 'सरकार समाधान नहीं है, समस्या है।' उनके हिसाब से सरकार और बजट को छोटा किया जाए। स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक बुनियादी ढांचे समेत सब कुछ निजी क्षेत्र पर छोड़ दिया जाए। अगले 20 साल में युवाओं के बहुत बड़े जत्थे को रोजगार की जरूरत होगी और बुजुर्गों की बड़ी तादाद देखभाल मांगेगी।

नीति आयोग की रिपोर्ट 'रिफॉर्मिंग दि सीनियर केयर पैराडाइम' में अनुमान है कि भारत का बूढ़ा होता समाज निजी क्षेत्र के लिए बुजुर्गों की देखभाल का 7 अरब डॉलर का बाजार तैयार कर रहा है, निजी क्षेत्र इसका हल नहीं हो सकता। वह ज्यादा कारगर तो हो सकता है मगर उसे शेयर बाजार जैसी समता के लिए बनाया गया है सामाजिक समता के लिए नहीं। कारोबारी संस्थाएं उनकी सेहत का ध्यान रखने के लिए नहीं बनी हैं, जो दाम नहीं चुका सकते। उनके ग्राहकों को अपनी जेब से या बीमा के जरिये दाम चुकाना होगा। जो बीमा का प्रीमियम नहीं दे सकते, उन्हें स्वास्थ्य सेवा से बाहर कर दिया जाता है। अमेरिका का निजी स्वास्थ्य उद्योग दुनिया में सबसे महंगा है और वहां नतीजे जन स्वास्थ्य सेवाओं वाले देशों से बदतर हैं।

अर्थव्यवस्था में उसी काम की कीमत समझी जाती है, जिससे पैसा आता है। घर पर अपने बच्चे संभाल रही महिला को आर्थिक रूप से उत्पादक या कामकाजी नहीं माना जाता। जैसे ही वह बच्चे छोड़कर किसी कारखाने में काम करने लगती है, वह उत्पादक कामगार बन जाती है। अर्थव्यवस्था में लेनदेन मुद्रा से ही होता है। मगर परिवार या समुदायों में मुद्रा इस तरह काम नहीं करती। लोग एक-दूसरे की देखभाल इसलिए करते हैं क्योंकि वे करना चाहते हैं, इसलिए नहीं कि उन्हें रकम मिलती है। किसी मनुष्य की कीमत मौद्रिक कसौटी पर नहीं आंकी जानी चाहिए।

बुजुर्ग समाज पर बोझ नहीं हैं, जैसा आर्थिक चश्मा दिखाता होगा। वे समाज की संपत्ति हैं, जिनकी आधुनिक समाज में दुखद रूप से अनदेखी की जाती है। इसलिए समय आ गया है कि हम 'ख्याल रखने वाले समाज' की और उसके लिए जरूरी उपक्रमों की नए सिरे से कल्पना करें। अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ाने के लिए समाज की गुणवत्ता को नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए बल्कि अर्थव्यवस्था में ऐसे बदलाव करने चाहिए, जिनसे समाज की गुणवत्ता बढ़े।

हमें 'उद्योग-आधारित' समाधानों के बजाय 'समुदाय-आधारित' समाधान चाहिए। औद्योगिक अर्थव्यवस्थाएं आर्थिक रूप से कारगर उपक्रमों की क्षमता और वृद्धि के लिए बनाई जाती हैं। परिवार और समुदाय जैसी पारंपरिक सामाजिक संस्थाओं को अर्थशास्त्री 'अनौपचारिक' संस्था मानते हैं और उन्हें खत्म किया जा रहा है ताकि कामगारों को 'औपचारिक' संस्थाओं की 'नौकरियों' में लगाया जा सके। ये औपचारिक संगठन ज्यादा से ज्यादा कारगर उत्पादन के लिए गढ़े गए हैं, जहां कामगारों को बदले में धन दिया जाता है। अर्थव्यवस्था के औपचारिक जामा पहनने के साथ ही सामाजिक मूल्यों की जगह आर्थिक मूल्यों ने ले ली है।

अलग-अलग खेमों में बैठे विशेषज्ञों के ऊपर से थोपे गए समाधान वैश्विक पर्यावरण और समाज की जटिल समस्याएं हल करने में एकदम विफल रहे हैं। अब एक नई और व्यवस्थित कार्यप्रणाली की जरूरत है, जो बड़े पैमाने पर पेचीदा समस्याओं का हल करने के लिए समुदाय आधारित उद्यमों पर भरोसा करे कारखानों वाले उद्यमों पर नहीं। इस कार्यप्रणाली में लोगों के लिए लोगों द्वारा और लोगों के ही स्थानीय, समुदाय वाले समाधान होने चाहिए।

हम मध्यप्रदेश के वासी हैं, जिस प्रदेश में इंदौर बसता है

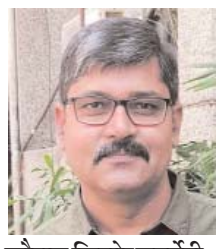

कौशल किशोर चतुर्वेदी

हम सभी ने वह गीत सुना होगा जिसमें गंगा को देश की पहचान और धरोहर के रूप में बताकर गर्व की अनुभूति कराई गई थी। और आज भी उसे गीत को गुनगुना कर हम गर्व की ही अनुभूति करते हैं। क्योंकि गंगा आज भी हमारे जीवन का पर्याय है, कल भी रहेगी और कल भी हमारे जीवन का पर्याय थी।गीत के बोल हैं- होठों पर सच्चाई रहती है जहां दिल में सफाई रहती है, हम उस देश के वासी हैं जिस देश में गंगा बहती है। अब हम होठों पर सच्चाई की बात का दावा तो नहीं कर सकते और दिल में सफाई जैसी बात भी बहुत बेमानी सी हो गई है। पर यह बताते हुए हम आज भी गर्वित महसूस करते हैं कि हम उसे देश के वासी हैं जिस देश में गंगा बहती है। 1960 में बनी फिल्म 'जिस देश में गंगा बहती है', का यह गीत गीतकार शैलेंद्र ने लिखा था, मुकेश ने से अपनी आवाज दी थी, शंकर जयकिशन का संगीत था और राजकपूर के अभिनय ने सभी को लुभाया था। तो इसकी तर्ज पर ही अब हम मध्य प्रदेश वासी बड़े गर्व से यह कह सकते हैं कि 'हम मध्य प्रदेश के वासी है जिस प्रदेश में इंदौर बसता है।' जी हां पूरी दुनिया में आप मध्य प्रदेश स्वछतम शहर इंदौर के नाम से ही जाना जाता है। और हमें गर्व है कि हमारा इंदौर लगातार आठवीं बार स्वछतम

शहर की पहचान बनाए रखने में कामयाब हुआ है। सुपर लीग में भी सबसे ऊपर रहते हुए इंदौर ने साबित कर दिया है कि अब हम ही स्वच्छता के पर्याय हैं। अब स्वच्छता में हमें सिर्फ नंबर 1 कहने से बात नहीं बनेगी। इंदौरवासियों ने यह साबित कर दिया है कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि एक आदत है। इसीलिए भारत सरकार ने इंदौर को ÷गोल्डन लीग÷ में स्थान देकर यह मान्यता दे दी है कि अब इंदौर रैंकिंग से ऊपर और प्रतियोगिता से परे है। और वास्तव में अब इंदौर सिर्फ एक शहर नहीं, स्वच्छता की पहचान है और पहचान नहीं बल्कि स्वच्छता का पर्याय है। अब इंदौर खुद एक मानक है, एक मार्गदर्शक है। इंदौर अब वह गुरु है, जो देश के बाकी शहरों को सिखाएगा कि सफाई सिर्फ जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक संस्कार है। और जिनके कार्यकाल में इंदौर को सुपर लीग में स्थान मिला वह पुष्यमित्र भार्गव अब इंदौर के महापौर ही नहीं बल्कि स्वच्छता के ब्रांड एंबेसडर बनकर पूरी दुनिया को बताएंगे कि स्वच्छतम इंदौर बनाए रखने की सफलता के क्या राज हैं। और एक बार फिर यह संयोग ही है कि नगरीय प्रशासन मंत्री भी इंदौर के ही कैलाश विजयवर्गीय हैं।

पर यह सच है कि धन्यवाद और अभिनंदन की पात्र इंदौर कि जनता है।जन-जन की प्रतिबद्धता ने शहर को स्वच्छता का प्रतीक बना दिया। धन्यवाद और अभिनंदन के असली हकदार हैं वह सफाईमित्र, जो हर दिन अपने परिश्रम से शहर की पहचान को स्वच्छतम बनाए रखते हैं। वह सभी जनप्रतिनिधि भी बधाई के काबिल हैं, जिन्होंने सही नेतृत्व और दिशा दी। और प्रशासनिक अधिकारी भी बधाई के हकदार हैं जिन्होंने इंदौर को यह स्वर्णिम स्थान दिलाया। यह हर इंदौरी के गर्व का क्षण है। इंदौर सुपर स्वच्छ लीग श्रेणी में 8वीं बार सम्मानित होगा। देश की सर्वश्रेष्ठ राजधानी में भोपाल सबसे ऊपर है और सुपर लीग में उज्जैन ने भी जगह बनाई, यह सभी उपलब्धियां गर्व को भी उच्चतम शिखर तक पहुंचा रही हैं। मध्यप्रदेश के आठ शहरों को स्वच्छता की विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए 17 जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इंदौर शहर स्वच्छता के लिए सुपर स्वच्छ लीग श्रेणी में आठवीं बार सम्मानित होगा। इंदौर इससे पहले 7 बार देश के स्वच्छतम शहर का पुरस्कार प्राप्त कर चुका है। पिछले 7 सालों में बेहतर प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाओं के आधार पर स्वच्छ लीग पुरस्कार इस वर्ष इंदौर को दिया जाएगा। वहीं देश की सर्वश्रेष्ठ राजधानी के रूप भोपाल को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही उज्जैन को 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में स्वच्छ लीग पुरस्कार मिलेगा। बीस हजार से कम आबादी वाले नगरों की श्रेणी में बुधनी नगर भी सम्मानित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कार में मध्य प्रदेश एक बार फिर गौरवान्वित होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा मध्यप्रदेश के आठ शहरों को स्वच्छता की विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने सम्मानित किया जाएगा। जिसके लिए सभी स्वच्छताकर्मी, महापौर, पार्षद, अधिकारी और कर्मचारीगण, तथा आमजन बधाई के पात्र हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता का जो संकल्प लिया है, उसमें मध्यप्रदेश कदम से कदम मिलाकर चल रहा है।

उम्मीद यही है कि स्वच्छता की राह पर मध्य प्रदेश के शहरों के कदम इसी तरह लगातार बढ़ते रहेंगे। और उम्मीद यह भी है कि स्वच्छता के साथ मध्यप्रदेशवासियों की मानसिकता भी बदलेगी ताकि गीत के वह बोल भी सार्थक हो झूम उठें कि 'होठों पे सच्चाई रहती है जहां दिल में सफाई रहती है।' और इसके आगे फिर यह जुड़ा ही रहेगा कि 'हम मध्यप्रदेश के वासी हैं जिस प्रदेश में इंदौर बसता हैज।'

मतदाता सूची में सुधार पर सुप्रीम सहमति सराहनीय

ललित गर्ग

बिहार में मतदाता सूची सुधार पर सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी सिर्फ एक न्यायिक फैसला नहीं, बल्कि लोकतंत्र के मूल्य को पुष्ट करने वाला ऐतिहासिक एवं प्रासंगिक निर्णय है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में मतदाता सूची की समीक्षा के लिए आधार, राशन और वोटर कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर आम लोगों की मुश्किल हल करने की कोशिश की है। इससे प्रक्रिया आसान होगी और आशंकाओं को कम करने में मदद मिलेगी। बेशक, फर्जी नाम मतदाता सूची में नहीं होने चाहिए लेकिन ऐसे अभियानों के दौरान आयोग का जोर ज्यादा से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से निकालने के बजाय, इस पर होना चाहिए कि एक भी नागरिक चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने से वंचित न रह जाए। विपक्ष को चाहिए कि वह इस फैसले को राजनीतिक हार न माने, बल्कि इसे एक अवसर माने, जनविश्वास अर्जित करने का, लोकतंत्र में आस्था ब?ाने का और सबसे जरूरी, राष्ट्रहित को राजनीति से ऊपर रखने का। मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य केवल बिहार ही नहीं, देश के अन्य राज्यों में प्राथमिकता के आधार पर प्रारंभ करना चाहिए।

भारतीय लोकतंत्र में सुप्रीम कोर्ट का निर्णय सर्वोपरि होता है। चुनाव आयोग यदि चुनाव कराने को तैयार है, और इसकी जु?ी किन्हीं प्रक्रियाओं में कोई त्रुटि या खामी है तो उसका सुधार करना संविधान सम्मत है, तो फिर इस पर प्रश्नचिन्ह लगाने का अधिकार किसी भी राजनीतिक दल को नहीं होना चाहिए। लेकिन जो प्रश्न जनता के मानस को उद्वेलित करता है, वह यह है कि विपक्ष बार-बार चुनावी प्रक्रियाओं, राष्ट्रीय हितों या सुरक्षा से जे मुद्दों पर भी एकमत होकर विरोध करता है, आखिर क्यों? बिहार में एसआईआर को लेकर जो याचिकाएं और बहसें सामने आईं, उनमें एक प्रमुख तर्क यह था कि समय उपयुक्त नहीं है, सरकार अस्थिर है, या सामाजिक समीकरण तैयार नहीं हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जनता को प्रतिनिधित्व देने का अधिकार सर्वोपरि है। लेकिन त्रुटिपूर्ण या फर्जी मतदाता सूची से चुनाव कराना भी लोकतंत्र का अपमान है। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि देर-सवेर नहीं, संवैधानिक कर्तव्य को समय पर निभाना जरूरी है।

अदालत ने एसआईआर पर कोई आदेश नहीं दिया है, लेकिन अपने इरादे की ओर इशारा तो कर ही दिया है। अदालत ने टाइमिंग को लेकर जो सवाल उठाया, वह उचित प्रतीत होता है। बिहार में इसी साल के आखिर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इतनी विस्तृत कवायद के लिए शायद उतना वक्त न मिल पाए, जितना मिलना चाहिए। बिहार में एसआईआर को लेकर जो असमंजस है, उसकी एक वजह निश्चित ही टाइमिंग है। जिनके पास जरूरी डॉक्यूमेंट नहीं हैं, वे इतनी जल्दी उनका इंतजाम नहीं कर पाएंगे। हालांकि आयोग ने भरोसा दिलाया है कि किसी भी व्यक्ति को भी अपनी बात रखने का मौका दिए बिना मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा। वैसे बिहार में चुनाव को देखते हुए ही फर्जी मतदाताओं की संख्या बड़ी या तथाकथित राजनीतिक दलों ने इन फर्जी मतदाताओं को बढ़ाया है। ऐसे में इन फर्जी मतदाताओं पर कार्रवाई अपेक्षित है। यह मामला केवल बिहार तक सीमित नहीं रहना चाहिए। दूसरे राज्यों में मतदाता सूचियों की समीक्षा किस तरह होगी, यह बिहार में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। ऐसे में स्वाभाविक ही नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सुप्रीम कोर्ट में आखिरकार इस प्रक्रिया का कैसा स्वरूप तय होता है?

भारतीय राजनीति में विपक्ष का कार्य सरकार की नीतियों पर निगरानी रखना है, आलोचना करना है, लेकिन वह आलोचना रचनात्मक होनी चाहिए, राष्ट्र-विरोधी नहीं। आज हम देख रहे हैं कि आर्टिकल 370 हटाना हो, नागरिकता संशोधन अधिनियम-सीएए, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर-एनआरसी जैसे कानून हों, अग्निपथ योजना हो, या राम मंदिर निर्माण-लगभग हर मुद्दे पर विपक्ष ने एकमत होकर विरोध किया है। चाहे चीन या पाकिस्तान से जु?ी संवेदनशील मसले हों, या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा के निर्णय, विपक्ष अक्सर उन बिंदुओं पर एक सुर में सरकार का विरोध करता है, जबकि ऐसे राष्ट्रीयता के मुद्दों पर विपक्ष को सरकार एवं देश के साथ एकजुटता दिखानी चाहिए। यह संयोग नहीं, एक दूषित राजनीतिक रणनीति बनती जा रही है कि 'जो सरकार करे, उसका विरोध करो', चाहे मुद्दा देशहित का ही क्यों न हो। इन स्थितियों में आम जनता का एक ब?ा सवाल है कि विपक्ष देश के साथ है या सिर्फ सत्ता की भूख के साथ? क्या चुनाव प्रक्रिया पर विरोध करना लोकतंत्र का म?ाक नहीं है? क्या न्यायपालिका के निर्णयों को चुनौती देना सिर्फ स्वार्थ की राजनीति नहीं? क्या राष्ट्रीय मुद्दों पर सरकार के साथ ख? होने से विपक्ष की राजनीति कमजोर हो जाएगी? जब विपक्ष सिर्फ विरोध करने के लिए विरोध करता है, तो उसका नैतिक बल कमजोर होता है, और जनता का विश्वास टूटता है।

भारतीय राजनीति को अब रचनात्मक विपक्ष की जरूरत है, ऐसा विपक्ष जो सत्ता में नहीं है, फिर भी राष्ट्र के लिए सत्ता के साथ ख?ा हो सकता है। जो यह समझ सके कि लोकतंत्र सरकार और विपक्ष दोनों से चलता है, लेकिन राष्ट्र सबसे ऊपर है। बिहार में चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट की अनुमति इस बात का प्रतीक है कि संस्थाएं अभी भी न्याय और संवैधानिकता की रक्षा कर रही हैं। लेकिन विपक्ष यदि इस निर्णय पर भी नकारात्मक रवैया अपनाता है, तो यह जनता की आकांक्षाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकासशील भारत की दिशा के विरुद्ध होगा। विपक्ष को चाहिए कि वह अपनी राजनीति को जनहित से जो?, जनविरोध से नहीं।

भारतीय लोकतंत्र की नींव निष्पक्ष, पारदर्शी और समावेशी चुनावों पर टिकी होती है। इसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को म?बूत बनाने की दिशा में बिहार में चुनाव आयोग द्वारा शुरू किया गया मतदाता सूची सुधार अभियान हाल ही में राष्ट्रीय बहस का केंद्र बना। लेकिन जिस बात ने सबसे अधिक ध्यान खींचा, वह यह है कि इस पूरी कवायद के दौरान विपक्ष एक बार फिर एकजुट होकर इसका विरोध करता नजर आया, भले ही मामला राष्ट्रहित और लोकतंत्र की मजबूती से जुड़ा हो। बिहार में राज्य निर्वाचन आयोग ने वोटर लिस्टों को दुरुस्त करने, फर्जी वोटरों की छंटनी, और नए योग्य मतदाताओं को जो?ने का जो कार्य प्रारंभ किया, वह एक सामान्य प्रशासनिक कार्य नहीं था, बल्कि एक लोकतांत्रिक शुद्धिकरण था। यह सुधार न केवल चुनावों को पारदर्शी बनाता है, बल्कि नागरिक अधिकारों की रक्षा भी करता है। परन्तु कुछ राजनीतिक दलों ने इस प्रक्रिया पर आपत्ति जताई और इसे जातीय आंकड़ों, राजनीतिक संतुलन और चुनावी गणित से जोड़कर कोर्ट का रुख किया।

सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण संविधान सम्मत प्रक्रिया है और इसे बाधित नहीं किया जा सकता। अदालत ने चुनाव आयोग की कार्रवाई को न केवल वैध बताया, बल्कि उसे लोकतंत्र के लिए आवश्यक भी बताया। यह फैसला यह भी दर्शाता है कि अब समय आ गया है जब चुनावी ईमानदारी को राजनीतिक शोरगुल और वोट बैंक की राजनीति के शोर में दबाया नहीं जा सकता। विपक्ष की प्रतिक्रिया लगभग स्वचालित होती जा रही है, चाहे मुद्दा हो आर्थिक सुधार का, रक्षा नीति का, विदेश नीति का, या अब मतदाता सूची सुधार का। प्रश्न यह उठता है कि क्या हर सुधार प्रक्रिया, चाहे वह कितनी भी लोकतांत्रिक या पारदर्शी हो, विपक्ष के लिए मात्र एक राजनैतिक खतरा है विपक्ष का यह रवैया यह दर्शाता है कि उसे संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा कम और अपनी राजनीतिक गणनाओं पर भरोसा अधिक है।

एक सामान्य नागरिक के लिए सबसे बड़ा अधिकार है वोट देना। यदि कोई सुधार प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि एक भी फर्जी वोटर सूची में न हो, कोई भी योग्य मतदाता छूटे नहीं, जाति, धर्म या राजनीति से ऊपर उठकर नागरिकता के आधार पर मतदाता सूची बने, तो फिर उसका विरोध क्यों?विपक्ष इस डर से ग्रस्त है कि यदि मतदाता सूची साफ-सुथरी हो गई, तो उनके कथित परंपरागत वोट बैंक कमजोर हो सकते हैं। उन्हें डर है कि जातीय और क्षेत्रीय समीकरण बदल सकते हैं। लेकिन यह तर्क लोकतंत्र के मूल सिद्धांत के विरुद्ध है। लोकतंत्र 'जो है, उसे प्रतिबिंबित करें', न कि 'जो चाहिए, उसे निर्मित करें'।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

इंदौर वन विभाग का मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को जवाब, पौधे नर्सरी में हैं, कीमत देकर ले जाओ

सीएम मोहन यादव से भरे मंच से वन विभाग की शिकायत करने के बाद अब मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को विभाग ने प्रेस नोट जारी कर जवाब दिया। प्रेस नोट में विभाग ने कहा कीमत देकर पौधे ले जाइए।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने 12 जुलाई को रेवती रेंज पर मां की बगिया कार्यक्रम के दौरान 51 हजार पौधे लगवाए। इस मौके पर केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के एक दिन पहले, मंत्री विजयवर्गीय ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में मंच से ही वन विभाग की शिकायत की थी।

मंत्री ने कहा था कि विभाग सहयोग नहीं कर रहा है। अब उसी वन विभाग ने 12 जुलाई की रात जनसंपर्क के माध्यम से एक प्रेस नोट जारी कर, अप्रत्यक्ष रूप से मंत्री को जवाब दे दिया है।

मंत्री विजयवर्गीय की क्या थी शिकायत?

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने 11 जुलाई को सीएम की उपस्थिति में मंच से कहा था कि सभी विभाग पौधे लगा रहे हैं, लेकिन जितना सहयोग वन विभाग से मिलना चाहिए था, वह नहीं मिला। माननीय मुख्यमंत्री जी, आप विदेश यात्रा पर जा रहे हैं, तो कृपया वन विभाग को निर्देश देकर जाएं।

शिकायत के पीछे की वजह क्या थी?

मंत्री का उद्देश्य इंदौर को हराभरा बनाना है, जिसके तहत उन्होंने हर साल 51 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया है। बीते वर्ष सभी विभागों की सक्रियता से यह लक्ष्य पूरा हुआ था, और 12 जुलाई 2024 को रेवती रेंज पर एक साथ 12.40 लाख पौधे लगाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया था। इस बार पौधों की कमी के कारण केवल 51 हजार पौधे ही लगाए जा सके। मंत्री इस बार लाखों पौधे वन विभाग से

चाहते थे, जो उपलब्ध नहीं हो सके।

वन विभाग ने क्या जवाब दिया?

12 जुलाई की रात वन विभाग द्वारा प्रेस नोट जारी किया गया। इसमें बताया गया कि वर्ष 2024-25 के लिए विभाग ने 6 लाख 84 हजार 900 पौधों का लक्ष्य तय किया है, जिनमें से अब तक 4 लाख 13 हजार 600 पौधे रोपे जा चुके हैं।

प्रेस नोट में यह भी कहा गया कि पौधे लगाने के इच्छुक लोगों को शासकीय दरों पर उचित गुणवत्ता वाले पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके लिए विभाग के पास पर्याप्त संख्या में पौधे उपलब्ध हैं।

क्या कहा विभाग ने?

वन विभाग ने साफ शब्दों में कहा कि जो भी व्यक्ति, संस्था, विभाग या एनजीओ पौधे लगाना चाहते हैं, वे शासकीय दर पर पौधे विभाग से प्राप्त कर सकते हैं।

इंदौर की इन नर्सरियों पर पौधे बिक्री के लिए उपलब्ध हैं

डेमो रोपणी, खंडवा रोड

रेसीडेंसी रोपणी

नवरतनबाग रोपणी, भैरूघाट, बड़गोंदा

किशनपुरा

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने वन विभाग पर पौधरोपण में सहयोग न करने की शिकायत की। उन्होंने सीएम की मौजूदगी में कहा कि विभाग समय पर पौधे उपलब्ध नहीं करा रहा। वन विभाग ने उसी दिन प्रेस नोट जारी कर जवाब दिया–पौधे नर्सरी में हैं, कीमत देकर ले जाओ। विभाग ने बताया कि 4 लाख से ज्यादा पौधे लगाए जा चुके हैं, स्टॉक उपलब्ध है। कांग्रेस नेताओं ने कहा, अब मंत्री भी बेबस हैं, अफसरशाही हावी हो चुकी है।

वन विभाग अब मुख्यमंत्री के पास: पूर्व में यह विभाग मंत्री नागर सिंह चौहान के पास था, बाद में यह कांग्रेस से भाजपा में आए रामनिवास रावत को सौंपा गया। उनकी चुनावी हार के बाद यह विभाग मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास आ गया। अब इस विभाग को पाने के लिए मंत्री विजय शाह, नागर सिंह सहित कई दावेदार सक्रिय हैं।

कांग्रेस नेताओं ने क्या कहा?: विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा अब तो मंत्री भी बेबस हैं! वन विभाग न मंत्री की सुनता है, न मुख्यमंत्री की। मंत्री विजयवर्गीय खुद मंच से कह रहे हैं कि वन विभाग समय पर पौधे तक नहीं देता। मुख्यमंत्री के आदेश के बावजूद वन विभाग ने आदिवासियों के घरों पर कार्रवाई की। सवाल यह है कि क्या प्रदेश में सरकार चल रही है या अफसरशाही? कांग्रेस प्रवक्ता केके मिश्रा ने बयान में कहा कि कद्दावर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की पीड़ा दुखद है। पवित्र उद्देश्य के लिए भी राजनीतिक ओछापन निंदनीय है। शहर हित में हम शोले के ठाकुर की आवाज के साथ हैं। यह राजनीतिक प्रतिशोध नहीं, घटिया सोच का प्रतीक है। भ्रष्ट अफसर अपनी हद में रहें।

शोले के ठाकुर वाला बयान क्या था? यह डायलॉग खुद मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का था। जब शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री थे और विजयवर्गीय नगरीय प्रशासन मंत्री थे, तब एक आयोजन में उन्होंने कहा था कि मेरे हाथ शोले के ठाकुर की तरह बंधे हुए हैं, ये हाथ खोल दीजिए। तब इस बयान को सीएम और मंत्री विजयवर्गीय के बीच तनाव के रूप में देखा गया था। इसके बाद ही विजयवर्गीय केंद्र की राजनीति में चले गए थे।

देव श्री भगवान जागेश्वर नाथ की नगरी में श्रावण माह के प्रथम सोमवार पर श्रद्धालुओं नें किए दर्शन

दमोह। सावन के प्रथम सोमवार पर देव श्री जागेश्वर नाथ के पट खुलते ही दर्शन करने सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालु मंदिर पहुंचे है साथ ही दमोह के लोकप्रिय सांसद राहुल सिंह भी अपने परिवार के साथ जागेश्वर नाथ धाम दर्शन करने पहुंचे। वहीं सावन के प्रथम सोमवार पर पुलिस,प्रशासन और मंदिर कमेटी द्वारा आवश्यक इंतजाम भी किए गए हैं।जिला कलेक्टर सुधीर कोचर और पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत भदौरिया की मार्गदर्शन में एसडीओपी हटा प्रशांत सुमन, निरीक्षक राम आसरे सोनकर,थाना प्रभारी पथरिया सुधीर बेगी , यातायात टी आई दलबीर सिंह, थाना प्रभारी पटेरा सरोज ठाकुर, थाना प्रभारी तेंदूखेड़ा नीतेश जैन,थाना प्रभारी नोहटा अभिषेक पटेल,थाना प्रभारी कुम्हारी बृजेश पांडे,थाना प्रभारी तारादेही आलोक तिरपु,थाना, थाना प्रभारी रनेह चंदन निरंजन, प्रभारी हिंडोरिया धर्मेंद्र गुर्जर, उप निरीक्षक अभिषेक पटेल,उप निरीक्षक सौरभ शर्मा , उपनिरीक्षक आर के गोस्वामी, सउनि पवन तिवारी,चौकी बांदकपुर प्रभारी सउनि राजेंद्र मिश्रा, सउनि दिनेश गौस्वामी।

नगर पालिका परिषद सिवनी ने 15 दुकानों को की सील

सिवनी। शनिवार को सीएमओ विशाल सिंह मस्कोले के निर्देश पर प्रभारी राजस्व निरीक्षक निर्मल अवधिया एवं महेश सोनी और अन्य कर्मचारियों की मौजूदगी में नगरीय क्षेत्र में सदर काम्पलेक्स, बुधवारी बाजार एवं पुरानी सब्जी मंडी की कुल 15 दुकानों को सील करने की कार्यवाही की गई विदित होवे कि दुकानदारों द्वारा बकाया राशि तकरीबन 12 लाख रूपये जो कि निकाय कोष में जमा नहीं कराई गई थी। जिसके कारण उक्त सील बंदी की कार्यवाही प्रस्तावित की गई है। नगर पालिका सिवनी द्वारा इस संबंध में पूर्व में दुकानदारों को नोटिस देकर बकाया राशि जमा करने की चेतावनी दी गई थी किंतु निर्धारित समय में राशि जमा न करने पर यह पूरी कार्यवाही की गई। प्रातः सील की गई कुल 15 दुकानों में से दोपहर तक 02 दुकानदारों द्वारा कुल 01 लाख रूपये की राशि नगर पालिका में जमा कराई गई इसके पश्चात् उनकी दुकान की सील खोली गई। इस कार्यवाही के दौरान नपा के कर्मचारी सावन चौहान, सतीष रजक, प्रदीप विश्वकर्मा, नेहाल बाघमारें, सुनील बघेल, लक्ष्मीकांत लाहोरी, देवेन्द्र बेलजी उपस्थित रहें।

अवैध शराब निर्माण पर कार्यवाही आबकारी ने दर्ज किए 3 प्रकरण

सिवनी। कलेक्टर सिवनी सुश्री संस्कृति जैन के नेतृत्व एवं जिला आबकारी अधिकारी श्री विनोद खत्री के निर्देशन में अवैध शराब के प्रचलन पर रोकथाम हेतु आज आबकारी उत्तर वृत्त सिवनी में छापामार कार्यवाही की गई और मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम,1915 की धारा 34 (1)(क) के अंतर्गत 03 आपराधिक प्रकरण कायम किए गए हैं। विशेष कार्यवाही में आबकारी उत्तर वृत्त के अंतर्गत ग्राम चुटका बगीचा टोला में अवैध शराब बनाने के अड्डों को नष्ट किया गया है और अवैध शराब बनाने में प्रयुक्त भारी मात्रा में सड़ा हुआ महुआ लाहन प्लास्टिक के डिब्बों एवं बोरियों में रखा हुआ बरामद कर नष्ट किया गया है। आज की कार्यवाही में लगभग 2660 किलोग्राम सड़ा हुआ महुआ लाहन एवं 55 लीटर अवैध हाथ भट्टी कच्ची शराब बरामद की गई जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 02 लाख 80 हजार रुपए है। कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी प्रणय श्रीवास्तव, आबकारी उप निरीक्षक सुश्री खुशबू प्रिया मरावी, मुख्य आरक्षक तीरथ सनोडिया, आरक्षक आनंद सिंह, सेवक भलावी एवं मुकेश अहिरवार शामिल रहे हैं।

आतंकी घटनाओं से निपटने एनएसजी द्वारा दिया गया प्रशिक्षण

शहडोल । पुलिस कंट्रोल रूम शहडोल में काउंटर टेररिस्ट इंसिडेंट रिस्पॉन्स ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, वन विभाग, होमगार्ड, अग्निशमन तथा एसडीईआरएफ के अधिकारियों को आतंकी घटना के दौरान प्रथम प्रतिक्रिया, सतर्कता, विभागीय समन्वय और सावधानियों के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया।

एनएसजी के सहायक कमांडेंट श्री कमल द्वारा प्रतिभागियों को बताया गया कि किस प्रकार किसी आतंकी घटना के समय फर्स्ट रिस्पॉन्डर के रूप में कार्य करना है, किन-किन सावधानियों का पालन करना आवश्यक है तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय किस प्रकार सुनिश्चित किया जाए।

प्रशिक्षण में पुलिस महानिरीक्षक शहडोल श्री अनुराग शर्मा, पुलिस अधीक्षक शहडोल श्री रामजी श्रीवास्तव सहित शहडोल, अनूपपुर एवं उमरिया जिलों से पुलिस, प्रशासन, स्वास्थ्य, वन, होमगार्ड, अग्निशमन और एसडीईआरएफ के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुल, पुलियों, रपटों पर पानी होने पर बैरिकेडिंग तत्काल लगाएं: कलेक्टर

शहडोल। विधायक शरद कोल एवं कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने ब्यौहारी जनपद के ग्राम सूखा गाँव का दौरा कर बाढ़ प्रभावित परिवारों से भेंट की और उनकी समस्याओं को सुना। बाढ़ के कारण हुए नुकसान का जायजा लेते हुए कलेक्टर ने राहत और सहायता कार्यों की जानकारी ली तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि ग्राम सूखा में अति वर्षा के कारण रामसुमिरन कुशवाह के परिवार के 7 सदस्य पानी से चारों ओर घिरने पर तत्काल रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान भिजवाया गया। कलेक्टर डॉ.केदार सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुल, पुलियों, रपटों पर पानी होने पर बैरिकेडिंग तत्काल लगाई जाए तथा लोगों को पैदल या वाहन को पार न करने दे। उन्होंने

कहा कि बारिश के दौरान मेडिकल किट, ब्लीचिंग पाउडर, रस्सी,टार्च सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ले। कलेक्टर ने लोगों से चर्चा करते हुए कहा कि पुल-पुलियों के ऊपर से बहते पानी या सड़क के ऊपर से बहते पानी को क्रॉस ना करें और ना ही वाहन निकालने का प्रयास करें, नदी-नालों के पास जाने से बचें, बिजली गिरने की आशंका हो तो पेड़ के नीचे खड़े न हों, पुराने व कमजोर मकानों में न रहें, प्रशासन द्वारा जारी अलर्ट पर ध्यान दें व निर्देशों का पालन करें, किसी भी आपात स्थिति में आपदा नियंत्रण कक्ष या निकटतम प्रशासनिक अधिकारी को तुरंत सूचित करें। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नरेंद्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

हरदा में पुलिस की बर्बरता – शांतिपूर्ण आंदोलनकारियों पर तानाशाही हमला : जीतू

भोपाल। मध्यप्रदेश के हरदा जिले में करणी सेना और राजपूत समाज के शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर की गई पुलिस की बर्बर कार्रवाई अत्यंत निंदनीय, अमानवीय और लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। इस घटना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि मोहन यादव की सरकार में न्याय और अधिकार की बात करना अब अपराध बन चुका है।

लाठीचार्ज, वाटर कैनन, गिरफ़्तारियां और धमकियों के माध्यम से सरकार ने यह दिखा दिया है कि वह जनता की आवाज़ को कुचलने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। विशेष रूप से यह दुखद है कि प्रदर्शनकारियों में वरिष्ठजन, महिलाएं और युवा भी शामिल थे, जिन पर बलपूर्वक हमला किया गया।

लोगों की शांतिपूर्ण बातें सुनने की वजह लाठियां से मारना यह अलोकतांत्रिक तरीका है – यह तानाशाही रवैया का स्पष्ट परिचायक है।

मैं स्पष्ट रूप से मांग करता हूँ कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री मोहन यादव जी इस मामले में स्वयं संज्ञान लें और पीड़ितों को न्याय दिलाने की दिशा में ठोस कदम उठाएं। शांति और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध कर रहे लोगों पर दर्ज मुकदमों को तुरंत वापस लिया जाए। कांग्रेस पार्टी हमेशा जनता की आवाज़, संविधान और न्यायपूर्ण संघर्ष के साथ खड़ी रही है और आगे भी रहेगी।

सड़क न बनने से परेशान ग्रामीणों ने कीचड़ में की धान की रोपाई

शहडोल। जिले मे ब्योहारी ब्लॉक अंतर्गत पपौंध में सड़क की समस्या से ग्रामीण बहुत परेशान हैं। यहाँ वार्ड 1 में रोड निर्माण न होने से दलदल व बड़े-बड़े गड्ढों के बीच आवागमन करने ग्रामीण मजबूर हैं। ग्रामीणों ने इसे लेकर कई बार प्रशासन को अवगत कराया बावजूद रोड न बनने से परेशान ग्रामीणों ने शनिवार को बारिश के बाद कीच? भरी सडक मे धान रोपाई कर अपना विरोध जताया है।

ग्रामीणों की माने तो सड़क बनाने को लेकर कई बार पंचायत से लेकर जनपद व जिला मुख्यालय तक उनके द्वारा मांग की जा चुकी हैं, बावजूद कोई ध्यान देने को तैयार नहीं है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि सीसी सड़क न होने से स्कूली बच्चे, मरीज एवं बुजुर्गों को आवागमन करने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है, इससे कई बार लोग हादसे का शिकार हो चुके हैं। बारिश के दिनों यहां समस्या और बढ़ जाती है। उन्होंने बताया पपौंध सरपंच ने चार बार जिला पंचायत व कई बार जनपद में सड़क बनाने का प्रस्ताव जमा कराया जा चुका हैं, बावजूद इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसके चलते ग्रामीणों ने इस प्रकार अपना विरोध दर्ज कराया हैं।

स्वच्छता मित्र का अथक परिश्रम हमारे लिए सर्वोपरि: उमाकांत शर्मा

विधायक ने कराया प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों का गृह प्रवेश

सिरोंज। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत गृहप्रवेश एवं नवीन आवासों के भूमि पूजन कार्यक्रम के इंदौर से मुख्यमंत्री के लाइव प्रसारण कार्यक्रम्भक आयोजन स्थानीय नगर पालिका में किया गया। आम नागरिकों के हित से जुड़े सरकार के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सहभागिता करने के लिए विधायक उमाकांत शर्मा ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विधायक उमाकांत शर्मा ने नगरपालिका में कार्यरत स्वच्छता मित्रो को बारिश के मौसम में स्वच्छता करने के लिए सहायक बरसाती कपड़ो का भी वितरण किया। इस अवसर पर पूर्व से आवंटित अपने प्रधानमंत्री आवास को पूर्ण कर चुके लाभान्वित हितग्राहियों का गृहप्रवेश भी कराया गया।

नपा परिसर में स्वच्छता मित्रो के साथ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शर्मा ने धन्यवाद देते कहा कि आपकी अथक मेहनत के कारण ही अपना शहर साफ सुथरा दिखाता है यह हमारी शारीरिक एवं आर्थिक उन्नति का घोतक है। ग्रीन ओर क्लीन सिरोंज बनाने के लिए जितनी भी सीसी सड़के ओर अन्य विकास कार्य हे वह नगरपालिका की देन है। मध्यप्रदेश में डबल इंजन की सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री मोहन यादव की देन है। उन्होंने कहा कि यह सही बात हे कि

राजनैतिक मतभेद होते है लेकिन जब जनहित का कोई मुद्दा समान आता है तो यह हम सबका कर्तव्य हे कि तब हम सबको एक रहना चाहिए। हमारे यह सफाई मित्र सर्दी,गर्मी बरसात के मौसम में सुबह चार बजे से कचरे में,गीले में, कीचड़ पानी में काम कर जनसेवा करते हैं और इनका कोई दूसरा विकल्प भी नहीं है। संविधान के अनुसार मूलभूत सुविधाओं का पाने का आपका भी अधिकार है आप सभी की अनेक मांगों में से वाजिब मांगो को पूरा करने के लिए में भी निर्देश दे चुका हूं लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों की लापरवाही की वजह से कुछ अधूरी बनी हुई है। पूर्व के समय में बाल्मीकि समाज ने बडी परिस्थितियों में संघर्ष किया है।

नपा परिसर के हाल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने प्रत्येक महिला एवं पुरुष स्वच्छता मित्र के पास पहुंचकर उनका सम्मान करते हुए रैन कोट का वितरण किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नपाध्यक्ष मनमोहन साहू,उपाध्यक्ष,मनोज शर्मा, वार्डो के पार्षद गण नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू,स्वच्छता अधिकारी धीरज मैना सहित अधिकारी कर्मचारी एवं स्वच्छता मित्र मौजूद रहे।

सप्तम पुण्यतिथि पर ग्वालियर के वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रख्यात समाजसेवी अग्रवाल की स्मृति में में हुए अनेक कार्यक्रम

ग्वालियर। कैलाशवासी अग्रवाल जी की 7 वीं पुण्यतिथि पर ग्वालियर के जयारोग्य अस्पताल में निःशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में विशेष रूप से अनुभव रमन अग्रवाल , अंकित अग्रवाल ,लायक सिंह यादव , सौरव गुप्ता एवं अंश गुप्ता उपस्थित थे।

पुण्यतिथि कार्यक्रम में ग्वालियर के मोहनपुर क्षेत्र के शासकीय विद्यालय में बच्चों को निःशुल्क शिक्षण सामग्री का वितरण भी किया गया और साथ ही साथ विद्यालय में बच्चों के खेल सामग्री इत्यादि का वितरण भी किया गया । इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण विशेष रूप से उपस्थित थे।

रतलाम जिले के पिपलौदा तहसील की बाराखेड़ा पंचायत में कृषकों की आय बढ़ाने एवं स्वालंबन हेतु कैलाश्वासी अग्रवाल जी की स्मृति में एक दिवसीय कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से होप फॉर ग्रोथ वेलफेयर फाउन्डेशन के संयुक्त सचिव लखन पंवार , शासकीय पशु चिकित्सा अधिकारी पिपलौदा श्री मनीष अहिरवार जी के साथ साथ ग्राम पंचायत

बाराखेड़ा के किसान उपस्थित रहे। कृषक संगोष्ठी में चिकित्सा अधिकारी ने पशुओं के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी किसानों को उपलब्ध करवाई गई एवं लखन पंवार द्वारा खेती की नई किस्में एवं उन्नत तकनीकों की जानकारी उपलब्ध करवाई गई।

जिले में अब तक दर्ज की गई 502.6 मि.मी. औसत वर्षा

शहडोल – अधीक्षक भू-अभिलेख शहडोल ने जानकारी दी है की जिले में 12 जुलाई को जिले में कुल 1 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्षामापी केन्द्र सोहागपुर में 1 मिमी., बु?ार में 0 मिमी., गोहपारू में 2 मि.मी., जैतपुर में 1 मिमी, चन्नौ?ी में 0 मिमी., ब्यौहारी में 0 मिमी, जयसिंहनगर में 3 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

कृषि मंत्री एक्शन मोड में, विदिशा में अधिकारियों पर भड़के बोले- केंद्र से दल आया तो सब नपेंगे

विदिशा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा में अधिकारियों पर जमकर बरसे। मनरेगा कार्यों में मशीनों के उपयोग और अनियमितताओं को लेकर उन्होंने चेतावनी दी कि यदि केंद्र से जांच दल आया, तो सभी नप जाएंगे। चौहान ने 121 अमृत सरोवरों का भौतिक सत्यापन कराने और आवास योजना में धीमी प्रगति पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने अमानक खाद और कीटनाशक मामले में कंपनियों पर भी कार्रवाई करने को कहा। केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान मध्यप्रदेश के विदिशा में दिशा की बैठक के दौरान अधिकारियों पर नाराज हो गए। अधिकारियों के द्वारा संतोषजनकर जवाब न मिलने पर शिवराज सिंह चौहान ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब अधिकारियों को ही कुछ नहीं पता तो भला किसानों की मदद कैसे होगी? इस दौरान शिवराज सिंह चौहान ने जनप्रतिनिधियों से भी कहा कि सरकारी की विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन ठीक ढंग से हो रहा है कि नहीं इस पर नजर रखें।बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री और सांसद शिवराज सिंह चौहान अधिकारियों पर जमकर बरसे। मनरेगा कार्यों में मशीनों के उपयोग और योजना में अनियमितताओं को लेकर उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि यदि केंद्र से जांच दल आया, तो सभी नप जाएंगे।

बीज वितरण की जानकारी न मिलने पर हुए नाराज

विदिशा में दिशा की बैठक के दौरान शिवराज सिंह चौहान ने गंजबासौदा में घटिया सोयाबीन बीज की शिकायत पर गंभीर चिंता जताई और कहा कि यह स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने भंडारण प्रणाली और किसानों द्वारा बीज खरीद की प्रक्रिया पर पूरी रिपोर्ट अधिकारियों से मांगी तो अधिकारी बगले झांकने लगे और कोई ही जवाब नहीं दे पाए। अधिकारियों के इस रवैये पर शिवराज सिंह चौहान ने नाराजगी जताई और भड़क गए। इतना ही नहीं बैठक के दौरान जब शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों से बीज आदि का डाटा मांगा तो वो भी अधिकारी नहीं दे पाए और न ही शिवराज सिंह के सवालों का कोई जवाब दे पाए। इस पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जब अधिकारी ही जवाब नहीं दे पाएंगे तो किसानों की मदद कैसे होगी।

शिवराज सिंह ने दिए दिशा निर्देश

बैठक के दौरान शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्दश देते हुए कहा कि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही शिवराज सिंह चौहान ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों से ये भी कहा है कि सरकार की जो भी योजनाएं चल रही हैं उन पर आप सभी को नजर रखनी चाहिए। जो काम किया जा रहा है उसकी गुणवत्ता आपको जांचनी परखनी चाहिए। जनप्रतिनिधियों को हर योजना के कामों की मॉनिटरिंग करनी है।

भोपाल से लखनऊ और पटना के बीच चलेगी वंदे भारत

भोपाल। भोपाल से पटना और लखनऊ के लिए वंदे भारत ट्रेन का रैक अगस्त में मिलने की संभावना है। रैक मिलते ही ट्रायल शुरू कर दिए जाएंगे। अनुमान है कि इन दोनों रूट्स पर वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन सितंबर के अंतिम सप्ताह या अक्टूबर की शुरुआती वीक से शुरू हो सकता है।रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से पटना और लखनऊ के लिए जल्द दो नई वंदे भारत ट्रेनें शुरू की जाएंगी। इन ट्रेनों से यात्रा का समय काफी घटेगा। यह खबर उन यात्रियों के लिए राहतभरी है जो इन मार्गों पर बार-बार सफर करते हैं। ये ट्रेनें मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तर प्रदेश के यात्रियों के लिए सफर को अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाएंगी। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल और यूपी की राजधानी लखनऊ के बीच यह कनेक्टिविटी लोगों को बड़ी राहत देगी। दोनों शहरों के बीच यह ट्रेन सप्ताह में 6 दिन चलेगी। ट्रेन सुबह लखनऊ से चलेगी और शाम को भोपाल से वापस लौटेगी। इसका संचालन लखनऊ रेल मंडल के तहत किया जाएगा। भोपाल से पटना के लिए भी एक स्लीपर वंदे भारत ट्रेन चलाई जाएगी। यह ट्रेन सप्ताह में 3-4 दिन चलेगी। इसका संचालन भोपाल रेल मंडल द्वारा किया जाएगा। हालांकि अभी तक ट्रेन का आधिकारिक किराया घोषित नहीं किया गया है। लेकिन अन्य वंदे भारत ट्रेनों के किराए को देखते हुए, चेयर कार और एग्जीक्यूटिव क्लास के लिए अलग-अलग किराए तय किए जाएंगे। भोपाल रेलवे मंडल के अधिकारियों का कहना है कि रानी कमलापति स्टेशन से शुरू होने वाली वंदे भारत ट्रेनों से मध्यप्रदेश, बिहार और उत्तर प्रदेश की राजधानियों के बीच कनेक्टिविटी काफी बेहतर हो जाएगी। इससे इन राज्यों के यात्रियों को एक-दूसरे के बीच यात्रा करने में आसानी होगी और अंतरराज्यीय परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। पटना की ओर जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन पटना रेलवे मंडल द्वारा किया जाएगा। भोपाल और पटना मंडल मिलकर ट्रेन की समय-सारणी, टिकट मूल्य और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देंगे। फिलहाल सेवा शुरू होने की अनुमति के बाद ही यह विवरण सार्वजनिक किया जाएगा। रानी कमलापति से पटना की दूरी लगभग 1005 किलोमीटर है, जिसे वर्तमान में तय करने में 18 से 20 घंटे लगते हैं। लेकिन वंदे भारत ट्रेन के माध्यम से यह सफर केवल 12 से 13 घंटे में पूरा किया जा सकेगा। यह ट्रेन 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने में सक्षम है।

रेल मंत्रालय का बड़ा फैसला, अहमदाबाद-मुंबई कॉरिडोर पर नहीं दौड़ेगी बुलेट ट्रेन

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे महत्वाकांक्षी रेल परियोजनाओं में से एक, अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर में बड़ा बदलाव किया गया है। अब इस रूट पर जापानी बुलेट ट्रेन की जगह स्वदेशी तकनीक से निर्मित सेमी हाई-स्पीड वंदे भारत ट्रेनें चलेंगी। यह निर्णय बढ़ती लागत और आत्मनिर्भर भारत की पहल को बढ़ावा देने के लिए लिया गया है। रेल मंत्रालय के अनुसार, इस कॉरिडोर पर दो वंदे भारत ट्रेनें, प्रत्येक में 8 कोच के साथ, 280 किमी/घंटा की अधिकतम गति से संचालित होंगी, लेकिन नियमित रूप से 250 किमी/घंटा की गति से चलेंगी। यह भारत की सबसे तेज़ वंदे भारत ट्रेन होगी, जो बुलेट ट्रेन के लिए तैयार ट्रैक पर दौड़ेगी। सूरत से बलिमोरा तक 50 किलोमीटर के ट्रैक पर काम लगभग पूरा हो चुका है, और 2025 के अंत तक इस खंड पर ट्रायल रन शुरू होगा, जिसका लक्ष्य 2027 तक रूट को यात्रियों के लिए खोलना है। लागत में वृद्धि इस बदलाव का प्रमुख कारण है; जापानी बुलेट ट्रेन के प्रति कोच की लागत 16 करोड़ रुपये से बढ़कर 50 करोड़ रुपये हो गई है, जिससे 16 कोच वाली ट्रेन की कुल लागत 800 करोड़ रुपये हो जाती है, जो भारतीय रेलवे के लिए महंगी है।

वैश्विक स्तर पर बुलेट ट्रेनों की गति की बात करें तो जापान में 603 किमी/घंटा, चीन में 600 किमी/घंटा, फ्रांस में 320 किमी/घंटा, और दक्षिण कोरिया में 305 किमी/घंटा की गति दर्ज की गई है, जबकि भारत में प्रस्तावित बुलेट ट्रेन की गति 320 किमी/घंटा थी, लेकिन अब वंदे भारत की गति 250 किमी/घंटा तक सीमित होगी। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यह निर्णय न केवल आर्थिक बल्कि रणनीतिक भी है, क्योंकि स्वदेशी वंदे भारत ट्रेनों का उपयोग 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल को मजबूती प्रदान करेगा।

राज्यसभा की बेंच पर अब सिर्फ राजनीति नहीं हर क्षेत्र की विशेषज्ञता की गूंज सुनाई देगी

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा की बेंच पर अब सिर्फ राजनीति नहीं, हर क्षेत्र की विशेषज्ञता की गूंज सुनाई देगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के ऊपरी सदन के लिए ऐसे चार चेहरों को चुना है, जिनकी पहचान सिर्फ पद से नहीं, बल्कि उनके काम और समाज में गहरी छाप से है। ये नामांकन 12 जुलाई 2025 को गृह मंत्रालय की अधिसूचना के तहत हुए, और इन पर प्रधानमंत्री मोदी ने भी खास भरोसा जताया है।

1.उज्ज्वल निकम- भारतीय न्याय व्यवस्था के सबसे चर्चित अभियोजक, उज्ज्वल निकम ने आतंकवाद और संगठित अपराध के खिलाफ देश की सबसे बड़ी कानूनी लड़ाइयों का नेतृत्व किया। 26/11 मुंबई हमला, 1993 ब्लास्ट, जर्मन बेकरी के हर जगह उनकी दलीलें गूंजती रहीं। उनकी सख्त छवि और निर्भीकता ने उन्हें आम लोगों के बीच 'न्याय का योद्धा' बना दिया है।

2.सी. सदानंदन मास्टर- केरल के गांवों से निकलकर राष्ट्रीय मंच तक पहुंचे सदानंदन मास्टर शिक्षा और समाज सेवा के पर्याय हैं। उन्होंने सरकारी स्कूलों में नवाचार, डिजिटल लर्निंग और ग्रामीण युवाओं के लिए सैकड़ों प्रोजेक्ट्स शुरू किए। महिला सशक्तिकरण और बाल शिक्षा में उनके योगदान को कई राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा गया है।

3.हर्षवर्धन श्रृंगला- भारत की विदेश नीति के 'शांत राजदूत' माने जाने वाले श्रृंगला ने अमेरिका, बांग्लादेश, थाईलैंड में भारत का प्रतिनिधित्व किया। कोविड काल में 'वैक्सीन मैत्री' जैसी पहल हो या पड़ोसी देशों से रिश्ते–हर जगह उनकी कूटनीतिक सूझबूझ दिखी। विदेश मंत्रालय में उनकी रणनीति और संवाद शैली को आज भी मिसाल माना जाता है।

4.डॉ. मीनाक्षी जैन

इतिहास, संस्कृति और भारतीय परंपरा की गहरी समझ रखने वाली डॉ. जैन ने अपनी किताबों और शोध से ऐतिहासिक विमर्श को नई दिशा दी। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रहते हुए उन्होंने युवाओं को भारतीयता और इतिहास से जोड़ने का काम किया। उनकी रचनाएं समाज में वैचारिक संवाद को समृद्ध करती हैं। इन नामांकनों से राज्यसभा अब सिर्फ राजनीति का मंच नहीं, बल्कि समाज, कानून, शिक्षा और कूटनीति की साझा प्रयोगशाला बनेगी। यह चयन दिखाता है कि संसद में अब हर क्षेत्र की असली आवाज और अनुभव को महत्व मिलेगा, और यही भारतीय लोकतंत्र की असली खूबसूरती है।

20 जुलाई से इंदौर से गाजियाबाद के लिए सीधी फ्लाइट, ऐसा रहेगा पूरा शेड्यूल

इंदौर। मध्यप्रदेश वासियों के लिए खुशखबरी है। अब इंदौर से गाजियाबाद जाना आसान होने वाला है। 20 जुलाई से इंदौर से गाजियाबाद के लिए सीधी फ्लाइट शुरू होने जा रही है। इसका संचालन इंडिगो एयरलाइंस द्वारा किया जाएगा। कंपनी ने इसकी बुकिंग शुरू कर दी है और उड़ान के संचालन की पूरी तैयारी कर ली गई है। यह उड़ान प्रतिदिन संचालित होगी, जो गाजियाबाद से दोपहर में इंदौर आएगी और शाम को वापस इंदौर से रवाना होगी। 5 से 10 हजार रुपए के करीब है। इस फ्लाइट के शुरू होने से नोएडा और नई दिल्ली जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त यात्रा विकल्प मिलेगा, क्योंकि गाजियाबाद से नई दिल्ली की दूरी करीब 32 किमी है, ऐसे में गाजियाबाद जाकर यात्री दिल्ली जा सकेंगे।

अब सीबीआई करेगी छत्तीसगढ़ कोल लेवी घोटाला मामले की जांच, गृह विभाग ने दी अनुमति

रायपुर। छत्तीसगढ़ कोल लेवी घोटाले की जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपी गई है। राज्य की विष्णुदेव साय सरकार ने दिल्ली विशेष पुलिस प्रतिष्ठान अधिनियम की धारा 6 के तहत सीबीआई को प्रदेश में जांच के अधिकार देने की अधिसूचना जारी कर दी है। इसके बाद अब कोल घोटाले से जुड़ी हर कड़ी की जांच सीबीआई के हाथों में होगी। गृह विभाग की अधिसूचना जारी होते ही राज्य पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के एसपी और रेंज आईज को निर्देश जारी किए हैं कि वे सीबीआई जांच के दौरान पूरा सहयोग दें और जरूरी कागजी कार्यवाही तत्काल उपलब्ध कराएं। बता दें, इस घोटाले की जांच पहले से ही प्रवर्तन निदेशालय और EOW कर रही थी। ईडी का दावा है कि कोल परिवहन, परमिट के ऑनलाइन से ऑफलाइन में बदलने जैसे तरीकों से करीब 570 करोड़ रुपए की अवैध वसूली की गई। अब तक इस मामले में 36 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो चुकी है।

भोपाल में दिल के मरीजों को लगातार एडवांस्ड कार्डियोवैस्कुलर केयर पहुंचा रहा है

भोपाल। दिल्ली स्थित एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल, भोपाल के लोगों को बेहतर हृदय उपचार देने के लिए अक्षय हार्ट एंड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के साथ अपनी साझेदारी को जारी रखे हुए है। इस पहल के तहत, प्रसिद्ध सर्जन डॉ. युगल किशोर मिश्रा, चेयरमैन - मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियेक साईंसेज़, एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल हर माह के दूसरे रविवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच अक्षय हॉस्पिटल, भोपाल में हृदय रोगियों का इलाज करते हैं। भारत में दिल की बीमारियों जैसे हार्ट अटैक, हार्ट फेलियर और एरिदमिया के मामले युवाओं में तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके पीछे मुख्य कारण हैं गतिहीन जीवनशैली, खराब खान-पान, व्यायाम की कमी और बढ़ता तनाव। इस बढ़ती हुई स्वास्थ्य समस्या से बचने के लिए इसकी समय पर पहचान होना और कार्डियेक केयर में अत्याधुनिक विधि से इलाज करना जरूरी होता है। इस विषय में डॉ. युगल किशोर मिश्रा, चेयरमैन, मणिपाल हॉस्पिटल द्वारका, नई दिल्ली ने कहा, ÷जीवनशैली, पारिवारिक इतिहास और अनुवांशिक प्रवृत्ति के कारण हृदय रोग धीरे-धीरे बढ़ते हैं। जागरुकता की कमी के चलते इनके निदान में देर हो जाती है, जिससे अचानक स्थिति बिगड़ती है। हृदय रोग के इलाज में काफी प्रगति हुई है। रोबोटिक सर्जरी, मिनिमली इन्वेज़िव हार्ट प्रक्रियाओं, और ट्रांसकैथेटर आयोर्टिक वॉल्व रिप्लेसमेंट (टीएवीआर) जैसी आधुनिक टेक्नोलॉजी की मदद से मरीजों को छोटा सा चीरा लगाकर, कम दर्द के साथ ज्यादा तेजी से ठीक किया जा सकता है। इससे मरीजों का जीवन स्तर काफी बेहतर हो जाता है÷। भोपाल में नियमित ओपीडी के साथ एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल का उद्देश्य भोपाल और आसपास के नागरिकों को बेहतर इलाज प्रदान करना और नियमित स्वास्थ्य जाँच की जागरुकता बढ़ाना है। मणिपाल हॉस्पिटल भारत के सबसे बड़े मल्टी-स्पेशलिटी स्वास्थ्य संस्थानों में से एक है, जहाँ एक ही छत के नीचे रोबोटिक और मिनिमली इन्वेज़िव प्रक्रियाओं के साथ विस्तृत हैल्थकेयर, डायग्नोस्टिक्स और इलाज की सुविधाएं मिलती हैं।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में अभिभावक शिक्षक संघ की बैठक का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में अभिभावक शिक्षक संघ की बैठक का सफल आयोजन किया गया। इस बैठक का मूल उद्देश्य छात्रों की सर्वांगीण प्रगति, अकादमिक उपलब्धियाँ, बोर्ड परीक्षा परिणाम, वाणिज्य संकाय के सिटी टॉपर, अनुशासन, उपस्थिति, पाठ्यक्रम एवं सह पाठ्य गतिविधियों, स्मार्ट डिजिटल कक्षाओं की प्रभावशीलता, विविध क्षेत्रों में छात्रों की उत्कृष्ट प्रदर्शन, आगामी सत्र के लिए प्रभावी योजनाएँ, स्कूल परिसर की सुरक्षा व्यवस्था में सुधार एवं सुविधाएँ, शैक्षिक भ्रमण की जानकारी के साथ अभिभावक और शिक्षकों के बीच प्रभावी संवाद स्थापित करना था। साथ ही कक्षा दसवीं के अभिभावकों के लिए शैक्षणिक वर्ष 2025- 26 के सीबीएसई संशोधित परीक्षा और मूल्यांकन पर आधारित जागरूकता स्थापित करना रहा। बैठक की अध्यक्षता विद्यालय प्राचार्य अजय बहादुर सिंह द्वारा की गई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अजय बहादुर सिंह द्वारा अभिभावकों का अभिनंदन किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि छात्रों की प्रगति के मजबूत आधार स्तंभों में अभिभावक और शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। अतः अभिभावक और शिक्षकों का सतत संवाद अनिवार्य है। उन्होंने विद्यालय में आयोजित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की चर्चा भी की।

मप्र के इस जिले में लगती है भोलेनाथ की अदालत मजिस्ट्रेट महादेव में सुलझता है हर विवाद

ग्वालियर। सावन का पहला सोमवार है, और हर जगह महादेव की पूजा हो रही है। लेकिन जब हम महादेव के बारे में बात करते हैं, तो मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले से महादेव का एक अनोखा रूप देखने को मिलता है। महादेव के इस रूप को मजिस्ट्रेट महादेव के नाम से जाना जाता है।

बता दें कि महादेव के इस मंदिर में हर साल सैकड़ों लोग अपनी समस्याओं का समाधान पाने आते हैं, और यहां भगवान शिव खुद जज के रूप में कार्य करते हैं। यह अदालत सिर्फ एक स्थान नहीं है, बल्कि यहां की कानूनी प्रक्रिया और न्याय के प्रति आस्था अनूठी है। यह अदालती प्रक्रिया सरकारी अदालतों से कुछ कम नहीं है। यहां सभी प्रकार के विवादों का समाधान धार्मिक आस्था और न्याय के सिद्धांतों के तहत किया जाता है।

महादेव की अदालत में हर विवाद का हल: ग्वालियर से 15 किलोमीटर दूर स्थित गिरगांव के महादेव मंदिर में न्याय की प्रक्रिया कुछ अलग ही है। यहां, महादेव खुद मजिस्ट्रेट के रूप में कार्य करते हैं। उनकी अदालत में लोगों के सभी तरह के मामलों का हल निकाला जाता है। यह अदालती कार्यवाही किसी सरकारी अदालत से कम नहीं होती। इस अदालत में लोग केवल मध्य प्रदेश से ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, दिल्ली से भी अपने विवादों का समाधान पाने के लिए आते हैं।

मजिस्ट्रेट महादेव में कैसे होता है न्याय का फैसला?: मंदिर के पुजारी पंडित देवेंद्र मिश्रा ने बताया कि जब कोई मामला महादेव की अदालत में आता है, तो यहां पंचों का एक पैनल तय किया जाता है, जो मामले की सुनवाई करता है। पंचों के पास गवाहों, सबूतों और दोनों पक्षों की बातें सुनने के बाद फैसला दिया जाता है। एक अनोखी बात यह है कि दोनों पक्षों को धर्म दिलवाया जाता है। यह कसम महादेव की पिंडी के पास ली जाती है। फैसले के बाद केस को मंदिर के रजिस्टर में दर्ज कर दिया जाता है। मजिस्ट्रेट महादेव की अदालत- ग्वालियर के गिरगांव स्थित महादेव मंदिर में हर प्रकार के विवादों का समाधान किया जाता है, जहां महादेव खुद जज के रूप में कार्य करते हैं।

न्याय की प्रक्रिया: यहां पंचों का पैनल गवाहों और सबूतों के आधार पर फैसले करता है, और दोनों पक्षों को धर्म की कसम दिलवाई जाती है।

विवादों की विविधता: इस अदालत में हत्या, चोरी, घरेलू हिंसा, लूट और चरित्र संदेह जैसे गंभीर मामलों का भी निपटारा किया जाता है।

धर्म और आस्था का प्रभाव: फैसले केवल आस्था पर नहीं, बल्कि तर्क और सत्य पर आधारित होते हैं, जिससे लोग अपने विवादों का समाधान पाते हैं।

सभी धर्मों का सम्मान: यहां न केवल हिंदू, बल्कि मुस्लिम समुदाय के लोग भी न्याय पाने के लिए आते हैं, जैसे कि 2025 में मुस्लिम व्यक्ति सलीम शाह ने यहां अपने विवाद का निपटारा किया।

गिरगांव की अदालत में हर किस्म के मामले

यहां अदालत में हत्या, चोरी, घरेलू हिंसा, लूट और चरित्र संदेह जैसे मामले भी आते हैं। यही नहीं, मंदिर के रिकॉर्ड के अनुसार हर मामले की पूरी जानकारी सुरक्षित रहती है। न्याय की इस प्रक्रिया को विश्वास और श्रद्धा से जोड़ा जाता है। यही कारण है कि यहां के फैसले बड़े ही असरदार होते हैं।

महादेव की अदालत का दिलचस्प किस्सा: मजिस्ट्रेट महादेव के अदालत से जुड़े कई रोचक किस्से हैं, जो लोगों के जीवन को बदल देते हैं। 2024 में मुंबई के दो भाईयों का विवाद आधा किलो सोने को लेकर महादेव की अदालत में पहुंचा। दोनों भाईयों को धर्म की कसम दिलवाई गई। फिर पांच दिन में बड़ा भाई खुद को गलत मानते हुए छोटे भाई को उसका हक दे दिया। इस मामले से यह साफ हो गया कि महादेव की अदालत में फैसले केवल आस्था पर नहीं, बल्कि तर्क और सत्य पर आधारित होते हैं।

महादेव की अदलत का अनोखा केस: मिर्ची बाबा, जो पहले धार्मिक कर्मों और पूजा-पाठ के लिए जाने जाते थे, एक विवादित घटना के केंद्र में आ गए। 2022 के अगस्त महीने में, जब वह श्रीमद भागवत कथा आयोजित करने की तैयारी कर रहे थे। तभी चंदे के पैसे को लेकर समिति और उनके बीच विवाद हुआ। हालांकि, मिर्ची बाबा ने मजिस्ट्रेट महादेव के सामने यह दावा किया था कि उन्होंने चंदे के पैसों का कोई व्यक्तिगत लाभ नहीं लिया। यदि लिया हो तो मैं कल का सूरज नहीं देख पाऊंगा। उसी रात उन्हें भोपाल पुलिस ने एक यौन उत्पीड़न मामले में गिरफ्तार कर लिया। जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने मजिस्ट्रेट महादेव की पूजा की और अपने अनुयायियों से समर्थन हासिल करने की कोशिश की। यह घटनाक्रम धार्मिक नेताओं के प्रति समाज में बढ़ते विश्वास और संशय के बीच एक जटिल तस्वीर प्रस्तुत करता है, जहां धर्म और व्यक्तिगत आस्थाएं अक्सर सामाजिक और कानूनी मुद्दों से टकराती हैं।

मुसलमान भी मानते हैं महादेव की अदालत को: यहां केवल हिंदू ही नहीं, बल्कि मुस्लिम समुदाय के लोग भी आस्था रखते हैं। 12 जुलाई 2025 को एक मुस्लिम व्यक्ति सलीम शाह ने महादेव की अदालत में अपने विवाद का निपटारा किया। महादेव की अदालत में फैसले का तरीका न केवल तर्कसंगत होता है, बल्कि यह हर धर्म के लोगों के लिए समान रूप से सम्मानजनक है।

लोगों के जीवन को भी सुधारता है यह अदालत: मजिस्ट्रेट महादेव की अदालत का समाज पर गहरा असर है। यहां फैसले होते हैं, जो न केवल अदालत तक सीमित रहते हैं, बल्कि यह लोगों के जीवन को भी सुधारते हैं। जब लोग धर्म के आधार पर कसम खा कर फैसले करते हैं, तो उनका आस्था और विश्वास मजबूत होता है। यही कारण है कि यहां की अदालत का प्रभाव दूर-दूर तक महसूस किया जाता है।

नई कीमतों के बाद सोने और चांदी के दाम 1 लाख पार ट्रेंड कर रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। सावन के पहले सोमवार को सोना या चांदी खरीदने के लिए बाजार जा रहे है तो पहले ताजा भाव जान लीजिए। आज 14 जुलाई को सोने के दाम में 170 प्रति 10 ग्राम का उछाल आया है, हालांकि चांदी के रेट में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। नई कीमतों के बाद सोने और चांदी के दाम 1 लाख पार ट्रेंड कर रहे है। आज सोमवार को सराफा बाजार की ओर जारी सोने और चांदी के अनुसार आज 14 जुलाई 2025 को 22 कैरेट सोने के दाम 91,700 , 24 कैरेट का भाव 1,00,030 और 18 ग्राम सोने का रेट 75,030 रुपए पर ट्रेंड कर रहे है। वहीं 1 किलो चांदी का रेट 1, 15,000 हजार रुपए चल रहा है।

18 कैरेट सोने का आज का भाव: दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 75 030/- रुपये। कोलकाता और मुंबई सराफा बाजार में 74, 910/- रुपये। इंदौर और भोपाल में सोने का भाव 74, 950 चल रहा है। चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 75, 400/- रुपये पर ट्रेड कर रही है।

22 कैरेट सोने का आज का भाव: भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 91, 600/- रुपये ।

जयपुर, लखनऊ, दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 91,700/- रुपये । हैदराबाद, केरल, कोलकाता, मुंबई सराफा बाजार में 91,550/- रुपये ट्रेंड कर रहा है।

24 कैरेट सोने का आज का भाव: भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 99,930 रुपये। दिल्ली जयपुर लखनऊ और चंडीगढ़ सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 1,00,030 /- रुपये। हैदराबाद, केरल, बैंगलुरू और मुंबई सराफा बाजार में 99, 880/- रुपये । चेन्नई सराफा

यात्री सुरक्षा और बदमाशों की पहचान के लिए ट्रेनों के 74 हजार डिब्बों में सीसीटीवी कैमरे लगेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्रालय ने तय किया है कि वह ट्रेनों के 74 हजार डिब्बों और 15 हजार इंजनों में सीसीटीवी कैमरे लगाएगा। करीब चार लाख कैमरे लगाए जाएंगे। इनमें एआई का भी इस्तेमाल किया जाएगा। कैमरे फेसियल रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) से लैस होंगे। इससे ट्रेनों में सक्रिय बदमाशों और संगठित गिरोह की समय पर पहचान की जा सकेगी। शनिवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने इंजनों और डिब्बों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की प्रगति की समीक्षा की। इसमें नॉर्दन रेलवे में डिब्बों और इंजनों में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों का ट्रायल कामयाब होने पर इसे देश की तमाम ट्रेनों और इंजनों में लगाने का निर्णय लिया गया। मीटिंग में रेलवे बोर्ड के भी तमाम वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मीटिंग में तय किया गया कि 74 हजार ट्रेन डिब्बों में से प्रत्येक कोच में चार-चार डोम कैमरे और 15 हजार इंजनों में प्रत्येक में छह-छह सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इनके अलावा जरूरत के मुताबिक अन्य जगहों पर भी कैमरे लगाए जाएंगे।

स्मार्ट सिटी की बातें क्या तकलीफों की रातें बन जाएंगी?

भोपाल। राजधानी में जल जाम है. सड़कों पर गड्ढे आम हैं. नालों पर दुकान मकान है। झुग्गियों में वोट के मुकाम है। जरा सी बारिश में शहर लावारिस हो गया है लेकिन सेंट्रल विस्टा की ख्वाहिश और मेट्रोपॉलिटन के सपने की बारिश बन गया सरकारों का काम है। स्मार्ट सिटी की बातें क्या तकलीफों की रातें बन जाएंगी? हर बारिश सपने धुल जाते हैं फिर भी इसकी सौदागरी रुकती नहीं है। प्रशासनिक अक्षमता का 90 डिग्री ओवर ब्रिज जैसी प्लानिंग शहर के चप्पे चप्पे पर देखी जा सकती है। सुधार की उम्मीदें टूटती जा रही हैं।

भोपाल की सड़कों पर गड्ढे राष्ट्रीय आकर्षण बने हुए हैं। मध्य प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री गड्ढों को सड़कों की क्वालिटी में खराबी नहीं मानते बल्कि वह तो ऐसा कहते हैं कि जब तक सड़कें हैं, तब तक गड्ढे रहेंगे। साल छ- महीने के भीतर बनी सड़कों में जब गड्ढे हो जाते हैं तो यह सड़क पर करप्शन की परतें उजागर करते हैं। कोई साल नहीं जाता जब बारिश के बाद सड़कों के यही हाल नहीं होते हो। सड़क, बिजली, पानी किसी भी सरकार का बुनियादी दायित्व होता है लेकिन शहरों में इसी का रोना रहता है। बातें स्मार्ट सिटी की होती हैं। उसके लिए बड़ी मात्रा में जनधन भी खर्च किया जाता है। सपना भी दिखाया जाता है, लेकिन जमीन पर कोई बदलाव दिखाई नहीं पड़ता है।

जब से भोपाल राजधानी बनी है तब से अतिक्रमण हटाने की बातें की जाती है। झुग्गी मुक्त,,आवास युक्त योजना पर करोड़ों रुपए खर्च भी किए गए लेकिन अतिक्रमण घटने के बदले बढ़ते चले गए। मजबूरी के कारण बनने वाली झुग्गियां अब तो व्यवसाय का मॉडल बन गई। झुग्गियां बनाकर गरीबों को बेची जाती है। शहरी नदियां और नाले गटर में बदल गए हैं। कहीं भी जगह दिखी कि, उन पर कब्जा हो जाता है। कई मामले तो ऐसे भी दिखते हैं, जहां सरकारों ने बाकायदा निर्णय कर निर्माण कराए हैं। शहरीकरण मजबूरी बन गया है। रोजगार के लिए पलायन होता है। सबको आवास कल्याणकारी सरकारों का दायित्व है। लेकिन कागजों और बातों में तो बड़े वायदे किए जाते हैं लेकिन जमीन पर सब नदारद होता है। राजधानी भोपाल का दुर्भाग्य देखिए कि, अभी तक वहां का मास्टर प्लान नहीं बना है। सीवेज नेटवर्क और ड्रेनेज सिस्टम की एक बारिश में ही सांसे फूल जाती हैं। प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। पेड़ काटे जा रहे हैं। कंक्रीट के जंगल खड़े किये जा रहे हैं। ट्रैफिक मैनेजमेंट अनमेनेजेड है। शहरी परिवहन की व्यवस्था लगभग नगण्य है। बिना मास्टर प्लान के रियल स्टेट जो भी विकास कर रहा है, उसमें मिडिल क्लास रहने को मजबूर है। कई बार तो उसे बुनियादी सुविधाएं भी नहीं मिलती। जब मुख्य सड़कों की हालत यह है, तो फिर कॉलोनियों में आने जाने की सड़कों की तो कोई बात ही नहीं है। भीड़ बढ़ती जा रही है लेकिन सियासत इसे ही अपना जरिया बना लेती है। वोट की खातिर शहर को बदसूरत बनाया जाता है। कोई भी सरकार हो या मुख्यमंत्री हो उसे भविष्य का सपना तो दिखाना ही पड़ता है। वर्तमान की कमियों को सुधारना आसान नहीं होता। इसलिए भविष्य के सपने में भरमाए रखना, सियासी नीति हो जाती है। मंत्रालय के पास प्रशासनिक भवन के लिए सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट की घोषणा की गई है। जब घोषणा की गई है तो बनेगा भी लेकिन इससे राजधानी में कोई बुनियादी बदलाव आने की क्या कोई संभावना है? कंस्ट्रक्शन का बाय-प्रोडक्ट करप्शन बन गया है। कोई भी कंस्ट्रक्शन करप्शन के बिना केवल फिल्मों में सोचा जा सकता है। मध्य प्रदेश सरकार विधानसभा के इसी सत्र में मेट्रोपॉलिटन एक्ट लाने की बात कर रही है। इसके लिए मध्य प्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव में विचार विमर्श का दावा किया जा रहा है। शहरी विकास के नए अध्याय की इसे शुरुआत बताया जा रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री अखबारी विज्ञापन में दावा कर रहे हैं कि, मध्य प्रदेश के शहरों में इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित हो रहा है। इससे बढ़ती नगरीय जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति होगी। समृद्ध और विकसित शहर प्रदेश के समावेशी विकास की आधारशिला बनेंगे।

सरकारी भाषा में नए अध्याय की शुरुआत और आधारशिला जैसे शब्द अपने अर्थ खो चुके हैं। हर सरकार इन्हीं शब्दों का उपयोग करती है। सरकार एक सतत प्रक्रिया है लेकिन पुरानी गलतियों या नीतियों पर बिल्कुल बात नहीं की जाती। बात नए अध्याय से शुरू होती है। जैसे ही सरकार में बदलाव आता है, वैसे ही यह अध्याय अपने आप समाप्त हो जाता है। यह प्रवृत्ति विकास की दिशा को ही भटका देती है। आज मेट्रोपॉलिटन रीजन का सपना बेचा जा रहा है। यह सपना बिना मास्टर प्लान के कैसे पूरा होगा? यह कोई नहीं बताना चाहता। मास्टर प्लान क्यों रुका हुआ है? दशकों से बिना मास्टर प्लान राजधानी कैसे विकसित हो रही है? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? इस पर ना कोई सवाल है और ना ही कोई जवाब है। जहां सरकारों की कोई भूमिका नहीं होती, वहां भी विकास की एक स्वाभाविक गति होती है। परिवार बढ़ते हैं तो लोग नए घर भी बनाते हैं। नए रोजगार भी तलाशते हैं। और उनको पाने में किसी सरकार का कोई रोल नहीं होता। फिर भी विकास का यह स्वभाविक क्रम चलता रहता है। मेट्रोपॉलिटन रीजन बनाने में कोई बुराई नहीं है लेकिन नए-नए सपनों से ही कुछ नहीं होगा। जो खामियां हैं, जो कमियां हैं उनको कब और कैसे दूर किया जाएगा? अब तो ऐसा लगने लगा है कि, बड़े शहर प्रकृति और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने लगे हैं। मेट्रोपॉलिटन रीजन का एक्ट पास भी हो जाएगा तो उसके लिए जो भी काम होगा, उसमें जनधन की आवश्यकता होगी।

जब वर्तमान में ही शहरों में इंफ्रास्ट्रक्चर की जरुरत पूरी करना मुश्किल हो रहा है, तो फिर नए एरिया में इनके विकास के लिए धन कहां से लाया जाएगा? विकास में निरंतरता का अभाव है। सामूहिकता से ज्यादा व्यक्तिवादी सोच और सपना विकास प्रक्रिया पर हावी दिखाई पड़ता है। पुराना बचाइए और साथ ही नया बनाइये। जब बुनियाद ही कमजोर होगी तो फिर नया भी इसी बुनियाद पर खड़ा होगा। फिर भविष्य में नई शुरुआत का सपना दिखाया जाएगा। जिम्मेदारी और जवाबदेही तय हो। अच्छे काम को पुरुस्कृत किया जाए और गलती के लिए दंड मिले, तभी वर्तमान चमकेगा। इसी चमक से भविष्य की चमक बढ़ेगी। केवल सपने से परिणाम नहीं मिल पाएंगे।

जनसमस्या....

कचरे से भी भर सकती है नगर पालिका गड्ढा

चौरई। सिवनी रोड पर चौरई में बाईपास रोड पर होटल के किनारे गड्डा है, यहां से पेंच पार्क के लिए रोड जाती है, वहां पर भुट्टे वाले भी बैठते है। गड्ढा गहरा है, वहां पर दुर्घटना की सम्भावनायें है, नगर पालिका कचरे से ही गड्डा भर सकती है, सीएमओ एवं नगर वासियों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया, इस गड्ढे को भरा जाना चाहिये। सीएमओ अभय राजसिंह को मोबाइल लगाया तो उन्होने अपनी आदत के अनुसार फोन नहीं उठाया।

आम आदमी पार्टी की बैठक हुई

छिंदवाड़ा। आम आदमी पार्टी के जिला छिंदवाड़ा प्रभारी रघुवीर सिंह सनोडीया की उपस्थिति में यह घोषणा की गई है कि छिंदवाड़ा जिले में जिले के सभी विधानसभा और पंचायत में संगठन निर्माण करेगी और आम आदमी पार्टी छिंदवाड़ा जिला इकाई पंचायत चुनाव, जनपद पंचायत चुनाव, जिला पंचायत चुनाव, नगर निगम चुनाव, नगर पालिका चुनाव, नगर पंचायत चुनाव, विधानसभा चुनाव व लोकसभा चुनाव पूरी स्वतंत्रता के साथ लड़ेगी जिसमें अभी से चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की घोषणा की जा रही है यह घोषणा अरुण चौरेजी अध्यक्षता में की गई है जिसमें शिक्षा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष सूरज मौर्य, जिला प्रवक्ता सतीश राजपूत, रफीक खान, यूथ जिला अध्यक्ष दीपक बंदेवार, राहुल चांदपुरिया, हरिप्रसाद बेलवंशी, विजय मौर्य उपस्थित रहे।

सीटू यूनियन में एचएमएस और अन्य संगठनों को छोड़कर शामिल हुए कई सदस्य

परासिया। पेंच क्षेत्र की नेहरिया भूमिगत खान में कार्यरत मजदूर साथियों ने एक साथ मिलकर लाल झंडा कोल माइंस मजदूर यूनियन (सीटू)की कार्यविधि और रीति नीति से प्रभावित होकर सीटू यूनियन के पेंच क्षेत्र परासिया कार्यालय में दिन रविवार को दोपहर एक बजे पहुंचकर वेकोलि केंद्रीय पदाधिकारी तथा पेंच कन्हान महासचिव मीर हसन, उपाध्यक्ष संतोष साहू, शंकरलाल,वरीष्ठ सचिव मार्कण्डेय मिश्रा, सचिव अशोक भारती,बक्कसीस अली, रामविलास यादव, कपिलदेव की उपस्थिति में फिरोज खान सचिव नेहरिया के मार्गदर्शन और सहयोग से दस-बारह कामगारों ने साथ एकत्रित होकर एचएमएस छोड़कर जितेन्द्र कुमार,भोला कठैते, किशोर पंडोले, सहित अन्य संगठनों से कमल किशोर वर्मा,अरूण चौहान, आज्ञाराम यादव, मणिकांत जयसवाल, कन्हैया उईके, राजेश नाविक और कई अन्य सदस्यों ने एकसाथ सीटू यूनियन में शामिल हुए, सभी का फूल-मालाओं से स्वागत अभिनन्दन के साथ सीटू यूनियन का प्रतीक स्कार्फ ओढ़ाकर महासचिव और सभी केंद्रीय पदाधिकारियों ने स्वागत किया तथा सभी ने सीटू से जुड़ने पर बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित किया। जिससे लाल झंडा सीटू यूनियन काफी मजबूत और शक्तिशाली होगी। पेंच कन्हान क्षेत्र में मजदूर आंदोलन और संघर्ष में सहयोग मिलेगा।

64 लीटर अवैध कच्ची शराब जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

अमरवाड़ा। पुलिस अधीक्षक छिन्दवाड़ा अजय पाण्डेय, वअतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता के निर्देशन में छिंदवाड़ा जिले में अवैध शराब / मादक पदार्थ की तस्करी, विक्रय व अवैध शराब का भंडारण करने वालो के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने का जिले में विशेष अभियान निरन्तर जारी है जिसके अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अमरवाडा रवीन्द्र मिश्रा के नेतृत्व में थाना प्रभारी अमरवाड़ा द्वारा मुखबिर तंत्र सक्रिय कर तत्काल सूचना पर ग्राम चिखलीमुकाशा स्कूल तिराहा के पास आरोपी 1.रामक्रेश पिता रामशंकर विश्वकर्मा उम्र 35 साल निवासी ग्राम चिखलीमुकाशा थाना अमरवाड़ा को थाना अमरवाड़ा पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर अवैध शराब कब्जे से पकड़ा गया जिसके कब्जे से चार नग प्लास्टिक की केन मे भरी 64 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती 6400 रू की जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

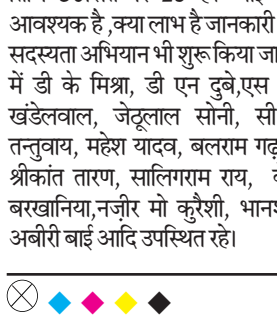

गिरफ्तारआरोपी-1.रामक्रेश पिता रामशंकर विश्वकर्मा उम्र 35 साल निवासी ग्राम चिखलीमुकाशा थाना अमरवाड़ा जप्त मशरूका- 01.64 लीटर कच्ची महुआ शराब कुल मात्रा 64 लीटर कीमती 6400रूपये।

पेंशनर्स समाज की मासिक बैठक हुई

परासिया। अनूप राय की अध्यक्षता में मासिक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पौधरोपण वर्ष 2025 पर चर्चा हुई। सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि पेंशनर्स समाज परासिया 100 पौधों का रोपण करेगा। पौधारोपण की शुरुआत हनुमान मंदिर उमरेठ से होगी। इंकम टेक्स रिटर्न के संबंध में चर्चा की गई। आइ टी आर भरने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। आइ टी आर भरने की अंतिम तिथि 30सितम्बर 25 है। आइ टी आर भरना क्यों आवश्यक है ,क्या लाभ है जानकारी दी गई। माह जुलाई से सदस्यता अभियान भी शुरू किया जावेगा। आज की बैठक में डी के मिश्रा, डी एन दुबे,एस एल पाटकर, डी पी खंडेलवाल, जेठूलाल सोनी, सी एस शर्मा, दिनेश तन्तुवाय, महेश यादव, बलराम गढ़वाल,घन्सराम कुमरे, श्रीकांत तारण, सालिगराम राय, के पी कश्यप, ए के बरखानिया,नज़ीर मो कुरैशी, भानशा भलावी, रामबाई, अबीरी बाई आदि उपस्थित रहे।

पर्यटन की नई उड़ान भरने को तैयार तामिया

कलेक्टर एवं सीईओ के साथ भोपाल से पहुंची टीम ने बनाई विस्तृत कार्ययोजना

छिन्दवाड़ा। जिले के प्रमुख पर्यटन क्षेत्र तामिया को पर्यटन के क्षेत्र में नया स्वरूप देने और अधिकाधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से आज एक महत्वपूर्ण कार्ययोजना बनाई गई। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह की पहल पर भोपाल से आई पर्यटन विभाग की टीम ने तामिया का दौरा किया। टीम में एग्जीक्यूटिव इंजीनियर सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी शामिल थे। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री अग्रिम कुमार भी उपस्थित रहे।

तामिया रेस्ट हाउस परिसर होगा संपूर्ण रूप से विकसित

इस कार्ययोजना के अंतर्गत तामिया रेस्ट हाउस परिसर को होलिस्टिक रूप से विकसित करने की योजना तैयार की गई है। यहाँ पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी और इसे एक आकर्षक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही पुराने इंटरप्रिटेशन सेंटर को भी नया स्वरूप देकर आधुनिक पर्यटन गतिविधियों से जोड़ा जाएगा।

इंटरप्रिटेशन सेंटर बनेगा आकर्षण का केंद्र

तामिया स्थित पुराने पर्यटन इंटरप्रिटेशन सेंटर को आधुनिक रूप में विकसित करने की रूपरेखा तैयार की गई है। इसे नया आकार देकर दीदी कैफे, रेस्टोरेंट, चिल्ड्रन एक्टिविटी जोन जैसी सुविधाएँ जोड़ी जाएंगी। साथ ही छत पर एस्ट्रोनॉमी हब और प्लैनेटेरियम की स्थापना की योजना भी बनाई गई है।

लोक कला और इतिहास को मिलेगा मंच

इंटरप्रिटेशन सेंटर में ओपन एयर थिएटर विकसित किया जाएगा, जहाँ स्थानीय लोकनृत्य, आदिवासी प्रदर्शन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके अलावा लेजर लाइट शो के माध्यम से तामिया और छिंदवाड़ा की ऐतिहासिक गाथा को दिखाया जाएगा।

महिलाओं को मिलेगा रोजगार

इस पहल से स्थानीय ट्राइबल स्वसहायता समूहों की महिलाओं को कैफे संचालन, हस्तशिल्प बिक्री और अन्य गतिविधियों में रोजगार मिलेगा, जिससे ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा मिलेगा।जल्द ही इस कार्ययोजना पर कार्य शुरू किया जाएगा, जिससे तामिया को एक समग्र पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सके और पर्यटकों को एक नया अनुभव मिल सके। इस पूरी योजना का उद्देश्य तामिया को एक समग्र पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना है, जिससे अधिक से अधिक पर्यटक यहाँ रुकें, आनंद लें और छिंदवाड़ा को पर्यटन के नक्शे पर एक नई पहचान मिले।

एक ही रात्रि में 145 वारंटियों को गिरफ्तार किया

अपराधियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने चलाया कॉम्बिंग आपरेशन

छिंदवाड़ा। प्रदेश स्तरीय रात्रि काम्बिंग गश्त के संबंध में पुलिस मुख्यालय भोपाल (म.प्र.) द्वारा दिये गये निर्देशानुसार जिले में अवैध गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियो की निरंतर... धरपकड़ व अवैध कार्यो में संलिप्त व्यक्तियों / अपराधियों तथा अपराधों पर अंकुश लगाने व जिले में कानून व्यवस्था बनाये रखने व आदतन अपराधियों पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक छिंदवाड़ा अजय पांडे एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता के द्वारा विशेष ऑपरेशन चलाकर निरंतर कार्यवाही करने के निर्देश पर छिंदवाड़ा में दिनांक 12-13 जुलाई को रात्रि में शहर व देहात के थाना क्षेत्रो पर कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान कॉम्बिंग गस्त अनुभागवार पुलिस बल को अलगङ्कअलग स्थानो पर एकत्रित किया जाकर राजपत्रित अधिकारियों द्वारा पुलिस बल को ब्रीफ किया गया उसके बाद अलग-अलग क्षेत्रो में कॉम्बिंग गस्त के लिये रवाना किया गया । पुलिस टीम द्वारा स्थायी/गिरफ्तारी वारंटियो की धरपकड़ हेतु प्रत्येक थाने में अलग-अलग पुलिस टीम तैयार कर वारंटियो की गिरफ्तारी हेतु मुखबिर तंत्र सक्रिय कर तकनीकी शाखा (सायबर सेल) के सहयोग एवं नाकाबंदी/दबिश देकर एक ही रात्रि में औचक नाईट काम्बिंग ऑपरेशन चलाकर 40 स्थायी व 105 गिरफ्तारी, इस प्रकार कुल 145 वारंटियो को दबिश/घेराबंदी/नाकाबंदी कर गिरफ्तार किया गया, सभी गिरफ्तारशुदा वारंटियों को मान. न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता हैं।जिलें में सर्वाधिक वारंट की तामीली के क्रम में निरीक्षक खेलचंद पटले के नेतृत्व में थाना मोहखेड द्वारा कांबिग गस्त के दौरान लगातार टीम गठित कर सर्वाधिक वारंट तामील किया गया, जिसमें 05 स्थायी व 08 गिरफ्तारी, कुल 13 वारंटियों* को गिरफ्तार किया गया! अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अमरवाडा रविन्द्र मिश्रा के नेतृत्व में थाना अमरवाड़ा द्वारा गठित टीम ने 04 स्थायी व 08 गिरफ्तारी, कुल 12 वारंटियो को गिरफ्तार किया गया तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) जुन्नारदेव श्रीमति प्रियंका पाण्डे के नेतृत्व में *थाना दमुआ द्वारा गठित टीम ने 04 स्थायी व 03 गिरफ्तारी, कुल 07 वारंटियो* को गिरफ्तार किया गया तथा पुलिस अधीक्षक द्वारा सर्वाधिक वारंट तामीली एवं स्थायी वारंट तामील करने वाली पुलिस टीम को पुरुष्कृत करने की घोषणा की गई हैं।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष रफीक कश्मीरी बने

छिन्दवाड़ा। एन.सी.पी. जिला कार्यसमिति और जिले के विभिन्न प्रकोष्ठों तथा पदाधिकारी कार्यकर्ताओं की बैठक में संगठन की एकजुटता और आम सहमति से एनसीपी के उपाध्यक्ष रफीक कश्मीरी को जिला अध्यक्ष पद के लिये चयनित किया गया है एवं प्रदेश अध्यक्ष को अध्यक्ष पद के लिये पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं द्वारा प्रस्ताव प्रेषित किया है। उक्त तदाशय पर जानकारी देते हुये एन.सी.पी.नेता सुनील चैरसिया ने बताया कि एन.सी.पी. विधि प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सचिव संदीप तिवारी को अवगत कराते हुये जिले एवं प्रदेश में पार्टी संगठन की मजबूती के लिये जन जागरण अभियान और पार्टी की विचारधारा से आम नागरिक को जोड़ने हेतु मूलभूत मौलिक अधिकारों के लिये कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है। एन.सी.पी. द्वारा आगामी सप्ताह में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत पवार के जन्मदिन समारोह में विधिवत कार्यो की घोषणा और शुभारंभ करने एन.सी.पी. विधि प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सचिव संदीप तिवारी के द्वारा किया जायेगा साथ ही एन.सी.पी के प्रदेश उपाध्यक्ष अजय मिश्रा, जफर हुसैन, आनंद तिवारी, जबलपुर संभाग एन.सी.पी. नेता नर्मदा प्रसाद विश्वकर्मा, राजेश जैसवाल, सिवनी, बालाघाट, सतना जिलों के वरिष्ठ पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। साथ ही एन.सी.पी. का प्रतिनिधि मंडल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव एवं मुख्य सचिव म.प्र.शासन से भेंट करके उन्हें जनहित और प्रदेश की समस्याओं पर मांग पत्र सौंपा जायेगा।

एनसीसी के समाज कल्याण कार्यो से लोगों मे आई जागरूकता:सांसद

वीर सपूत बहादुर मेजर अमित ठेंगे के शहीदी दिवस मनाया

छिन्दवाड़ा। विगत कुछ वर्षो से एन.सी.सी. के समाज कल्याण के कार्यो में विशेष बढावा मिला है, जिससे हमारे प्रांत की जनता में जागरूकता एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी का इजाफा हुआ है। साथ ही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ यहाँ प्रदेश की जनता को मिला है। मेरी बेटी भी इस वर्ष से एन.सी.सी. कैडेट है, और जब मुझे पता चला कि मेरे प्रांत में समाज कल्याण एवं सामुदायिक विकास का यह वृहद् आयोजन किया जा रहा है, तो मैंने अत्यंत हर्ष का अनुभव किया। इस कार्यक्रम के दौरान 24 म.प्र. बटालियन की उपलब्धियों उनके अथक प्रयास का ही परिणाम है। यह बात सांसद बंटी विवेक साहू ने एफडीडीआई में आयोजित हुये 24 एमपी एनसीसी बटालियन द्वारा वीर सपूत बहादुर मेजर अमित ठेंगे के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य के कार्यक्रम में कही। एमपी एवं सीजी एनसीसी निदेशालय के द्वारा पर्यावरण जागरूकता अभियान को बहादुर मेजर अमित ठेंगे की याद में अग्निवीर, ग्रीन सिटी सोशल सर्विस का आयोजन किया गया। जिसमें सांसद विवेक बंटी साहू विशिष्ट अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में शामिल हुये। इस महा आयोजन में जनकल्याण के लिये स्वास्थ्य कैम्प, शहरी सौदर्यकरण के लिये चौराहों को गोद लेकर उनकी सफाई व रख-रखाव और प्रकृति की संरक्षण के लिये 2.5 लाख पेड़ लगाकर इन्होंने अभूतपूर्व योगदान दिया है और भविष्य के लिये प्रोत्साहित किया है। बटालियन के तत्वाधान में गाँवो में स्वास्थ्य शिविर द्वारा कई ग्रामवासियों का स्वास्थ्य लाभ मिला है। साथ ही पुस्तक व लेखन सामग्री वितरण से ग्रामीण अंचल में बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूकता व प्रोत्साहन मिला है। अग्निवीर योजना के कियान्वयन, उसकी सूचना व यहाँ के युवाओं को चयन प्रक्रिया से अवगत करा कर उन्हें तैयार कर इस 24 बटालियन ने युवा रोजगार के क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। प्रशिक्षकों के प्रयासों से 33 एन.सी.सी. कैडेटस् अग्निवीर में चयनित होकर देश सेवा कर रहे है। सांसद ने कहा कि आज यहाँ इस रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेकर मैंने अपने प्रांत के एन.सी.सी. कैडेटस् का जोश और कला के प्रति रुझान को जाना है। मैं सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को बधाई देता हूँ और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ। अंत में मैं ब्रिगेडियर रितेश बहल व 24 म.प्र. बटालियन के अंतर्गत आनेवाले समस्त एन.सी.सी. पदाधिकारियों व कैडेट्स को धन्यवाद देता हूँ।

अंधे हत्याकांड का किया खुलासा आरोपी को किया गिरफ्तार

जादू टोना करने संदेह के लेकर राजेंद्र इनवाती की हुई हत्या

छिंदवाड़ा। रात्रि में मृतक राजेन्द्र इनवाती पिता मनी इनवाती उम्र-38 साल निवासी ग्राम धतुरिया थाना अमरवाड़ा का शव संदिग्ध हालत में ग्राम घतुरिया के पास रोड पर मिला था जिसके गले में गमछा बंधा था एँव चोट के निशान दिखाई दे रहे थे मृतक की पत्नी-संतवती पति राजेन्द्र इनवाती उम्र-35 साल निवासी ग्राम धतुरिया कि मर्ग सदर कायम कर मृतक के शव की पंचायतनामा कार्यवाही की गई। मृतक के सिर,पसली,मुह में चोटे होने से हत्या कि आशंका होने पर छिंदवाड़ा से एफ.एस.एल. टीम तथा डॉग स्काट मौके पर बुलवाई गई। मृतक राजेन्द्र इनवाती का शव संदिग्ध अवस्था में पाये जाने से एंव डॉ द्वारा सार्ट पीएम रिपोर्ट में सिर में आई गंभीर चोट से मृत्यु होना लेख करने पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 575/2025 धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता 2023 का कायम किया जाकर अज्ञात आरोपी की तलाश पतासाजी प्रारंभ की गई। पुलिस अधीक्षक अजय पांडेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता द्वारा मृतक की मृत्यु के सबंध में सघन जांच कर उक्त अंधे हत्याकांड का खुलासा करने के लिये निर्देशित किया गया।

विवेचना के दौरान की गई कार्यवाही

प्राप्त निर्देशों के पालन में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अमरवाडा रवीन्द्र मिश्रा के नेतृत्व में टीम गठित की गई तथा मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया जाकर लगातार साक्ष्य एकत्रित किये गये। विवेचना दौरान अंधे हत्याकांड के सबंध में सूक्ष्मता से कार्यवाही कर घटना की कड़ी से कड़ी जोड़कर साक्ष्य एकत्रित किये गये। थाना अमरवाड़ा की पुलिस टीम ने विवेचना पर पाया कि मृतक को अंतिम बार गाँव के अजब तेकाम उर्फ बब्बा पिता मंसू टेकाम निवासी ग्राम घतुरिया के साथ देखा गया था तब संदेही को ग्राम सालीवाड़ा से हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर पाया गया कि मृतक राजेन्द्र इनवाती आरोपी को आये दिन शराब पीकर तू गुनिया है एंव जादू टोना करता है कहकर गाली गलौच करता था घटना दिनाँक को भी मृतक आरोपी को मिला और बोलने लगा कि क्यो रे गुनिया कहकर गाली गलोच करने लगा मृतक के आये दिन गुनिया जादू टोना करने बाला कहने से परेसान होकर आरोपी अजब ने उसके गले में बंधे गमछा को पकडकर रोड में गिरा लिया और बही पडे पत्थर से उसके सिर में मारा एंव लात धूसो से सीने में मारा जिससे मृतक की मृत्यु हो गई।

नगर पालिका की जर्जर बिल्डिंग दे रही बड़े हादसे को दावत

अगर भवन गिरा तो हो सकता है जान माल का नुकसान

बैरसिया। शहर में मुख्य बस स्टैंड चौराहे पर नगर पालिका की पुरानी बिल्डिंग इस जर्जर हालत में पहुंच चुकी है यह कभी भी बड़े हादसे को ला सकती है इसके चारों तरफ लोगों ने अपना अतिक्रमण कर रखा है साथ ही इसके अंदर चलने वाली दुकान भी खुली हुई है इसके अंदर यात्री अपनी बसों का इंतजार करते हैं पिछले साल भी इसके अंदर एक बड़े छत के टुकड़े से कुछ लोग घायल हो गए थे इसके बाद आनन फानन में भवन को बंद कर दिया गया परंतु कुछ दिन बाद सभी लोगों ने अपनी दुकान खोल ली परंतु फिर भी अधिकारियों को देखकर तो यही लगता है कि शायद वह किसी बड़े हादसें के इंतजार में है

पुराने भवन इस जर्जर हालत में पहुंच चुका है कि वह स्वयं ही इसके गिरने का इंतजार कर रहा हैं इसके चारों तरफ की बिल्डिंग के सरिया जंग लगकर स? चुके हैं बिल्डिंग में कहीं कहीं बड़ी-बड़ी दरारें भी पड़ चुकी है इसमें जगह

जगह पेड़ों ने अपनी जगह बना ली है कहीं कहीं तो छत के बड़े-बड़े टुकड़े गिरने के इंतजार में है फिर भी इसके अंदर यात्री लोग बैठकर अपनी बसों का इंतजार करते हैं ऐसे में इस बिल्डिंग को देखकर तो यही लगता है कि यह मानसून की बारिश को शायद ही झेल पाए यह इतनी जर्जर हालत में पहुंच गई है कि अगर हादसा हुआ तो न जाने कितने लोगों को यह अपने साथ ले डूबेगी परंतु अधिकारियों को इस जर्जर होती बिल्डिंग शायद ही दिखती हो

नगर पालिका ने कुछ समय पूर्व मैं नोटिस की खानापूर्ति कर भवन पर ताला लगा दिया परंतु यह दुकान अभी भी लगातार खुल रही है ऐसे में अगर कोई हादसा होता है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा बिल्डिंग की हालत इतनी जर्जर हो चुकी है इसके आजू-बाजू से गुजरने वाले लोग कभी भी बड़े हादसे का शिकार हो सकते हैं यह तो समय ही बताएगा की नगर पालिका द्वारा इस जर्जर होती बिल्डिंग को बड़े हादसे होने से पहले तोड़ती है या नहीं

या फिर किसी ब? जान माल के नुकसान होने इंतजार करेगी

श्रावण मास में शिवभक्ति का अनूठा आयोजन

आष्टा। श्रावण मास के पावन अवसर पर नगर आष्टा में शिवभक्ति का अद्भुत आयोजन माखनलाल, दिनेश कुमार एवं धर्मेन्द्र सोनी परिवार द्वारा किया जा रहा है। निज निवास, ओमशांति मार्ग, ब्लैक भवन रोड पर चल रहे पार्थेश्वर शिवलिंग निर्माण, पूजन, महाअभिषेक एवं श्री शिव कथा के इस पांच दिवसीय कार्यक्रम का सफल संचालन पं. अशोककुमार शर्मा आचार्य के सानिध्य में हो रहा है।आयोजन के तीसरे दिवस में श्रद्धालुजनों को शिव-पार्वती विवाह प्रसंग का सुंदर, भावविभोर कर देने वाला श्रवण कराया गया, जिसमें भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन की पौराणिक कथा को रोचक शैली में प्रस्तुत किया गया।आज की कथा में पंडित अशोक शर्मा आचार्य ने बताया कि भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह सनातन धर्म की सबसे पवित्र और रोचक कथाओं में से एक है। यह कथा शिव पुराण, स्कंद पुराण व रामचरितमानस आदि ग्रंथों में वर्णित है। इस अवसर पर मोहित भाग्यश्री सोनी, राज रुपाली सोनी, अभिजीत पायल सोनी, नंदिनी सोनी, श्रुति सोनी, रुद्र सोनी, मिराँश सोनी, दिशा सोनी सहित भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश सुराणा, होटल व्यापारी संघ मेन अध्यक्ष सौरभ शीतल, विधायक प्रतिनिधि उत्थान धरवा, मंडल अध्यक्ष अंजनी विशाल चौरसिया,रवि शर्मा,रूपेश राठौर सहित शिव भक्त मौजूद थे।

खाद्य एवं औषधि विभाग आखिर क्यों खेल रही मौत का खेल

सीएमएचओ ने ड्रग इंस्पेक्टर को जानकारी देने हेतु आदेशित किया

मंडला। जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था की डामाडोल स्थिति किसी से छिपी नहीं है इस व्यवस्था को चरपट करने में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की लापरवाही तथा उपसंचालक खाद्य एवं औषधि विभाग का है, जिनके द्वारा जिले में अपनी तिजोरियां भरने तथा भ्रष्टाचारी और लापरवाहियों के चलते आधे से अधिक गैर-पंजीकृत दवाई दुकान खुलेआम शासकीय नियमावली की धज्जियां उड़ाते हुए लोगों की जिंदगी से खेल रहे है नतीजा बगैर किसी चिकित्सकों की सहमति के नशे एवं ऐलोपैथिक की घटिया कम्पनी,कापी कम्पनी एवं नकली दवाइयां जिले में खुलेआम एक-दूसरे से बढ़कर परसेंट की छूट के नाम पर दवाइयों के नाम अपनी मनमर्जी से जहर दे रहे हैं, वहीं जिम्मेदारों द्वारा अपनी हिस्सेदारी और बंटवारे को लेकर मामले को फील्ड तथा निरीक्षण का हवाला देकर फर्जी दवा विक्रेताओं को संरक्षण दिया जा रहा है।

गैर-पंजीकृत तथा फर्जी दवा दुकानों को किया जा रहा नजर अंदाज

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा उपसंचालक खाद्य एवं औषधि विभाग अधिकारी द्वारा खुलेआम अपने निजी स्वार्थ को लेकर खुलेआम जिले में चल रहे फर्जी एवं गैर-पंजीकृत दवा दुकानों को नजरंदाज किया जा रहा है, नतीजा उक्त दवा विक्रेताओं द्वारा स्वास्थ्य एवं आमजन की जिंदगी को कॉम्पिटिशन बना लिया गया है जिसके चलते लोगों को दवा विक्रेताओं द्वारा ब्रांडेड दवाईयों की कॉपी कर कापीराइट तथा नकली दवाइयां परसेंट वेसेस पर दे दिया जाता है,जो आमजन की बिमारियों का इलाज नहीं बल्कि उन बिमारियों को दबाने का काम करती है, और इस तरह एक बार उक्त कॉपीराइट दवा का उपयोग करने के बाद वही आमजन मरीज उन नकली दवाओं के आदी हो जाते हैं।

इस जिले में चल रहे खुलेआम मौत के कारोबार को नजरंदाज कर जिम्मेदारों ने अपनी चुप्पी साधे हुए करोड़ों का भ्रष्टाचार कर रहे हैं। उक्त मामले की साक्ष्यांकित रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग के आला-अधिकारियों को सौंपा जा चुका है बावजूद इसके सीएमएचओ एवं खाद्य एवं औषधि विभाग अपनी लापरवाहियों से बाज नहीं आ रहे हैं तथा ड्रग इंस्पेक्टर और स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों द्वारा भ्रष्टाचार की चादर ओढ़कर जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था पर मौतनूमा खेल खेला जा रहा है।

जिम्मेदारों की लापरवाही के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं: जिले के सीएमएचओ डॉ.धारित्री जे.मोहंती को विभाग के नुमाइंदों द्वारा की जा रही लापरवाही-भ्रष्टाचारी को लेकर वर्षो से चल रहे शिकवा-शिकायत एवं मीडिया प्रकाशन से अवगत कराया गया,परन्तु उनके कान में जूं तक नहीं रेंगी बावजूद इसके विभाग के आला-अधिकारियों तथा मौजूदा सरकार द्वारा सीएमएचओ के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही नतीजा सीएमएचओ द्वारा दोषियों को संरक्षण एवं लापरवाही तथा भ्रष्टाचारी को बढ़ावा दिया जा रहा है और हर्जाना जिले की मासूम जनता को चुकानी पड़ रही है।

जिले के सीएमएचओ डॉ.मोहंती द्वारा दोषियों को संरक्षण एवं भ्रष्टाचार में हिस्सेदारी को लेकर : वैधानिक कार्यवाही हेतु अनेकों दफा पत्राचार किया गया,परन्तु उक्त भ्रष्टाचारीयों के खिलाफ आज दिनांक तक कोई कार्रवाई नहीं किया गया नतीजा दोषियों के होंसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि आज खुलेआम गैर-पंजीकृत दवा विक्रेताओं एवं गैर-चिकित्सकों द्वारा जेनरिक,नकली,साल्ट नेम की दवाओं को कापीराइट फार्मूले पर प्रिन्ट दाम पर तथा एलौपैथिक एवं प्रोपागंडा कम्पनियों के नाम पर उक्त कापीराइट फार्मूले की दवाओं को बेचकर ज्यादा मुनाफा कमाया जाता है जिसमें अपनी हिस्सेदारी और कमीशन बटोरकर गैर-पंजीकृत दवा विक्रेताओं तथा चिकित्सकों के साथ मिलकर स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों द्वारा लोगों की जिंदगी के साथ मौतनुमा खेल खेला जा रहा है।

इनका कहना है

-मैने ड्रग इंस्पेक्टर को जानकारी प्रदाय करने के लिए आदेशित कर दिया है बहुत जल्द आपको जिले की पंजीकृत दवा दुकानों की सूची प्राप्त हो जाएगी।

डॉ.धारित्री जे.मोहंती
सीएमएचओ मंडला।

-मै फील्ड एवं निरिक्षण कार्य में व्यस्त हुं, जानकारी कलेक्ट की जा रही है, जल्द ही आपको दे दिया जाएगा।

वैष्णवी तलवाड़े
ड्रग इंस्पेक्टर मंडला।

मिनी ब्राजील पंहुचा हाथियों का दल, ग्रामीणों में दहशत

शहडोल। जिला मुख्यालय से सटे ग्राम विचारपुर जिसे अब मिनी ब्राजील के रूप मे जाना जाता है, यहाँ 4 हाथियों का एक झुंड रविवार त?के पंहुचा। हाथियों के दल ने गांव के कुछ घरों को नुकसान पहुंचने की भी कोशिश की है। हालांकि ग्रामीणों ने समय रहते झुड को सतर्कता पूर्वक दूर खदेड दिया जिससे ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। इसमें हाथियों के झुंड ने कुछ किसानों के बरसात के चलते लगी धान के रोपा को भी नुकसान किया है।हाथियों के गांव मे होने से ग्रामीणों मे भय का माहौल है। झुंड के गांव मे आने की जानकारी लगते ही मौके पर वन विभाग सहित जिला प्रशाशन एवं कोतवाली पुलिस ने मोर्चा सँभालते हुए ग्रामीणों को सतर्कता बरतने और हाथियों के झुंड को परेशान न करने की बात कही है। हाथियों से सुरक्षा सम्बंधित बातो की मुनादी वन विभाग द्वारा लगातार ग्रामीण इलाकों मे करवाई जा रही है। वही हाथियों से बचाव ले लिए वन विभाग सहित जिला प्रशासन ने वर्तमान स्थित को देखते हुए हाथियों के गांव से दूर जाने तक गांव मे मे खेले जाने वाला प्रमुख खेल फुटबॉल पर रोक लगवा दी है। इसे लेकर एसडीओ विनोद धाक ने बताया हाथियों का ये दल शाहपुर घुनघुटी के रास्ते विचारपुर गांव आ पंहुचा है जो अभी वर्तमान मे विचारपुर नर्सरी मे है।

सावन के पहले सोमवार पर शिवालयों में उमड़ी की भीड़, भोजपुर में भक्तों का लगा तांता

भोपाल। आज सावन के पहले सोमवार पर हर-हर महादेव के जयकारों से राजधानी भोपाल गूंजी। शहर के मंदिरों में पूजा अर्चना करने भक्त पहुंचे। भोपाल से 30 किलोमीटर दूर भोजपुर मंदिर में भक्तों की सुबह से ही भीड़ देखी गई। भोजपुर में विराजमान महादेव की एक अलग ही प्रसिद्धी है कहा जाता है पांडवों द्वारा इस मंदिर का निर्माण कराया गया था। वही मंदिर को लेकर एक कथा यह भी है कि एक ही रात्रि में इस मंदिर का निर्माण किया गया था। सावन के महीने में भोजपुर में भगवान महादेव के दर्शन करने के लिए दूर-दूर से भक्त आते हैं। काफी संख्या में भीड़ यहां भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने आती है तो वही आज सावन के पहले सोमवार को भोजपुर में सुबह 4 बजे से ही भक्तों का भोजपुर आना-जाना शुरू हो गया तो वहीं बम-बम के नारों से भोजपुर का शिवालय गूंज उठा लोग बेलपत्र और शिव पूजा में लगने वाली अनेक प्रकार की सामग्री लेकर भगवान भोलेनाथ को अर्पित करने भोजपुर पहुंचे।

सावन सोमवार पूजा का धार्मिक महत्व - भगवान शिव की पूजा खासतौर से सोमवार को की जाती है। मान्यता है कि वैवाहिक जीवन के लिए शिव जी की पूजा सोमवार को करने से परेशानियां दूर होती हैं। कुंवारी कन्याएं इस व्रत को विशेष श्रद्धा से करती हैं ताकि उन्हें मनचाहा वर प्राप्त हो। यह व्रत नकारात्मक ऊर्जा, रोग और दरिद्रता को दूर करने में सहायक माना जाता है।इसके अलावा स्वास्थ्य, संतान और आर्थिक समस्याएं भी दूर होती हैं। सावन के सोमवार को शिव जी की पूजा सर्वोत्तम होती है। इसमें मुख्य रूप से शिव लिंग की पूजा होती है और उस पर जल तथा बेल पत्र अर्पित किया जाता है।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से राजभवन में रविवार को विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने सौजन्य भेंट की।

हिन्दी लेखिका संघ मप्र के त्रिवार्षिक चुनाव में डॉ. साधना बनीं अध्यक्ष

भोपाल। हिन्दी लेखिका संघ की साधारण सभा एवं आगामी त्रिवार्षिक कार्यकाल हेतु चुनाव समारोह विश्व संवाद केंद्र में सम्पन्न हुआ। सर्वसम्मति से डॉ. साधना गंगराडे का हिन्दी लेखिका संघ के नव निर्वाचित अध्यक्ष के रूप में चुनाव हुआ । चुनाव प्रक्रिया को डॉ. राजश्री रावत एवं कुसुम श्रीवास्तव द्वारा सम्पन्न कराया गया। निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. कुमकुम गुप्ता ने स्वागत संबोधन में कार्यकाल की उपलब्धियों को रेखांकित किया और संघ के भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। कोषाध्यक्ष डॉ. विनीता राहुरीकर ने वर्ष भर का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया, जिसमें संघ की वित्तीय पारदर्शिता को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वर्षा चौबे द्वारा किया गया, जबकि आभार प्रदर्शन सह-सचिव सुनीता यादव ने किया। संघ की पूर्व अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्य सहित अन्य वरिष्ठ साहित्यिक हस्तियां भी उपस्थित रहीं। सभा में लेखिकाओं ने संगठन के सतत विकास एवं सृजनात्मक सहयोग के लिए प्रतिबद्धता जताई और नए अध्यक्ष के नेतृत्व में रचनात्मक दिशा की आशा व्यक्त की।

भोपाल में टैक्सी यूनियन की हड़ताल 500 टैक्सी बंद, ई-रिक्शा-ऑटो चालकों ने वसूला मनमाना किराया

भोपाल। राजधानी में टैक्सी यूनियन की हड़ताल का मिला-जुला असर देखने को मिल रहा है। यूनियन ने भले ही 2500 टैक्सियों के पहिए थमने का दावा किया था, लेकिन जमीनी हालात कुछ और है। माना जा रहा है कि 400 से 500 टैक्सियां ही हड़ताल में शामिल हुई हैं, जबकि बाकी टैक्सियां सड़कों पर नजर आ रही हैं या फिर एप आधारित सेवा में सक्रिय हैं।

जिन यात्रियों को टैक्सी नहीं मिली उन्होंने ई-रिक्शा और कुछेक खुले ऑटो का सहारा लिया, लेकिन इन चालकों ने मौके का फायदा उठाते हुए ज्यादा किराया वसूलना शुरू कर दिया है।

आंबेडकर मैदान में जुटे टैक्सी चालक- आंबेडकर जयंती पार्क में हड़ताल के समर्थन में टैक्सी चालकों और यूनियन पदाधिकारियों का जमावड़ा जारी है। दोपहर तक यहां 250 से 300 टैक्सियां खड़ी हो चुकी थीं। यूनियन पदाधिकारी मंच से सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं और मांगों को दोहराया जा रहे हैं। टैक्सियां बंद होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, खासतौर पर स्टेशन, एयरपोर्ट और बस स्टैंड पर। उन्हें साधन तो मिल रहा है, पर किराया अधिक देना पड़ रहा है। किराए में बढ़ोतरी को लेकर किसी तरह की प्रशासनिक निगरानी नजर नहीं आई।

टैक्सी यूनियन की प्रमुख मांगें- रेलवे स्टेशनों पर अवैध वसूली तत्काल बंद की जाए। एयरपोर्ट और अन्य पब्लिक पिकअप पॉइंट्स पर उचित पार्किंग सुविधा दी जाए। एयरपोर्ट पर प्राइवेट टैक्सियों का अतिक्रमण रोका जाए। अवैध प्राइवेट और टू-व्हीलर टैक्सी सेवाएं बंद की जाएं। निजी टैक्सी कंपनियों पर सरकारी दरें लागू हों। फिटनेस मशीनों में तकनीकी गड़बड़ियों को सुधारा जाए। पैनिक बटन के नाम पर अवैध वसूली बंद की जाए। यूनियन के लिए स्थायी कार्यालय की व्यवस्था की जाए।

12 ज्योतिर्लिंगों में सबसे ऊंचा सम्मान केदारनाथ मंदिर एक अनसुलझी पहेली

● केदारनाथ मंदिर का निर्माण किसने करवाया था। ● इसके बारे में बहुत कुछ कहा जाता है।

पांडवों से लेकर आदि शंकराचार्य तक आज का विज्ञान बताता है कि केदारनाथ मंदिर शायद 8 वीं शताब्दी में बना था ! यदि आप न भी कहते हैं तो भी यह मंदिर कम से कम 1200 वर्षों से अस्तित्व में हैं! केदारनाथ की भूमि 21वीं सदी में भी बहुत प्रतिकूल है ! एक तरफ 22,000 फीट ऊंची केदारनाथ पहाड़ी, दूसरी तरफ 21,600 फीट ऊंची कराचकुंड, तीसरी तरफ 22,700 फीट ऊंचा भरतकुंड हैं !

तीन पर्वतों से होकर बहने वाली पांच नदियां हैं

-मंदाकिनी
-मधुगंगा
-चिरगंगा
-सरस्वती
- स्वरंदरी

इनमें से कुछ इस पुराण में लिखे गए हैं, यह क्षेत्र मंदाकिनी नदी का एकमात्र जलसंग्रहण क्षेत्र है ! यह मंदिर एक कलाकृति है, कितना बड़ा असम्भव कार्य रहा होगा ऐसी जगह पर कलाकृति जैसा मन्दिर बनाना। जहां ठंड के दिन में भारी मात्रा में बर्फ हो और बरसात के मौसम में बहुत तेज गति से पानी बहता हो। आज भी आप गाड़ी से उस स्थान तक नही जा सकते !

फिर इस मन्दिर को ऐसी जगह क्यों बनाया गया ?

ऐसी प्रतिकूल परिस्थितियों में 1200 साल से भी पहले ऐसा अप्रतिम मंदिर कैसे बन सकता है? 1200 साल बाद भी जहां उस क्षेत्र में सब कुछ हेलीकॉप्टर से ले जाया जाता है। जेसीबी के बिना आज भी वहां एक भी ढांचा खड़ा नहीं होता हैं।यह मंदिर वहीं खड़ा है और न सिर्फ खड़ा हैं बल्कि बहुत मजबूत है।हम सभी को कम से कम एक बार यह सोचना चाहिए। वैज्ञानिक अनुमान लगाते हैं कि यदि मंदिर 10 वीं शताब्दी में पृथ्वी पर होता तो यह हिम युग की एक छोटी अवधि में होते। वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ जियोलॉजी, देहरादून ने केदारनाथ मंदिर की चट्टानों पर लिग्नोमैटिक डेटिंग का परीक्षण किया गया। यह पत्थरों के जीवन की पहचान करने के लिए किया जाता हैं। परीक्षण से पता चला कि मंदिर 14 वीं सदी से लेकर 17 वीं सदी के मध्य तक पूरी तरह से बर्फ में दब गया था। हालांकि मंदिर के निर्माण में कोई नुकसान नहीं हुआ। 2013 में केदारनाथ में आई विनाशकारी बाढ़ को सभी ने देखा है। इस दौरान औसत से 375 प्रतिशत अधिक बारिश हुई थी, आगामी बाढ़ में 5748 लोग सरकारी आंकड़े मारे गए और 4200 गांवों को नुकसान पहुंचा, भारतीय वायुसेना ने 1 लाख 10 हजार से ज्यादा लोगों को एयरलिफ्ट किए, सब कुछ ले जाया गया लेकिन इतनी भीषण बाढ़ में भी केदारनाथ मंदिर का पूरा ढांचा जरा भी प्रभावित नहीं हुआ।

भारतीय पुरातत्व सोसाइटी के मुताबिक

बाढ़ के बाद भी मंदिर के पूरे ढांचे के ऑडिट में 99 फीसदी मंदिर पूरी तरह सुरक्षित है। 2013 की बाढ़ और इसकी वर्तमान स्थिति के दौरान निर्माण को कितना नुकसान हुआ था इसका अध्ययन करने के लिए आईआईटी मद्रास ने मंदिर पर एनडीटी परीक्षण किया साथ ही कहे कि मंदिर पूरी तरह से सुरक्षित और मजबूत है। यदि मंदिर दो अलग अलग संस्थानों द्वारा आयोजित एक बहुत ही वैज्ञानिक और वैज्ञानिक परीक्षण में उत्तीर्ण नहीं होता है।

आज के समीक्षक सबसे अच्छा क्या कहते ?

केदारनाथ मंदिर उत्तर दक्षिण के रूप में बनाया गया है। जबकि भारत में लगभग सभी मंदिर पूर्व पश्चिम है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि मंदिर पूर्व पश्चिम होता तो पहले ही नष्ट हो चुका होता या कम से कम 2013 की बाढ़ में तबाह हो जाता लेकिन इस दिशा की वजह से केदारनाथ मंदिर बच गया है। मंदिर ने प्रकृति के चक्र में ही अपनी ताकत बनाए रखा है। मंदिर के इन मजबूत पत्थरों को बिना किसी सीमेंट के एशलर तरीके से एक साथ चिपका दिया गया है। पत्थर के जोड़ पर तापमान परिवर्तन के किसी भी प्रभाव के बिना मंदिर की ताकत अभेद्य है। टाइटैनिक के डूबने के बाद पश्चिमी लोगों ने महसूस किया कि कैसे एनडीटी परीक्षण और तापमान ज्वार को मोड़ सकते है। भारतीय लोगों ने यह सोचा और यह 1200 साल पहले परीक्षण किया ! क्या केदारनाथ उन्नत भारतीय वास्तु कला का ज्वलंत उदाहरण नहीं है? 2013 में मंदिर के पिछले हिस्से में एक बड़ी चट्टान फंस गई और पानी की धार विभाजित हो गई। मंदिर के दोनों किनारों का तेज पानी अपने साथ सब कुछ ले गया लेकिन मंदिर और मंदिर में शरण लेने वाले लोग सुरक्षित रहे। जिन्हें अगले दिन भारतीय वायुसेना ने एयरलिफ्ट किया था। सवाल यह नहीं है कि आस्था पर विश्वास किया जाए या नही लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि मंदिर के निर्माण के लिए स्थल उसकी दिशा वहीं निर्माण सामग्री और यहां तक कि प्रकृति को भी ध्यान से विचार किया गया था जो 1200 वर्षों तक अपनी संस्कृति और ताकत को बनाए रखेगा।

हम पुरातन भारतीय विज्ञान की भारी यत्न के बारे में सोचकर दंग रह गए है। शिला जिसका उपयोग 6 फीट ऊंचे मंच के निर्माण के लिए किया गया है कैसे मन्दिर स्थल तक लाया गया।आज तमाम बाढ़ों के बाद हम एक बार फिर केदारनाथ के उन वैज्ञानिकों के निर्माण के आगे नतमस्तक है। जिन्हें उसी भव्यता के साथ 12 ज्योतिर्लिंगों में सबसे ऊंचा होने का सम्मान मिला है। यह एक उदाहरण हैं कि वैदिक हिंदू धर्म और संस्कृति कितनी उन्नत थी। उस समय हमारे ऋषि मुनियों यानी वैज्ञानिकों ने वास्तुकला, मौसम विज्ञान, अंतरिक्ष विज्ञान आयुर्वेद में काफी तरक्की की थी।

हरदा में करणी सेना कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज, खंडेलवाल ने बताया कांग्रेस का षडयंत्र

भोपाल। करणी सेना के कार्यकर्ताओं पर हरदा में हुए लाठीचार्ज को लेकर प्रदेश की सियासत गरम है। जहां पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने इसे कांग्रेस की साजिश करार दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने इस पूरे मामले की ज़िम्मेदारी कांग्रेस पर डालते हुए कहा कि कांग्रेस अब सामाजिक वैमनस्य फैलाकर अपनी डूबती राजनीति को बचाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने जानबूझकर एक सामान्य विवाद को सामाजिक और सांप्रदायिक रंग देने का प्रयास किया। खंडेलवाल ने लिखा कि हरदा की घटना कुछ व्यक्तियों के बीच लेन-देन का निजी विवाद थी, लेकिन कांग्रेस ने इसे भड़काने और समाज को भ्रमित करने की कोशिश की। यह सब सिर्फ विकास और सुशासन की बहस से ध्यान भटकाने के लिए किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार की नीति को स्पष्ट करते हुए कहा कि राज्य में कानून सभी के लिए समान है और कोई भी सामाजिक विद्वेष फैलाने की कोशिश करेगा, तो उसे कानून का सख्त सामना करना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार सख्त भी है और संवेदनशील भी। प्रदेश की शांति और एकता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा, चाहे कांग्रेस कितनी भी साजिश रचे।आलोट से भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए लिखा कि हरदा में बर्बर लाठीचार्ज दुखद और पीड़ादायक है। इसे टाला जा सकता था। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जिस तरह से धरातल पर विकास कार्य कर रही है, उसे जनता और समाज का पूर्ण समर्थन मिल रहा है। उन्होंने दावा किया कि समाज अब जागरुक है और किसी भी राजनीतिक बहकावे या अफवाहों में आने वाला नहीं है।

यह है मामला

हरदा में शनिवार को उस समय बवाल मच गया जब करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने धारा 420 के एक आरोपी को कोर्ट में पेश करने के दौरान पुलिस से आरोपी को उनके हवाले करने की मांग की। दरअसल, यह मामला 18 लाख रुपये के नकली हीरे की बिक्री से जुड़ा है, जिसमें आशीष राजपूत नामक व्यक्ति ने कोतवाली थाने में धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज करवाई थी। पुलिस इंदौर से आरोपी मोहित वर्मा को गिरफ्तार कर हरदा लाई थी। करणी सेना के कार्यकर्ताओं का आरोप है कि पुलिस आरोपी को संरक्षण दे रही है और उसे छोड़ने के लिए पैसे ले रही है। उनका दावा है कि विवेचना अधिकारी ने 2.80 लाख रुपये में समझौता करने की कोशिश की। जब पुलिस ने आरोपी को उनके हवाले नहीं किया, तो कार्यकर्ताओं ने थाने और कोर्ट के बाहर हंगामा किया, चक्काजाम किया और पुलिसकर्मियों से झूमा-झटकी की। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज, वाटर कैनन और आंसू गैस का प्रयोग किया। करणी सेना के जिलाध्यक्ष सुनील राजपूत सहित करीब 50 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अब पुलिस जाम लगाने वालों पर भी एफआईआर की तैयारी में है।

भोपाल को भिक्षावृत्ति मुक्त करने 8 टीमें करेंगी काम, हमीदिया में बनेगा अलग वार्ड

भोपाल। राजधानी भोपाल में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के लगातार प्रयास के बाद भी भिक्षावृत्ति पर रोक नहीं लग पा रही है। भिक्षावृत्व पर पूर्ण रोक लगाने के लिए कलेक्टर ने अब विशेष प्लान तैयार किया है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में, सभी जोनों के एसडीएम की देखरेख में आठ टीमों का गठन किया गया है। ये टीमें शहर में गश्त करेंगी और पूर्व निर्धारित साप्ताहिक कार्यक्रम के अनुसार छापेमारी करेंगी। इसके साथ ही, शासकीय हमीदिया अस्पताल में बुजुर्ग और बीमार व्यक्तियों के लिए एक विशेष वार्ड बनाया जाएगा। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में विस्तृत कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया गया है। इस कार्य को पूर्ण रूप से पूरा करने के लिए पुलिस, नगर निगम, श्रम, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास, और अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति कल्याण सहित विभिन्न विभागों को टीमों में शामिल किया गया है। इस पहल के तहत, भिखारियों के पुनर्वास के लिए एक समर्पित आश्रय गृह स्थापित किया गया है।

प्रशासन ने इस सुविधा के संचालन के लिए अनुभवी और सक्षम स्वयंसेवी संगठनों से प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। इच्छुक गैर सरकारी संगठनों को 15 जुलाई शाम 5 बजे तक अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करने होंगे।

सार्वजनिक स्थान पर भीख मांगने पर है प्रतिबंध - कलेक्टर द्वारा 3 फरवरी, 2025 को जारी एक पूर्व आदेश में सार्वजनिक स्थानों पर भीख मांगने और दान देने दोनों पर प्रतिबंध लगाया गया है। टीम साप्ताहिक कार्यक्रम के अनुसार प्रतिदिन काम करेंगी, जिसकी आधिकारिक घोषणा सोमवार को की जाएगी। इस योजना का उद्देश्य जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक वितरण और निरंतर कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

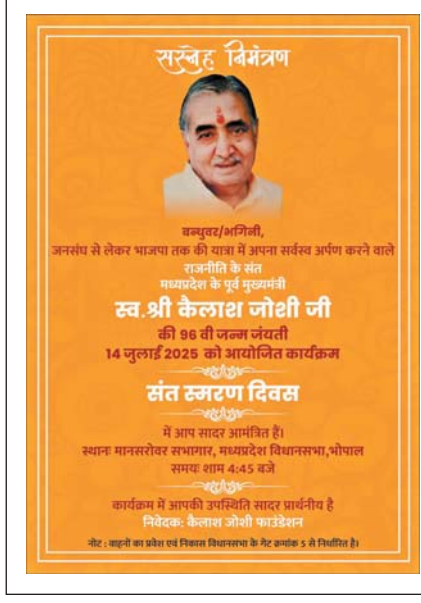

संत स्मरण दिवस
राजनीति के संत और
मध्यप्रदेश के पूर्व
मुख्यमंत्री जी की जन्म
जयंती के कार्यक्रम में...
आप सादर आमंत्रित है।
दिनांक... 14 जुलाई सोमवार 2025
समय... शाम 4.45 PM
स्थान... मानसरोवर सभागार,
नई विधानसभा भोपाल।
- डा राजीव जैन
एक्टिव फ्रेंड्स ग्रुप भोपाल।
6260458568